राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 293 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार ,27 अप्रैल 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

10 दिन पहले नीति आयोग ने सरकार को दी थी चेतावनी

नई दिल्ली। ऑक्सीजन का प्रबंध कर लीजिए, क्योंकि 20 अप्रैल तक दैनिक संक्रमणों की संख्या 3 लाख और अप्रैल के अंत तक 5 लाख होगी। यह बात 10 दिन पहले नीति आयोग के सदस्य डॉ वीके पॉल ने कही थी, जो कि उच्चाधिकार प्राप्त अधिकारियों के समूह के मुखिया हैं। डॉ. पाल ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों के समक्ष चेतावनी भी दी थी कि कोविड का रूप और भयंकर होने वाला है और देश को ज्यादा मात्रा में मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन की जरूरत पड़ेगी।

आग से चार कोरोना मरीजों की मौत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र ने कोरोना विस्फोट के बाद लॉकडाउन और कन्टेनमेंट जोन बनाने के लिए राज्यों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। राज्यों से आग्रह किया गया है कि वे गृह मंत्रालय द्वारा निर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर जिलों, शहरों और क्षेत्रों पर फोकस करके कन्टेनमेंट जोन बनाएं।

गृह मंत्रालय ने कहा है कि लॉकडाउन कहां या कब लगाना है या बड़ा कन्टेनमेंट जोन बनाना है, यह सबूतों को आधार बनाकर और प्रभावित जनसंख्या, भौगोलिक प्रसार, अस्पताल के बुनियादी ढांचे, कार्यबल और सीमाओं के आधार पर विश्लेषण के बाद किया जाता है।

शराब पीने से चार लोगों की मौत

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जनपद में जहां पंचायत चुनाव में तीसरे चरण के लिए मतदान जारी है तो वहीं इंचौली थाना क्षेत्र के गांव साधारणपुर से एक बड़ी खबर आमने आई है। बताया गया कि इस गांव में शराब पीने से चार लोगों की मौत हो गई। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की पूरी जानकारी ली। इंचौली थानाध्यक्ष का कहना है कि अभी मामले की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही कुछ बताया जाएगा। पुलिस के अनुसार चारों मृतक साधारणपुर गांव के निवासी थे। तीन की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है, जिसमें पंकज पुत्र विजयपाल, जॉनी पुत्र हरपाल व अंकित पुत्र चांद शामिल है।

कोरोना की घातक दूसरी लहर के बीच राहत की खबर

नई दिल्ली । कोरोना महामारी की दूसरी लहर में बहुत मजबूत उछाल के बावजूद कोविड -19 के लिए भारत में मृत्यु दर एक प्रतिशत से थोड़ा अधिक है. इसका मतलब यह है कि कोविड -19 के लगभग 99 प्रतिशत मरीज इस महामारी से ठीक हो रहे हैं. टीवी स्क्रीन, अखबारों और सोशल मीडिया पर कोरोना मरीजों की लंबी कतार में इंतजार करते हुए, ऑक्सीजन की कम आपूर्ति के कारण हांफते हुए, और मृतकों को कार की छतों पर बांधके श्मशान तक ले जाने वाली तस्वीर बेहद दुखद है.अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में रविवार को कोरोना के सबसे ज्यादा मामले सामने आए.

कोरोना की दूसरी लहर के लिए मद्रास हाईकोर्ट की चुनाव आयोग को फटकार, कहा- 'अधिकारियों पर दर्ज हो हत्या का मुकदमा'

नई दिल्ली । देश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार तेजी से बढ़ने के बीच मद्रास हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग को जमकर फटकार लगाई है. हाईकोर्ट ने सोमवार को कोरोना के प्रसार के लिए चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि कोरोना संक्रमण के रोजाना बढ़ते मामलों के बावजूद चुनाव आयोग ने राजनीतिक पार्टियों को रैलियां करने की इजाजत कैसे दे दी? देश में कोरोना की दूसरी लहर के प्रसार के बाद भी आयोग ने चुनावी रैलियों पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया.

मद्रास हाईकोर्ट ने चुनावी रैलियों के दौरान कोरोना नियमों के पालन को सुनिश्चित करने में असफल रहने पर चुनाव आयोग को फटकार लगाई. मुख्य न्यायाधीश संजीब बनर्जी ने कहा, 'कोरोना की दूसरी लहर के लिए केवल चुनाव आयोग जिम्मेदार है'.

न्यायमूर्ति संजीब बनर्जी ने कहा, 'चुनाव आयोग के अधिकारियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज होना चाहिए. चुनाव आयोग के वकील ने कहा कि रैलियों के दौरान कोरोना नियमों का पालन सुनिश्चित किया गया था. इसपर कोर्ट ने कहा, 'क्या आप

तब दूसरे ग्रह पर थे जब राजनीतिक रैलियों का आयोजन किया जा रहा था'.

मुख्य न्यायाधीश बनर्जी ने चुनाव आयोग से कहा कि नागरिकों का स्वास्थ्य सर्वोपरि है और यह चिंताजनक है कि संवैधानिक अधिकारियों को ही ये बात बतानी पड़ रही है. हाईकोर्ट ने साफ शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि 2 मई को होने वाली मतगणना के दिन अगर कोरोना गाइडलाइन का पालन नहीं हुआ तो मतगणना पर पूरी तरह से रोक लगा दी जाएगी.

कोर्ट ने कहा कि बात अब सुरक्षा की है, बाकी सब कुछ इसके बाद आता है. हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश देते हुए कहा कि राज्य स्वास्थ्य सचिव के साथ सलाह मशविरा करके 30 अप्रैल तक कोरोना प्रोटोकॉल को लेकर ब्लू प्रिंट तैयार करें और यह सुनिश्चित करें कि मतगणना के दिन कोरोना नियमों का सही तरीके से पालन हो.

हाईकोर्ट ने कहा- कोई जिन्दा रहेगा तब....

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने श्रेष्ट से कहा, लोगों का स्वास्थ्य सबसे अहम है और यह चिंताजनक है कि संवैधानिक अधिकारियों को ऐसी बातें याद दिलानी पड़ती है. जब कोई शख्स जीवित रहेगा तभी वह अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का लाभ उठा सकेगा.

उम्मीदवार की याचिका पर मद्रास हाईकोर्ट ने की टिप्पणी- मुख्य न्यायाधीश संजीव बनर्जी और जस्टिस सेंथिलकुमार राममूर्ति की पीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की. इस याचिका में अधिकारियों को कोविड-19 नियमों के अनुसार प्रभावी कदम उठाते हुए और उचित प्रबंध करके दो मई को करूर में निष्पक्ष मतगणना सुनिश्चित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है.

याचिकाकर्ता का कहना है कि करूर निर्वाचन क्षेत्र में हुए चुनाव में 77 उम्मीदवारों ने किस्मत आजमाई है, ऐसे में उनके एजेंट को मतगणना कक्ष में जगह देना काफी मुश्किल होगा. इससे नियमों के पालन पर असर पड़ सकता है.

निर्वाचन आयोग के वकील ने जब न्यायाधीशों को बताया कि सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं तो पीठ ने कहा उसने राजनीतिक दलों को रैलियां और सभायें करने की अनुमति देकर कोविड-19 की दूसरी लहर के प्रकोप का रास्ता साफ कर दिया था.

सरकार ने कोविड-19 टीके की कीमत कम करने को कहा

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को सीरम इंस्टीट्यूट और भारत बायोटेक से कहा कि वे अपने कोविड-19 टीकों की कीमत कम करें। सरकार ने इन दोनों कंपनियों को टीकों के दाम करने के लिए ऐसे समय कहा है जब विभिन्न राज्यों ने आलोचना करते हुए ऐसे बड़े संकट के दौरान मुनाफाखोरी पर आपत्ति जताई है। कैबिनेट सचिव राजीव गौबा की अध्यक्षता में हुई बैठक में टीके मूल्य निर्धारण के मुद्दे पर चर्चा की गई। अब उम्मीद है कि दोनों कंपनियां अपने टीकों के लिए संशोधित मूल्य निर्धारण के साथ सामने आएंगी। हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक ने अपने कोविड-19 टीके कोवैक्सिन की कीमत राज्य सरकारों के लिए 600 रुपये प्रति खुराक और निजी अस्पतालों के लिए 1,200 रुपये प्रति खुराक निर्धारित की है। वहीं पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने अपने कोविड-19 टीके कोविशिल्ड की राज्य सरकारों के लिए कीमत 400 रुपये प्रति खुराक घोषित की है और निजी अस्पतालों के लिए 600 रुपये प्रति खुराक घोषित की है। दोनों टीके 150 रुपये प्रति खुराक की दर से केंद्र सरकार को उपलब्ध हैं। कई राज्यों ने टीकों की अलग-अलग कीमतों पर आपत्ति जताई है, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह मुनाफाखोरी का समय नहीं है। भारत ने अपने कोविड-19 टीकाकरण अभियान के विस्तार की घोषणा की है ताकि एक मई से 18 वर्ष से अधिक आयु के लोग टीका लगवा सकें।

तेजी से जारी कोरोना से लड़ाई, अब तक लगे 14.19 करोड़ वैक्सीन डोज- स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली । देश में कोरोना की बेकाबू दूसरी लहर के बीच स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि अब तक वैक्सीन के 14.19 करोड़ डोज दिए जा चुके हैं. मंत्रालय ने बताया है कि देश में इस वक्त एक लाख से अधिक एक्टिव केस वाले राज्य हैं- महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, केरल, राजस्थान, गुजरात और तमिलनाडु.

वहीं एम्स के डायरेक्टर रणदीप गुलेरिया ने कहा है- हमें कोरोना के नए मामलों की संख्या में कमी लानी होगी और अस्पताल के संसाधनों का इस्तेमाल सही तरीके से करना होगा. ऑक्सीजन का तर्कपूर्ण और न्यायसंगत इस्तेमाल बेहद जरूरी है. वर्तमान में गैरजरूरी उहोपोह की स्थिति पैदा हो गई है.भारत ऑक्सीजन की कमी को पूरा करने के लिए विदेशों से भी टैंकर मंगवा रहा है

वहीं गृह मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव ने बताया है कि भारत ऑक्सीजन की कमी को पूरा करने के लिए विदेशों से भी टैंकर मंगवा रहा है. इन टैंकर्स का ट्रांसपोर्टेशन सबसे बड़ी चुनौती है. हम ऑक्सीजन टैंकर्स की मॉनिटरिंग कर रहे हैं.

पीएम मोदी की सीडीएस जनरल रावत के साथ बैठक, कोरोना से जंग में सैन्य बलों के ऑपरेशनों की समीक्षा की

नई दिल्ली । देश में कोरोना की दूसरी लहर के चलते संक्रमितों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी देखी जा रही है। देश के कई राज्यों में खराब हालात को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने खुद कमान संभाल ली है। वहीं सेना ने भी मोर्चा संभाल लिया है। इस बीच चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कोरोना महामारी से निपटने के लिए सशस्त्र बलों द्वारा की जा रही तैयारियों और ऑपरेशन की समीक्षा की। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक सीडीएस रावत ने प्रधानमंत्री मोदी को जानकारी दी कि बीते दो वर्षों में सेवानिवृत्त या पूर्व सेवानिवृत्ति लेने वाले सशस्त्र बलों के चिकित्सा कर्मियों को उनके संबंधित निवास स्थान के आसपास कोविड-19 केंद्रों में काम करने के लिए बुलाया जा रहा है।

यही नहीं दो साल से पहले सशस्त्र बलों से सेवानिवृत्त होने वाले चिकित्सा अधिकारियों से भी चिकित्सा आपाकालीन हेल्पलाइन नंबरों के जरिए सलाह देकर सेवाएं देने को कहा गया है। सीडीएस जनरल बिपिन रावत ने प्रधानमंत्री मोदी को जानकारी दी कि सैन्य बल बड़ी संख्या में चिकित्सा केंद्र भी बना रहे हैं। यही नहीं सेना के चिकित्सा ढांचे का जहां तक संभव हो सकेगा आम लोगों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनरल रावत के साथ हुई इस बैठक में केंद्रीय और राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड और विभिन्न मुख्यालयों के पूर्व सैनिक प्रकोष्ठों में तैनात अधिकारियों की मदद लेने के मसले पर भी चर्चा की।जनरल रावत ने बताया कि बड़ी संख्या में नर्सिंग कर्मियों को अस्पतालों में डॉक्टरों की मदद के लिए भी तैनात किया जा रहा है। सीडीएस जनरल रावत ने प्रधानमंत्री मोदी को यह भी बताया कि वे कोरोना मरीजों के इलाज के लिए बड़ी संख्या में चिकित्सा सुविधाएं तैयार कर रहे हैं।

इसके अलावा जहां संभव है वहा सैन्य चिकित्सा बुनियादी ढांचा सुविधाओं को आम नागरिकों के लिए भी खोला जाएगा। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और विदेशों में ऑक्सीजन एवं अन्य जरूरी वस्तुओं के परिवहन के लिए भारतीय वायुसेना की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशनों की भी समीक्षा की।

पीएमओ की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक सैन्य बलों के अन्य चिकित्सा अधिकारी जो सेवानिवृत्त हुए हैं... उनको आपातकालीन हेल्पलाइन के माध्यम से अपनी सेवाएं उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है।

राज्यपाल ने शुरू किया कोरोना सेवा यज्ञ

अहमदाबाद, (एजेंसी)। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कोरोना महामारी के खिलाफ राज्य के संघर्ष में सहभागी बनते हुए राजभवन से कोरोना सेवा यज्ञ जन अभियान का प्रारंभ किया है। कोरोना के खिलाफ जंग में राज्य सरकार ने सहयोग देने गुजरात के लोगों को प्रेरणा देने के उद्देश्य के साथ राज्यपाल ने मुख्यमंत्री राहत कोष में रु. 25 लाख का आर्थिक सहयोग देने का ऐलान किया है। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि कोरोना संक्रमण के खिलाफ गुजरात के जंग में राज्य सरकार को राज्य की जनता पूरा सहयोग दे रही है। ऐसे में सबका साथ, सबका विकास कर्म मंत्र के साथ जनशक्ति के प्रचंड सामर्थ्य से गुजरात इस चुनौती का मुकाबला कर विजय हासिल करेगी।

राज्यपाल ने कोरोना संक्रमण के खिलाफ राज्य सरकार की लड़ाई में नागरिकों से सहभागी होने और मुख्यमंत्री राहत निधि में उदारता से सहयोग देने की अपील की है। राज्यपाल ने साधु-संतों और धर्मस्थलों के मुखिया, शिक्षकों के अलावा राज्य के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ अलग अलग संवाद कर मुख्यमंत्री राहत कोष में यत्किंचित सहयोग देने की अपील करते हुए सभी से नागरिक धर्म निभाने का अनुरोध किया है।

कर्नाटक में 14 दिनों का लॉकडाउन, सिर्फ जरूरी सेवाओं की छूट

बैंगलोर, (एजेंसी)। कर्नाटक में रविवार को 34,804 नए कोरोना केस मिले थे, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके अलावा राज्य में 134 लोगों की मौत भी हुई है। यह लॉकडाउन मंगलवार को रात 9 बजे से लागू होगा। कर्नाटक के सीएम बीएस येदियुरप्पा ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान जरूरी सामान बेचने वाली दुकानें सुबह 6 बजे से 10 बजे तक खुली रहेंगी। इसके अलावा निर्माण कार्य, मैन्युफैक्चरिंग और कृषि कार्य से जुड़े सामानों को बेचने वाली दुकानों को भी खोलने पर रोक नहीं होगी। कर्नाटक में लॉकडाउन दिल्ली और महाराष्ट्र की तुलना में थोड़ा सख्त होगा। राज्य सरकार ने

ऐलान किया है कि लॉकडाउन के दौरान सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी पूरी तरह से बंद रहेंगी। कोरोना की दूसरी लहर में अब तक कमोबेश बचे रहे क्रर्नाटक में अब तेजी से मामले बढ़ रहे हैं। रविवार को 34 हजार नए केस आने के साथ ही राज्य में कोरोना के कुल केस 13.49 लाख के पार पहुंच गए हैं। इसके अलावा मौतों का आंकड़ा भी 14,426 लोगों की मौत हो चुकी है। बेंगलुरु में कोरोना के केसों में तेजी से इजाफा देखने को मिला है।

दिल्ली के बाद बेंगलुरु ऐसा शहर है, जहां सबसे तेजी से कोरोना के केस मिल रहे हैं। राज्य में कोरोना पॉजिटिविटी रेट 20 फीसदी के करीब पहुंच चुका है। इससे साफ है कि संकट गहरा हो चुका है। सीएम बीएस येदियुरप्पा ने कहा, कोरोना संक्रमण राज्य में तेजी के साथ पैर पसार रहा है। यह संकट कर्नाटक में महाराष्ट्र और दिल्ली से भी ज्यादा बढ़ गया है। हम 18 साल से अधिक आयु के सभी लोगों को सरकारी अस्पतालों में मुफ्त में कोरोना का टीका लगाएंगे। इसके अलावा 45 साल से अधिक आयु वाले लोगों का केंद्र सरकार फ्री में टीकाकरण कर ही रही है।

वेदांता के स्टरलाइट प्लांट से शुरू होगा 1000 टन ऑक्सीजन उत्पादन

चेन्नई । भारत में कोरोना के चलते पैदा हुए ऑक्सीजन संकट के बीच तमिलनाडु सरकार ने तूतीकोरिन में वेदांता स्टरलाइट प्लांट को फिर से खोलने की इजाजत दी है। फिलहाल चार महीने के लिए ही इस प्लांट को खोला जाएगा। यानी एक बार फिर से यहां से ऑक्सीजन उत्पादन शुरू हो सकेगा। समाचार एजेंसी रायटर्स के मुताबिक, वेदांता स्टरलाइट प्लांट से 1000 टन ऑक्सीजन उत्पादन की क्षमता है। राज्य सरकार ने सोमवार को कहा कि वेदांत का स्टरलाइट कॉपर स्मेल्टिंग प्लांट, जिसे साल 2018 में पर्यावरण प्रदूषण पर स्थानीय लोगों के विरोध के बावजूद बंद कर दिया गया था, उसे आंशिक रूप से चार महीने तक के लिए फिर से खोलने की अनुमति दी गई है। तमिलनाडु सरकार की ओर से यह फैसला तब लिया गया, जब राज्य में कोरोना के मामलों में वृद्धि देखी गई।

प्रदूषण के चलते बंद किया था वेदांता स्टरलाइट प्लांट

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो प्रदूषण को लेकर स्थानीय लोगों के विरोध के चलते 2018 में वेदांत के स्वामित्व वाली स्टरलाइट को बंद कर दिया गया था। अब सरकार इस प्लांट से ऑक्सीजन सप्लाई करेगी। अधिकारियों के मुताबिक, सरकार द्वारा नियुक्त पैनल संयंत्र के कामकाज की निगरानी करेगा। हालांकि, प्लांट में किसी भी तरह के तांबा उत्पादन की इजाजत नहीं दी गई है।

सर्वदलीय बैठक के बाद लिया गया निर्णय-प्रदेश सरकार ने आज एक सर्वदलीय बैठक के बाद इस फैसले की घोषणा की। बताया जा रहा है कि बैठक में डीएमके चीफ एमके स्टालिन ने सुझाव दिया कि स्टरलाइट से तमिलनाडु को मुफ्त में ऑक्सीजन प्रदान की जानी चाहिए।

गौरतलब है कि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने भी पिछले दिनों इस प्लांट को ऑक्सीजन निर्माण के लिए खोलने की बात कही थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि ऑक्सीजन की कमी के चलते लोगों की मौत हो रही है तो ऐसे में तमिलनाडु सरकार 2018 से बंद पड़ी वेदांता की स्टरलाइट इंडस्ट्री को अपने हाथ में लेकर कोरोना मरीजों की जान बचाने के लिये ऑक्सीजन का उत्पादन क्यों नहीं करती?

मरीज एडमिट नहीं होने पर जिम्मेदारों पर करें सख्त कार्रवाई : योगी

लखनऊ, (एजेंसी)। सीएम योगी ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में प्रदेश के अस्पतालों में ओपीडी सेवाएं स्थगित हैं। ऐसे में टेलीकन्सल्टेशन को बढ़ावा दिया जाए। कोविड होम आइसोलेशन और नॉन कोविड मरीजों के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की सूची/संपर्क माध्यम का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए। सीएम योगी ने कहा कि इंटीग्रेटेड कमांड एन्ड कंट्रोल सेंटर से मरीज को जो अस्पताल आवंटित किया गया है, वहां उसे एडमिट करना अनिवार्य है। जिलाधिकारी यह सुनिश्चित कराएं। अन्यथा की दशा में जिम्मेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री कार्यालय से इसकी मॉनिटरिंग की जाए। सीएम योगी ने कहा कि होम आइसोलेशन में इलाजरत मरीजों से सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से हर दिन संवाद बनाया जाए। उन्हें न्यूनतम एक सप्ताह की अवधि के लिए मेडिकल किट उपलब्ध कराया जाए। स्वास्थ्य मंत्री के स्तर से मेडिकल किट वितरण व्यवस्था की जिलेवार समीक्षा की जाए। सीएमओ की जवाबदेही तय की जाए। दवाओं का कोई अभाव नहीं है। अस्पतालों में इलाजरत मरीजों से हर दिन संवाद बनाया

जाए। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन की आपूर्ति हर दिन बढ़ती जा रही है।

रुड़की, काशीपुर, मोदीनगर के साथ-साथ बोकारो आदि प्लांट से लगातार आपूर्ति सुनिश्चित कराई जा रही है। एमएसएमई इकाइयों को भी सीधे अस्पतालों से लिंक कर आपूर्ति कराई जा रही है। टाटा और रिलायंस समूहों की ओर से भी प्रदेश को ऑक्सीजन आपूर्ति का प्रस्ताव मिला है। सम्बंधित लोगों से संवाद कर तत्काल आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा कि सभी जिलों के प्रत्येक छोटे-बड़े अस्पताल की स्थिति पर नजर रखी जाए। जिसे भी जरूरत होगी, ऑक्सीजन जरूर मुहैया कराई जाए। ऑक्सीजन के सुचारु आपूर्ति-वितरण के लिए प्रदेश के सात संस्थाओं द्वारा ऑक्सीजन की ऑडिट भी कराई जा रही है।

सीएम ने कहा कि ऑक्सीजन टैंकरों की संख्या बढ़ाये जाने के सम्बंध में विशेष प्रयास की जरूरत है। इसमें भारत सरकार से भी सहयोग प्राप्त किया जा सकता है। ऑक्सीजन टैंकर को जीपीएस से जोड़ते हुए इनके संचालन की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जाए। योगी ने कहा कि रेमेडेसिविर जैसी किसी भी जीवनरक्षक दवा का प्रदेश में अभाव नहीं है। हर दिन इसकी आपूर्ति बढ़ रही है। जिलों की मांग को देखते हुए रेमेडेसिविर के पर्याप्त वॉयल उपलब्ध कराए जाएं। सरकारी अस्पतालों में यह इंजेक्शन निःशुल्क उपलब्ध है, जरूरत होगी तो निजी अस्पतालों को भी तय दरों पर रेमेडेसिविर मुहैया कराई जाए। इसके साथ-साथ इसकी कालाबाजारी पर पुलिस लगातार नजर रखे।

बंगाल में सातवें चरण में 75.06% मतदान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 29 अप्रैल को 35 विधानसभा क्षेत्रों में आठवें और अंतिम चरण के मतदान के लिए प्रचार अभियान सोमवार को शाम साढ़े छह बजे समाप्त हो गया। मालदा में छह, मुर्शिदाबाद में 11, कोलकाता उत्तरी में सात और बीरभूम में 11 निर्वाचन क्षेत्रों में बृहस्पतिवार को होने वाले मतदान में 283 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। इस चरण में कुल 84,77,728 मतदाता हैं। इनमें 43,55,835 पुरूष, 41,21,735 महिलाएं और तृतीय लिंग के 158 मतदाता हैं। कुल 11,860 मतदान केंद्रों में सुबह सात बजे से शाम साढ़े छह बजे तक मतदान होगा। आपको बता दें कि चुनाव आयोग के मुताबिक शाम 5.31 बजे तक 75.06 फीसदी मतदान हुआ है।

इस चरण में तृणमूल कांग्रेस, बसपा और भाजपा ने 11-11 उम्मीदवार उतारे हैं जबकि माकपा चार सीटों पर, कांग्रेस तीन सीटों पर, एआईएफबी दो सीटों पर तथा आरएसपी एक सीट पर चुनाव लड़ रही है। मुकाबले में चार निर्दलीय उम्मीदवार भी हैं। पश्चिम बंगाल समेत देश में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के कारण रोड शो और वाहनों की रैलियों पर पाबंदी लगाए जाने के कारण विभिन्न दलों ने अधिकतम 500 भागीदारों के साथ छोटी-छोटी रैलियां की या डिजिटल तरीके से सभा का आयोजन किया गया। चुनाव आयोग ने कोविड-19 के सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करने के लिए कई उम्मीदवारों के खिलाफ मामला दर्ज कराया और उन्हें कारण बताओ नोटिस भेजे गए हैं।

बिलावल बोले, इमरान खान को देना होगा एक-एक वैक्सीन का हिसाब

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोरोना महामारी बेकाबू है और अब यहां के नेताओं ने इमरान को निशाने पर ले लिया है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के प्रमुख बिलावल भुट्टो ने कहा है कि इमरान एक-एक वैक्सीन का हिसाब देना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कोरोना रिलीफ फंड का भी पूरा हिसाब जनता को दें। बिलावल ने इमरान से पूछा कि कोरोना पर नियंत्रण के लिए उनके द्वारा पिछले साल बनाई गई टाइगर सेना कहां है। यह बयान इमरान के द्वारा देश में कोरोना की गाइडलाइन लागू कराने के लिए पुलिस के साथ सेना को भी लगाने के आदेश के बाद आया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी जनता में परेशानी सिर्फ सरकार की नीतियों के कारण ही बढ़ रही हैं। बिलावल भुट्टो ने कहा कि कोरोना की गाइडलाइन जब प्रधानमंत्री खुद ही नहीं मान रहे तो जनता से कैसे उम्मीद की जा सकती है।

इमरान के सांसद मरयम की पार्टी के संपर्क में लाहौर

पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज की उपाध्यक्ष मरयम नवाज ने कहा है कि इमरान खान की पार्टी के असंतुष्ट सांसद अब उनके संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव घोषित होने दीजिए, उसके बाद पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी।

कोरोना वैक्सीन के लिए कच्चा माल देने को तैयार अमेरिका, भारतीय कंपनियों ने ली राहत की सांस, उत्पादन में आएगी तेजी

वाशिंगटन। भारत में कोरोना की विकराल स्थिति के बीच अमेरिका वैक्सीन के लिए कच्चा माल देने पर राजी हो गया है। खास बात यह है कि अमेरिका ने भारत में बन रही वैक्सीन के लिए कच्चे माल की आपूर्ति पर उस वक्त रोक लगा दी, जब देश में कोरोना महामारी विकराल रूप धारण कर रहा है। अमेरिकी प्रशासन के इस कदम से वैक्सीन बनाने वाली भारतीय कपंनियों और भारत सरकार की चिंताएं बढ़ा दी थी। अमेरिका के इस फैसले से भारत सरकार और वैक्सीन कंपनियों ने राहत की सांस ली। उधर, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि महामारी द्वारा पैदा हुई विकराल स्थिति में अमेरिका पूरी तरह से भारत के साथ खड़ा हैं। उन्होंने कहा कि हम भारतीय सरकार के साथ मिल कर कार्य कर रहे हैं और भारत के हेल्थ वर्कर को अतिरिक्त सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने भारत को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। भारत की तरफ से कोरोना वैक्सीन निर्माण के लिए आवश्यक कच्चे माल की आपूर्ति पर लगी रोक हटाने के कई बार आग्रह के बाद अब अमेरिका राजी हो गया है। विदेश मंत्री ब्लिंकन ने ट्विटर के जरिये यह जानकारी देते हुए लिखा है कि कोविड-19 के भयानक प्रकोप की स्थिति में हम भारत की जनता के साथ हैं। हम भारत सरकार में अपने साझेदारों के संपर्क में हैं। हम जल्द ही भारत की जनता और कोविड से लड़ने वाले लोगों के समर्थन में अतिरिक्त मदद भेजेंगे। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवान ने भी कहा है कि कोरोना महामारी को लेकर हमारी गंभीर चिंता है। हम रात-दिन अपने भारतीय मित्रों को ज्यादा मदद और आपूर्ति देने पर काम कर रहे हैं। हम भारत की इस लड़ाई में साझेदार हैं। हम बहुत जल्द ज्यादा आपूर्ति करेंगे।

दुनिया में कोरोना से मरने वालों संख्या तीस लाख के पार, बांग्लादेश ने 14 दिनों के लिए भारत का बार्डर किया बंद

वाशिंगटन। कोरोना संक्रमण के तेवर ढीले नहीं हुए हैं। मौत का आंकड़ा तीस लाख के पार हो गया है। जापान ने दो और राज्यों में भी इमरजेंसी की घोषणा कर दी है। महामारी पर नियंत्रण न होने पर टोक्यो-ओसाका के बाद अब क्योटो और ह्योगो में भी इमरजेंसी घोषित कर दी गई। यहां रविवार को साढ़े पांच हजार से ज्यादा मरीज मिले। बार, स्टोर और थ्येटर बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। जर्मनी की चांसलर एंजिला मर्केल ने कहा है कि जनता को कड़ी पाबंदियों का पालन करना चाहिए। वित्त मंत्री ओलाफ स्कोल्ज ने कहा है कि संक्रमण की यही स्थिति रही तो मई के अंत तक सभी पाबंदियों को जारी रखना होगा।

बांग्लादेश ने भारत में बढ़ते कोरोना के मामलों के कारण 14 दिनों के लिए अपना बार्डर सील कर दिया है। बांग्लादेश के गृह मंत्री असदुजमान खान के अनुसार प्रधानमंत्री कार्यालय के निर्देश के बाद यह निर्णय लिया गया है। अमेरिका के जोंस हॉपकिंस यूनीवर्सिटी के अनुसार दुनियाभर में कोरोना के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। मरने वालों का आंकड़ा तीस लाख 96 हजार हो गया है।

इटली : कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच इटली ने भारत से यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है।

ब्राजील : यहां मरने वालों की संख्या तीन हजार प्रतिदिन से कम नहीं हो रही है।

महिलाओं ने बदला इतिहास: अमेरिका में पहली बार महिलाओं ने पूरी की मरीन ट्रेनिंग

तीन घंटे नींद, 35 किलो वजन लेकर 15 किमी चढ़ाई करती थीं

वाशिंगटन। अमेरिका सेना के 100 साल के इतिहास में पहली बार महिला सैनिकों ने लिंगभेद की आखिरी बाधा पार कर ली है। लीमा कंपनी की महिला प्लाटून की 53 रंगरुटों ने मरीन कॉर्प्स का सबसे मुश्किल कोर्स पूरा कर लिया है। कैलिफोर्निया के कैंप पेंटलटन में सबसे मुश्किल माने जाने वाले करीब 11 हफ्ते के कड़े प्रशिक्षण के बाद अब वे आधिकारिक रूप से मरीन बन गई हैं। ऐसा पहली बार हुआ है कि महिलाओं ने इस कोर्स को पूरा किया है। इन्होंने 9 फरवरी 2021 को ट्रेनिंग शुरू की थी।

20 साल की अबिगेल रैगलैंड इन्हीं में से एक हैं। वे बताती हैं- लाखों आंखें हम पर लगी थीं। हम किसी भी हाल में फेल नहीं होना चाहते थे। वहीं 19 साल की एनी कहती हैं- मैं जिंदगी में कभी भी आसान चुनौतियां नहीं चाहती थी। मुझे पहले ही दिन लग गया था कि मैं मरीन के लिए ही बनी हूं।' इदाहो की 19 साल की मिया ओ'हारा कहती हैं- आखिरी चढ़ाई में प्लाटून का झंडा मेरे हाथों में था। चढ़ाई बेहद चिकनी और नुकीली थी। कई बार लगा कि यह जिंदगी की आखिरी चढ़ाई है, पर यह भरोसा भी था कि आखिरी छोर पर कोई स्वागत के लिए खड़ा है...और हमने यह कर दिखाया।' एक छोटे समारोह में इन्हें वर्दी पर लगाने के लिए ईगल, ग्लोब और एंकर पिन दिया गया, जो इस बात का प्रतीक है कि अब वे ट्रेनी नहीं, मरीन हैं।

सबसे मुश्किल कैंप में पुरुष कमांडोज के साथ ली टक्कर

इन्हें पुरुष कमांडोज के बराबर ट्रेनिंग दी गई। सुबह 3 बजे से रात तक बेहद थका देने वाली ट्रेनिंग। सिर्फ 3 घंटे सो पाती थीं। 35 किलो वजन लेकर 15 किमी की मुश्किल चढ़ाई के अलावा नुकीली चोटियों पर दौड़, धूल, कीचड़ में युद्धाभ्यास भी सिखाया गया।

हिंसा बंद होने की शर्त पर आसियान म्यांमार की मदद को सहमत, भारत ने हिंसा रोकने के कदम का किया स्वागत

जकार्ता। दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के नेता म्यांमार को सहायता देने की योजना पर सहमत हो गए हैं। इस सहायता की शर्त यह होगी कि म्यांमार की सैन्य सरकार को प्रदर्शनकारियों की हत्याएं बंद करनी होंगी। लेकिन म्यांमार के सैन्य प्रशासक मंडल जुंटा के प्रमुख ने प्रदर्शनकारियों की हत्याएं रोकने पर कोई स्पष्ट आश्वासन नहीं दिया है। भारत ने आसियान के कदम का स्वागत किया और उसके नेताओं की सोच के प्रति अपना समर्थन जताया है। दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों की एसोसिएशन (आसियान) की बैठक के बाद मलेशिया के प्रधानमंत्री मुहिद्दीन यासीन ने कहा है कि जुंटा का यह रुख हमारी अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। आसियान की इस बैठक में म्यांमार की सेना के सीनियर जनरल मिन आंग लैंग भी शामिल हुए थे। यासीन ने कहा, हम ज्यादा की अपेक्षा नहीं करते लेकिन इतना जरूर चाहते हैं कि म्यांमार में हिंसा रुके, वहां पर निर्दोषों की हत्याएं बंद हों।

बैठक में आसियान नेताओं ने म्यांमार के सीनियर जनरल से अपेक्षा की कि वह प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों की कार्रवाई रुकवाएं। साथ ही राजनीतिक बंदियों को कैद से मुक्त कराएं। उल्लेखनीय है कि म्यांमार में एक फरवरी को सैन्य तख्तापलट के बाद से अभी तक सुरक्षा बलों की कार्रवाई में करीब 750 लोग मारे गए हैं। यासीन ने कहा, जनरल लैंग ने उनकी अपेक्षाओं को अस्वीकार करने की बात नहीं की लेकिन उन्होंने उन्हें स्वीकार भी नहीं किया। ब्रूनेई के सुल्तान की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पांच बिंदुओं पर सहमति जताई गई। म्यांमार में हिंसा पर रोक लगे और सभी संबद्ध पक्षों के बीच वार्ता शुरू हो। इस वार्ता में आसियान की तरफ से भी एक विशेष दूत शामिल हो।

ब्रिटेन की साइबर गुप्तचर सेवा के प्रमुख का खुलासा

दुनिया की तकनीक पर कब्जे की फिराक में है चीन, संभलना होगा

पश्चिमी देशों को तकनीक पर नियंत्रण के लिए लड़नी पड़ सकती है लड़ाई

लंदन। ब्रिटेन की शीर्ष गुप्तचर सेवा के प्रमुख जेरेमी फ्लेमिंग ने दुनिया को सावधान करते हुए कहा है कि चीन दुनिया की तकनीक पर कब्जे की कोशिश लगा में है। वह ग्लोबल ऑपरेटिंग सिस्टम प नियंत्रण करना चाहता है।

फ्लेमिंग ने सावधान करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि चीन को उभरती तकनीक पर हावी न होने दिया जाए। फ्लेमिंग गवर्नमेंट कम्युनिकेशन्स हेड क्वार्टर्स (जीसीएचक्यू) के डायरेक्टर हैं, जो ब्रिटेन की प्रमुख साइबर गुप्तचर सेवा एजेंसी है।

फ्लेमिंग ने कहा है कि पश्चिमी देशों को भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, सिंथेटिक जीव विज्ञान और आनुवांशिकी जैसी तकनीकों पर नियंत्रण के लिए एक लड़ाई का सामना करना पड़ सकता है। उनके मुताबिक, प्रौद्योगिकी नेतृत्व बीते कुछ समय से पूर्व की ओर बढ़ रहा है और इसकी चीन की भूमिका बेहद संदिग्ध है। दरअसल, फ्लेमिंग का इशारा चीनी हैकरों की ओर था, जिनके द्वारा डेटा चोरी और महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल करने के मामले बीते समय में सामने आए हैं। फ्लेमिंग ने कहा कि हम एक-एक पल इस समस्या का सामना कर रहे हैं, जो आगे चलकर बड़ी हो सकती है। इसलिए अभी जरूरी कदम उठाने जरूरी हैं।

रूस पश्चिम के लिए खतरा

फ्लेमिंग ने आने वाले समय में चीन के साथ रूस को भी पश्चिम के लिए तात्कालिक खतरा बताया है, लेकिन उनका कहना है कि कम्युनिस्ट चीन का दीर्घकालिक प्रभुत्व ज्यादा बड़ी समस्या है।

राहतभरी खबर : सऊदी के दमाम बंदरगाह से 80 टन ऑक्सीजन भारत के लिए रवाना

ऑपरेशन ऑक्सीजन मैत्री की शुरुआत

दमाम। मेडिकल ऑक्सीजन संकट के बीच सरकार ने विविध देशों से संपर्क साधा। अब ऑपरेशन ऑक्सीजन मैत्री का श्रीगणेश हुआ है। कई देशों से ऑक्सीजन एयरलिफ्ट कर लाई जा रही है। इस क्रम मे रविवार को सऊदी अरब के दमाम बंदरगाह से 4 क्रायोजेनिक टैंक में 80 टन ऑक्सीजन का जत्था भारत के लिए रवाना हुआ। ये जत्था जल्द मुंद्रा बंदरगाह पहुंचेगा। अदाणी समूह की अगुवाई में यह जत्था लाया जा रहा है। दूसरी ओर कांडला पोर्ट पर ही मेडिकल ऑक्सीजन सिलेंडर बनाने के उपयोग में आने वाले पाइप का जत्था भी आ पहुंचा। हजीरा पोर्ट से एमवी हाय नाम 86 नामक जहाज कांडला पहुंचा। इस पर 4722.82 टन स्टील पाइप, 1389.47 एमटी स्टील बार, 892.326 एमटी जंबो बेग और 170.535 प्रोजेक्ट कार्गो कंडला मे उतरा।

इस क्रम मे सऊदी अरब के दमाम बंदरगाह से 4 क्रायोजेनिक टैंक में 80 टन ऑक्सीजन का जत्था भारत के लिए रवाना हुआ। ये जत्था जल्द मुंद्रा बंदरगाह पहुंचेगा। अदाणी समूह की अगुवाई में यह जत्था लाया जा रहा है।

कांडला पोर्ट के प्रवक्ता ओमप्रकाश दादलाणी ने बताया कि इन पाइप से ऑक्सीजन सिलेंडर तैयार होते हैं। इनमें से कुछ जत्था भोपाल को भेजा जाएगा।

राक के कोविड हॉस्पिटल में लगी आग

आईसीयू में भर्ती 82 मरीजों की मौत, 100 से ज्यादा घायल

बगदाद । इराक के बगदाद में कोविड अस्पताल में आग लगने से 82 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 100 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

आग इराक की राजधानी बगदाद के इब्न अल-खतीब अस्पताल में रविवार को लगी। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि यहां अचानक शॉर्ट-सर्किट हुआ, जिससे आग लग गई। आग लगने से पास ही रखा ऑक्सीजन टैंक फट गया और आग पूरे अस्पताल में फैल गई।

थोड़ी देर में अस्पताल का इंटेसिव केयर यूनिट भी आग से घिर गया और इसमें फंसे लोगों ने खिड़की से नीचे कूदना शुरू कर दिया। अस्पताल में अपने भाई से मिलने आए अहमद जकी ने बताया कि आगजनी की शुरुआत एक विस्फोट के साथ हुई थी। मरने वालों में अधिकतर वो मरीज शामिल हैं, जो वेंटिलेटर पर थे। दम घुटने से उनकी मौत हो गई। इराकी प्रधानमंत्री बोले- जिम्मेदार अधिकारियों को सजा मिलेगी

इराक के प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-कदीमी ने बगदाद स्वास्थ्य विभाग के डायरेक्टर जनरल को बर्खास्त कर दिया है। इसके अलावा अस्पताल के मैनेजर और मेंटेनेंस इंजीनियर को भी हटा दिया गया है। हादसे के बाद इराकी प्रधानमंत्री ने अधिकारियों के साथ इमरजेंसी मीटिंग की। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने लापरवाही की है, उन्हें इसकी सजा जरूर दी जाएगी। उन्होंने इराक की जांच एजेंसी को 24 घंटे के अंदर जांच रिपोर्ट सौंपने को कहा है।

लोगों ने सड़कों पर प्रदर्शन किया

इस हादसे का बाद बगदाद के लोग सड़कों पर उतर आए और घटना के जिम्मेदार लोगों पार कार्रवाई की मांग की। लोगों ने अस्पताल में फायर सेफ्टी उपकरण न होने का आरोप भी लगाया। इराक पर लंगे प्रतिबंधों की वजह से वहां का स्वास्थ्य विभाग वैसे ही दशकों पीछे चला गया है। कोरोना वायरस की स्थिति में भी वहां के हेल्थकेयर वर्कर्स को भारी परेशानियों का सामना कर पड़ रहा है।

तिरंगे के रंग में रंगा बुर्ज खलीफा, कोरोना के खिलाफ जंग में भारत को मिला यूएई का समर्थन

अबु बाधी। कोरोना वायरस महामारी से लड़ाई लड़ रहे भारत के साथ अब यूनाइटेड अरब अमीरात भी खड़ा हो गया है। भारत को समर्थन देने के लिए UAE के दुबई स्थित दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा को तिरंगे के रंगों से प्रज्जवलित किया गया। बुर्ज खलीफा के साथ-साथ 'आबु धाबी नेशनल ऑयल कंपन'के मुख्यालय पर भी भारतीय झंडे को दिखाया गया। इसके साथ ही 'भारत हिम्मत बनाए रखो' का संदेश भी दिया गया।

बुर्ज खलीफा इमारत के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से कोरोना के खिलाफ लड़ाई में एकजुटता प्रकट करते हुए ट्वीट किया गया है। ट्वीट में लिखा गया, 'मुसीबत की इस घड़ी में भारत और इसके लोगों को आशा, दुआएं और मदद भेजते हैं। #BurjKhalifa #StayStrongIndiaÐ वहीं, UAE में मौजूद भारतीय दूतावास ने भी अपने ट्विटर हैंडल पर बुर्ज खलीफा का वीडियो शेयर किया। दूतावास ने लिखा-, भारत कोविड-19 से भीषण जंग लड़ रहा है। इसके दोस्त श्व ने इसके लिए दुआएं भेजी हैं। दुबई में मौजूद बुर्ज खलीफा को तिरंगे के रंगों से प्रज्जवलित कर समर्थन दिखाया गया है।

कोरोना के मामलों में वृद्धि के चलते भारत की जरूरतों को देखते हुए सऊदी अरब 80 मीट्रिक टन ऑक्सीजन दे रहा है। अदाणी समूह और लिंदे कंपनी के सहयोग से यह ऑक्सीजन भारत के लिए जहाज से रवाना हो चुकी है। ऑक्सीजन की पहली खेप इस समय दम्मम से मुंद्रा के रास्ते में है। रियाद स्थित भारतीय मिशन ने ट्वीट किया, भारत की जरूरतों को देखते हुए 80 मीट्रिक टन ऑक्सीजन भेजने में अदाणी समूह और मेसर्स लिंदे के बीच सहयोग से भारतीय दूतावास गौरवान्वित है। सऊद अरब के स्वास्थ्य मंत्रालय को उनकी इस मदद, समर्थन और सहयोग के लिए हमारा हार्दिक धन्यवाद।

कोरोना में भारत के साथ अमेरिका: बाइडेन ने कहा- महामारी की शुरुआत में भारत ने हमारी मदद की, आज जब भारत को जरूरत है तो हम उसके साथ

वाशिंगटन। फ्रांस, रूस और ब्रिटेन के बाद अमेरिका ने भी मुसीबत की घड़ी में भारत की तरफ मदद का हाथ बढ़ाया है। भारतीय समयानुसार, देर रात राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि महामारी की शुरुआत में भारत ने हमारे अस्पतालों में सहायता भेजी थी। अब जबकि उसे जरूरत है, तो हम मदद के लिए तैयार खड़े हैं। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा कि हम भारत सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। ताकि कोरोना की इस लहर के दौरान जल्दी से जल्दी मदद और साजो-सामान भेजा जा सके।

इससे पहले,यूएस ने वैक्सीन के कच्चे माल पर लगी रोक हटाते हुए भारत को तुरंत रॉ मटेरियल सप्लाई करने का फैसला लिया है। दुनिया की सबसे बड़ी दवा निर्माता कंपनी यानी पुणे की सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के CEO अदार पूनावाला ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से कहा था कि अगर हम कोरोना के खिलाफ वाकई गंभीर हैं तो वे कच्चे माल के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटा दें।

भारत में बिगड़ते हालात पर अमेरिका की चुप्पी पर सवाल उठ रहे थे। इसके बाद अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने भारत के NSA अजीत डोवाल से फोन पर बात की। उन्होंने भारत में बढ़ते कोरोना केस पर चिंता जाहिर की। सुलिवन ने कहा कि भारत में बन रही कोवीशील्ड वैक्सीन के लिए जिस कच्चे माल की जरूरत होगी, अमेरिका उसे तुरंत मुहैया कराएगा। इसके अलावा अमेरिका की तरफ से भारत को रेपिड टेस्ट किट, वेंटिलेटर्स और PPE किट भी उपलब्ध कराई जाएगी।

एक्सपर्ट की टीम भारत आएगी

अमेरिका भारत को तुरंत ऑक्सीजन और उससे जुड़ी सप्लाई देने का विकल्प भी ढूंढ रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका कुछ एक्सपर्ट की टीम भेजेगा, जो सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल , यूएस एड, अमेरिकी दूतावास और भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ मिलकर काम करेगी। अमेरिका का डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन बॉयोलॉजिकल ई कंपनी को बढ़ाने के लिए फंडिग देगा, ताकि कंपनी 2022 के अंत तक भारत में कोविड-19 की 10 करोड़ वैक्सीन बना सके।

> भारतीय समयानुसार, देर रात राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि महामारी की शुरुआत में भारत ने हमारे अस्पतालों में सहायता भेजी थी। अब जबकि उसे जरूरत है, तो हम मदद के लिए तैयार खड़े हैं। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा कि हम भारत सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

पूनावाला ने सोशल मीडिया पर ये लिखा था

सोशल मीडिया के माध्यम से अदर ने लिखा था, 'आदरणीय अमेरिका के राष्ट्रपति @POTUS (राष्ट्रपति का ऑफिशियल अकाउंट) अगर हम सचमुच वायरस को हराने को लेकर एकजुट हैं तो अमेरिका के बाहर के वैक्सीन उद्योग के आधार पर मैं आपने अनुरोध करता हूं कि अमेरिका के बाहर कच्चे माल के निर्यात के ऊपर लगे प्रतिबंध को हटा दें, ताकि वैक्सीन का उत्पादन बढ़ाया जा सके। आपके प्रशासन के पास इसकी विस्तृत जानकारी है।'

18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को देंगे नि:शुल्क वैक्सीन : केजरीवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को नि:शुल्क वैक्सीन देने की घोषणा की है। सीएम ने कहा कि सरकार ने 1.34 करोड़ वैक्सीन खरीदने को मंजूरी दी है। हम जल्द से जल्द वैक्सीन खरीद कर बड़े पैमाने पर पूरी दिल्ली में वैक्सीनेशन करने की योजना बना रहे हैं। ऐसा देखा गया है कि वैक्सीन लेने वालों को या तो कोरोना नहीं होता है या जिन्हें होता है, तो उनकी बीमारी गंभीर नहीं होती है। सीएम ने कहा कि वैक्सीन निमार्ता दो कंपनियों ने केंद्र को 150 रुपए में और राज्य सरकारों को 400 व 600 रुपए में वैक्सीन देने की बात कही है, जबकि दाम एक होने चाहिए। यह समय लाभ कमाने का नहीं, बल्कि इंसानियत को मदद करने का है। मुझे उम्मीद है कि वैक्सीन निमार्ता खुद ही इसकी कीमत 150 रुपए पर ले आएंगे। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की कि अगर जरूरत पड़े, तो वैक्सीन की कीमत को नियंत्रित और कम किया जाए।

सीएम ने बताया कि 150 बेड के साथ आज राधा स्वामी सत्संग ब्यास कोविड सेंटर शुरू हो गया है। इसे 5 हजार बेड तक बढ़ाया जाएगा। सीएम केजरीवाल ने डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिल्ली में वैक्सीनेशन और बढ़ाए जा रहे ऑक्सीजन व आईसीयू बेड के संबंध में जानकारी दी। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जैसा हम देख रहे हैं कि देश भर में कोरोना का बहुत जबरदस्त कहर छाया हुआ है और इस कोरोना काल में सबको लग रहा है कि इसका समाधान एक ही है, वह है वैक्सीन। दिल्ली सरकार ने निर्णय लिया है कि 18 साल से ऊपर की उम्र के लोगों को फ्री वैक्सीन दी जाएगी। हम कोशिश करेंगे कि इसको जल्द से जल्द और बड़े स्तर पर लोगों को कैसे वैक्सीन दिया जाए, इसका पूरा प्लान तैयार किया जा रहा है। आज सुबह हम लोगों ने दिल्ली में एक करोड़ 34 लाख वैक्सीन खरीदने की मंजूरी दी है। हम कोशिश करेंगे कि जल्द से जल्द वैक्सीन खरीदी जाए और लोगों को लगाई जाए। इस महामारी में वैक्सीन एक समाधान निकल कर आ रहा है। जिन लोगों को वैक्सीन लगी है, उनको कोरोना नहीं होता है या जिनको होता है, उन लोगों को माइल्ड होता है। उनमें से अधिकतर लोगों को अस्पताल की जरूरत नहीं होती और अगर अस्पताल की जरूरत पड़े भी तो उनकी बीमारी गंभीर नहीं होती है, ऐसा देखने में आया है। अगर सभी को वैक्सीन लग जाए, तो कोरोना एक समान्य बीमारी की तरह हो जाएगी। अगर वैक्सीन लेने के बाद होगी भी, तो ठीक हो जाएगी।

सब्जी और फल मंडी में जमकर उड़ रही कोरोना गाइडलाइन की धज्जियां

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना संक्रमण बढ़ने के बावजूद भी लोग सावधानी बरतने में कोताही बरत रहे है। मोदीनगर हापुड़ मार्ग पर गांव गदाना स्थित सब्जी व फल मंडी परिसर में खरीददारी करने आने वाले लोग मास्क जरूरी, दो गज दूरी का नियम भूल रहे है। जगह-जगह लोगों की भीड़ लग रही है। मंडी में प्रवेश करने से पहले तो सैनेटाइजर कराया जाता है लेकिन थर्मल स्क्रिनिंग नहीं हो रही है। मोदीनगर हापुड़ मार्ग पर गांव गदाना में सब्जी व फल मंडी है। मंडी प्रत्येक दिन सुबह चार बजे से दोपहर ग्यारह बजे तक खोली जाती है और करीब पांच हजार से अधिक लोग रोज सब्जी बेचने या खरीदने के लिए आते हैं। शनिवार व रविवार को लगने वाले कोरोना कर्फ्यू से आश्वयक वस्तु होने के कारण मंडी को मुक्त रखा गया है।

पुलिस प्रशासन द्वारा बार-बार कोरोना गाइडलाइन का पालन करने की अपील का लोगों पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। सुबह सात बजे के आसपास जब फल व सब्जी मंडी में पहुंचे तो देखा कि जगह-जगह सब्जी की दुकान लगी हुई और खरीददारों की भीड़ लगी हुई थी। सोशल डिस्टेंसिंग को तो भूल जाइये, अधिकांश लोगों ने मास्क भी नहीं लगा रखा था। इतना ही नहीं मंडी परिसर में प्रवेश करने वाले गेट पर ना तो सैनेटाइजर की व्यवस्था थी और ना ही थर्मल स्क्रीनिंग हो रही थी। सब्जी मंडी परिसर में कोरोना गाइडलाइन की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही थीं। थानाप्रभारी मुकेश कुमार ने बताया कि मोदीपोन पुलिस चौकी प्रभारी को मंडी में गश्त करने के लिए कहा गया है। यदि कोरोना गाइडलाइन के नियमों का पालन नहीं हो रहा है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तिहाड़ जेल में बंद उमर खालिद को हुआ कोरोना, आइसोलेशन वार्ड में शिफ्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। फरवरी 2020 में हुए दिल्ली दंगे से जुड़े मामले में गिरफ्तार हुए जेएनयू का पूर्व छात्र उमर खालिद को कोरोना हो गया है। इसके बाद उसे तिहाड़ जेल परिसर में ही आईसोलेशन में शिफ्ट किया है। जेल अधिकारी ने कहा कि बीमारी के लक्षण सामने आने के बाद उमर खालिद की जांच कराई गई थी जिसमें उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। बता दें कि दिल्ली दंगे केस में 15 अप्रैल को दिल्ली के एक कोर्ट ने उमर खालिद को जमानत दे दी थी। कोर्ट ने कहा कि केवल हिंसा में शामिल लोगों की पहचान के लिए खालिद को अनिश्चितकाल तक जेल में नहीं रखा जा सकता है।

कड़कड़डूमा कोर्ट ने उमर खालिद से जमानत देते हुए कहा कि मोबाइल में आरोग्य सेतू ऐप डाउनलोड करना होगा। पिछले वर्ष 23 फरवरी को उत्तर-पूर्वी दिल्ली में सीएए और एनआरसी के मुद्दे को लेकर दो समुदायों के बीच हिंसा और उपद्रव भड़क उठा था। हिंसा का यह दौर 25 फरवरी तक चला था। जाफराबाद, वेलकम, सीलमपुर, भजनपुरा, गोकलपुरी और न्यू उस्मानपुर आदि इलाकों में फैल गए इस हिंसा में 53 लोगों की मौत हुई थी और 581 लोग घायल हो गए थे।

दिल्ली छतरपुर में 500 बेड का नया कोविड सेंटर शुरू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना संकट से बुरी तरह प्रभावित राजधानी दिल्ली के लिए राहत की खबर है। दिल्ली के छतरपुर में आईटीबीपी ने राधास्वामी सत्संग व्याज आश्रम में 500 बेड का नया कोविड सेंटर शुरू किया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने आज इस कोविड सेंटर का दौरा किया और व्यवस्था का जायजा लिया। यह अस्पताल शुरू होने के बाद एक तरफ जहां दिल्ली वालों के लिए राहत है वहीं इससे जुड़ी एक दूसरी खबर ने लोगों की चिंता भी बढ़ा दी है। दरअसल इस अस्पताल में भर्ती होने के लिए मरीज को डिस्ट्रिक सर्विलांस ऑफिसर की मंजूरी लेना अनिवार्य किया गया है। बता दें कि उत्तर प्रदेश में ऐसे ही नियम के चलते कई मरीजों की जान चली गयी थी। काफी विरोध के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने मरीज भर्ती के लिए सीएमओ की मंजूरी वाला आदेश वापस लिया था। छतरपुर में बने इस आईटीबीपी के कोविड केयर सेंटर आईसीयू की व्यवस्था नहीं है। इसलिए प्रशासन लगातार अपील कर रहा है कि गंभीर मरीज यहां ना आएं। बता दें कि आईटीबीपी के इस हॉस्पिटल का नाम भी सरदार पटेल कोविड केयर सेंटर है। ये छतरपुर के राधा स्वामी सतसंग व्यास के ग्राउंड में बनाया गया है। डीआरडीओ के हॉस्पिटल का नाम भी सरदार पटेल हॉस्पिटल है और वो एयरपोर्ट के करीब है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी में लागू लॉकडाउन को एक और हफ्ते के लिए बढ़ाने का ऐलान रविवार को करते हुए कहा कि दिल्ली में कोविड-19 की स्थिति गंभीर बनी हुई है और बीते कुछ दिनों में संक्रमण दर 36 प्रतिशत के उच्चतर स्तर पर पहुंच गई थी। सीएम केजरीवाल ने कहा कि 19 अप्रैल की रात को लगाया गया लॉकडाउन तीन मई सुबह पांच बजे तक जारी रहेगा। राष्ट्रीय राजधानी में पहले लॉकडाउन को 26 अप्रैल की सुबह पांच बजे खत्म होना था। उन्होंने कहा, हमें कुछ और दिन स्थिति देखनी होगी कि मामले घटते हैं या बढ़ते हैं।

लाला किला हिंसा केस : दीप सिद्धू को जमानत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने आज 26 जनवरी हिंसा मामले के आरोपी और पंजाबी एक्टर दीप सिद्धू को जमानत दे दी है। अदालत ने कहा है कि उससे पहले ही 14 दिनों की पुलिस हिरासत में पूछताछ की जा चुकी है और वह लगभग 70 दिनों तक हिरासत में रहा है। इससे पहले कोर्ट ने उसे एक अन्य मामले में समान तथ्यों पर एएसजे की तरफ से नियमित जमानत दी थी। 17 अप्रैल को जब दीप सिद्धू को जमानत मिली थी, तब दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने उसे एक अन्य मामले में गिरफ्तार कर लिया था। दीप सिद्धू को 9 अप्रैल को गिरफ्तार किया था।

बता दें कि 8 अप्रैल को हुई पिछली सुनवाई में दीप सिद्धू ने खुद को निर्दोष बताया था और इस मामलें में जमानत देने का आग्रह किया था। सिद्धू ने कहा था कि उसे फर्जी तरीके से मामले में फंसाया जा रहा है। वहीं अभियोजन पक्ष ने जमानत पर आपत्ति जताते हुए उसे मुख्य आरोपी बताया था। कोर्ट में दीप सिद्धू के वकील ने उनका पक्ष रखते हुए कहा था कि उनके मुवक्किल के खिलाफ कोई सबूत नहीं है, जिससे पता चल सके कि उसने हिंसा के लिए लोगों को भड़काया।

अगर जरूरी काम से निकलना है बाहर तो ऐसे बनवाएं ई-पास

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए केजरीवाल सरकार ने 7 दिनों का लॉकडाउन बढ़ा दिया है। पहले लगाया गया 6 दिन का लॉकडाउन 26 मई को सुबह 5 बजे खत्म हो रहा था, लेकिन फिर अरविंद केजरीवाल ने कोरोना के बढ़ते मामले को देखते हुए लॉकडाउन को इस लॉकडाउन को एक सप्ताह के लिए बढा दिया है। यानि अब दिल्ली में 3 मई सुबह 5 बजे तक लॉकडाउन रहेगा। लॉकडाउन में जरूरी सेवाओं को छोड़कर बाकी सब बंद रहेगा। लॉकडाउन के दौरान जिसके पास पहले से वीकेंड कर्फ्यू और लॉकडाउन का ई-पास है वो मान्य होगा। वहीं, अभी तक जिसे जरूरत है और उसका ई-पास नहीं बना है तो वो दिल्ली सरकार की वेबसाइट पर जाकर इसे बनवा सकता है।

वेबसाइट पर जाने पर उसके होम पेज पर लॉकडाउन से जुड़े ई-पास बनवान की लिंक मिलेगा। वहां, आवेदन करने के बाद सिर्फ जरूरी सेवा और छूट वालों को पास मिलेगा। ई-पास की हार्ड और सॉफ्ट कॉपी दोनों मान्य होगी। सरकार ने इस बार सात दिन लॉकडाउन बढ़ाने के साथ सेल्फ इम्प्लायड (इलेक्ट्रीशियन, प्लम्बर, कुरियर सेवा) जैसी सेवाओं को राहत दी है। लॉकडाउन को लेकर रविवार को जारी आदेश के मुताबिक इस स्कूल की किताबें लेने के लिए बुक स्टोर और गर्मी को देखते हुए पंखे व कूलर की दुकान खोलने की मंजूरी सरकार ने दी है। हालांकि इसे खोलने के लिए ऐसे लोगों को ई-पास बनवाना पड़ेगा।

ऑक्सीजन आपूर्ति बढ़ सकती है बशर्ते सही कदम उठाएं : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में जारी ऑक्सीजन संकट को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट लगातार सक्रिय है। हाईकोर्ट ने सोमवार को दिल्ली के मुख्य सचिव से तत्काल आक्सीजन आपूर्तिकर्ताओं और अस्पतालों के साथ संयुक्त बैठक करने को कहा है। न्यायालय ने उनसे कहा कि आप व्यावहारिक तरीके के ऑक्सीजन के प्रवाह बढ़ा सकते हैं, बशर्ते आपको इसके लिए जरूरी व समुचित कदम उठाने होंगे। जस्टिस विपिन सांघी और रेखा पल्ली की पीठ ने मुख्य सचिव से कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए जहां तक संभव हो कागजी कार्रवाई से बचें। इससे पहले दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव ने पीठ को भरोसा दिया कि वह आज ही अस्पतालों और ऑक्सीजन आपूर्तिकताओं के साथ संयुक्त बैठक करेगा। इसके साथ ही न्यायालय ने सरकार को ऑक्सीजन आपूर्ति में बाधा से संबंधित शिकायतों के पर कार्रवाई के लिए एक विशेष अधिकारी नियुक्त करने का सुझाव दिया। इससे पहले केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि वह (केंद्र) अपने आपूर्तिकताओं को समर्पित अधिकारी की ई-मेल आईडी देगा। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दिल्ली सरकार के वकील से कहा कि आप हमें सूचित करें कि कौन आक्सीजन टैंकर की आवाजाही में बाधा कर रहा, ऐसे व्यक्ति/अधिकारी के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज की जा सकती है।

उच्च न्यायालय ने कहा कि हम यह समझने में विफल हैं कि हमने आपसे कहा था कि आप आक्सीजन आवंटन पर दोबारा से विचार करें, आपने उस पर अमल नहीं किया और आक्सीजन की कमी से 21 मरीजों की मौत हो गई। इस पर केंद्र की ओर से मेहता ने कहा कि मरीजों की मौत मेरे (केंद्र) द्वारा आक्सीजन की आपूर्ति नहीं किए जाने के कारण नहीं हुआ है, यह राज्य की जिम्मेदारी है, मेरा काम नहीं है। उच्च न्यायालय ने कहा कि आक्सीजन आपूर्ति करना आप दोनों (केंद्र व दिल्ली सरकार) की जिम्मेदारी है। न्यायालय ने केंद्र से कहा कि आप यह नहीं कह सकते कि यह मेरा काम नहीं है।

सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार ने पीठ को बताया कि ऑक्सीजन रिफिल करने वाले उसे (दिल्ली सरकार) को जमीनी हालात की जानकारी नहीं दे रहे हैं। इसी दौरान आक्सीजन की आपूर्ति करने वाले आईनॉक्स ने पीठ को बताया कि केंद्र सरकार ने हमें 80 मीट्रिक टन आक्सीजन की आपूर्ति दिल्ली के अस्पतालों में करने का निर्देश दिया है जबकि दिल्ली सरकार ने हमें 125 मीट्रिक टन आक्सीजन की आपूर्ति करने के लिए कह रहा है। यह कंपनी दिल्ली के अस्पतालों में ऑक्सीजन की आपूर्ति करने का कार्य करता है।

दिल्ली में अब 18 मई को होंगे महापौर व उप महापौर के चुनाव

नई दिल्ली। राजधानी के तीनों नगर निगम (उत्तरी, पूर्वी और दक्षिणी) में महापौर, उप महापौर और स्थायी समिति के तीन सदस्यों के लिए 18 मई को चुनाव होंगे। दिल्ली सरकार द्वारा लाकडाउन एक सप्ताह के लिए बढ़ाए जाने की वजह से निगम ने नई तारीखों की घोषणा की है। तीनों निगम सचिव ने 26 अप्रैल की नामांकन तिथि को छह मई तक के लिए बढ़ा दिया है। तो वहीं, 18 मई को चुनाव कराने का फैसला लिया गया है। जबकि पहले 30 अप्रैल को यह चुनाव होने थे।

लगातार यह दूसरा साल है जिसमें कोरोना के चलते महापौर और उप महापौर का चुनाव अप्रैल में नहीं होगा। निगम के एक्ट के अनुसार हर माह सदन की एक बैठक अनिवार्य हैं जबकि अप्रैल माह की पहली बैठक में महापौर और उप महापौर के चुनाव की प्रक्रिया को पूरा किया जाना होता है। लेकिन, पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी उपराज्यपाल से से बैठक न करने की छूट देने का आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी लाकडाउन के चलते जून माह में यह चुनाव की प्रक्रिया पूरी की गई थी।

मरीज एंबुलेंस के लिए परेशान निजी चालक वसूलने लगे मनमाने दाम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में ऑक्सीजन, दवाईयों के बाद अब एंबुलेंस की कमी सामने आने लगी है। मरीजों को अस्पताल तक पहुंचने और शवों को शमशान घाट तक पहुंचने के लिए एंबुलेंस नहीं मिल पा रही है। कुछ निजी एंबुलेंस चालकों ने इसका फायदा उठाना शुरू कर दिया है। शवों को शमशान घाट तक पहुंचाने वाले निजी एंबुलेंस चालकों ने मनमाना शुल्क वसूलना शुरू कर दिया है। जिसके चलते लोगों के सामने बड़ी परेशानी आ रही है। इसके अलावा सरकारी एंबुलेंस सर्विस कैट्स एंबुलेंस लोगों को मदद नहीं कर पा रही है। एंबुलेंस का रिस्पांस समय एक एक घंटे तक बढ़ गया है। रिस्पांस समय बढ़ने के बाद सरकार ने 300 के करीब निजी एंबुलेंस किराए पर ली है। बावजूद इसके लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है और लोग एंबुलेंस के लिए परेशान हैं। दिल्ली में लोगों को एंबुलेंस नहीं मिलने के चलते लोग निजी एंबुलेंस की मांग बढ़ गई है। ऐसे में निजी एंबुलेंस चालकों ने मनमानी शुरू कर दी है। कई मामलों में सामने आया है कि शव लेकर जाने वाली एंबुलेंस किलोमीटर के हिसाब से पैसे वसूल रहे हैं। जो हजारों में हैं।

पीतमपुर स्थित भगवान महावीर अस्पताल में एक 58 वर्षीय उर्मिला गुप्ता का कोरोना से निधन हो गया। उनका शव दो दिन तक अंतिम संस्कार के लिए अस्पताल की मार्चरी में इंतजार करता रहा क्योंकि उनके बच्चे अमेरिका और मुम्बई में फंसे हुए थे। ऐसे में उन्होंने दिल्ली में मौजूद एक व्यक्ति से अंतिम संस्कार के लिए मदद मांगी। जिसके बाद सीमापुर स्थित शमशान घाट पर उनकी अंतिम संस्कार करना तय हुआ। लेकिन सबसे बड़ी समस्या थी कि शव को पीतमपुरा से लेकर सीमापुरी कैसे लाया जाए क्योंकि अस्पताल एंबुलेंस उपलब्ध नहीं करवा पा रहा था और निजी एंबुलेंस मिल नहीं रही थी। करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद एक निजी एंबुलेंस मिली। एंबुलेंस वाला शव लेकर जाने के लिए तैयार हो गया। लेकिन उसने इसके एवज में 23 किलोमीटर चलने के लिए 16 हजार रुपए की मांग की। मुसिबत के समय एंबुलेंस चालक को 16 हजार रुपए दिए गए और उसने शव सीमापुरी शमशान घाट पहुंचाई। जिसके बाद बुजुर्ग महिला के शव का अंतिम संस्कार किया जा सका। कोरोना से मौत के बाद एक युवक अपनी पत्नी के शव को अंतिम संस्कार के लिए शमशान घाट लेकर गया। लेकिन वहां पर लंबी लाइन लगी होने के चलते अंतिम संस्कार नहीं किया जा सका। ऐसे में वह युवक पत्नी के शव को लेकर घर नहीं गया और एंबुलेंस में शव लेकर घुमता रहा। ऐसे में एंबुलेंस चालक ने युवक से एक रात के लिए 50 हजार रुपए की मांग की और एंबुलेंस में शव रखने के लिए युवक ने 50 हजार रुपए दिए।

लॉकडाउन के चलते दिल्ली में खट्टे फलों के दाम 60 फीसदी तक बढ़े

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए लागू लॉकडाउन के चलते खट्टे फलों के दाम में बढ़ोतरी का दौर जारी है। इस दौरान खट्टे फलों की मांग भी बढ़ी है। 1 माह में ही फलों में दाम में 60 फीसदी तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच विटामिन सी के प्रमुख स्त्रोतों के तौर पर खट्टे फलों की मांग में बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल भी कोरोना काल में खट्टे फलों की मांग इसी तरह मांग बढ़ी थी। आजादपुर मंडी समिति के अध्यक्ष आदिल अहमद खान के मुताबिक, इस बार घोषित बंदी के दौरान खट्टे फलों की मांग अधिक है। कोरोना से बचाव के लिए प्रमुख पेय के तौर पर नारियल पानी का उपयोग बढ़ा है। ऐसे में नारियल पानी के दामों में बढ़ोतरी जारी है।

आलम यह है कि मार्च की तुलना में दिल्ली के फुटकर बाजारों में नारियल पानी दोगुने भाव में मिल रहा है। इसके तहत नारियल पानी 80 रुपये तक पहुंच गया है। आजादपुर मंडी समिति अध्यक्ष आदिल अहमद खान के मुताबिक, मंडी में नारियल के भाव 10 से 15 प्रति नारियल बढ़े हैं, लेकिन फुटकर बाजारों में दोगुने दामों में बेचा जा रहा है। कोरोना से बचाव के तहत घोषित बंदी में आजादपुर मंडी में फल-सब्जी की आवक सामान्य बनी हुई है। मंडी में 10 से 12 हजार टन की आवक को सामान्य माना जाता है। मंडी समिति अध्यक्ष आदिल अहमद खान का कहना है कि, मंडी सुचारू रूप से संचालित हो रही है। शनिवार को 11276 टन आवक हुई है। इसमें से 6381 फल और 4955 टन सब्जी की आवक हुई है। इस पूरे सप्ताह आवक करीब ऐसी ही रही है। हालांकि फलों, खासकर खट्टे फलों की मांग बढ़ने से इसके भाव में तेजी आई है। सब्जियों के भाव स्थिर बने हुए हैं।

संपादकीय

कठिन इम्तिहान से गुजरता नेतृत्व

ऐसा लगता है कि स्वास्थ्यकर्मियों सहित अग्रिम मोर्चे पर तैनात तमाम कोरोना योद्धाओं को सर्वप्रथम टीका लगाने की रणनीति उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी है। 16 जनवरी से शुरू हुए टीकाकरण अभियान में शुरुआती एक महीने स्वास्थ्यकर्मियों को टीका लेना था, और उसके बाद अग्रिम मोर्चे के अन्य कर्मचारियों को। मगर ताजा आंकड़े बताते हैं कि करीब तीन करोड़ ऐसे योद्धाओं में से 2.36 करोड़ ने अपना पंजीयन कराया और 47 फीसदी ने ही टीके की दोनों खुराकें लीं। पंजीकृत लोगों में से करीब 38 फीसदी (91 लाख) लोगों ने सिर्फ एक खुराक ली। इसका एक अर्थ यह भी है कि 15 फीसदी 'फ्रंटलाइन वर्कर्स' ने टीका नहीं लिया। इसके तीन निहितार्थ हैं, जो चिंताजनक हैं। पहला, अग्रिम मोर्चे पर तैनात करीब आधे कर्मचारियों में कोविड-संक्रमण का खतरा ज्यादा है, क्योंकि उन्होंने या तो टीका नहीं लिया है अथवा महज एक खुराक ली है। दूसरा, मौजूदा दूसरी लहर से लड़ने के लिए यही कार्यबल तैनात है, और यदि ये बीमार पड़ते हैं, तो कोरोना के खिलाफ हमारी लड़ाई काफी प्रभावित हो सकती है। और तीसरा, यह समझ से परे है कि जिन लोगों से उम्मीद की जाती है कि वे कोरोना के खतरे व बचाव को लेकर दूसरों को जागरूक करेंगे, उनमें टीके को लेकर आखिर इतनी झिझक क्यों है? इसीलिए ऐसे लोगों का टीका न लेना, टीकाकरण अभियान को चोट पहुंचा सकता है।

इन योद्धाओं का वैक्सीन पर विश्वास दरअसल, टीके की प्रभावशीलता और सुरक्षा पर लोगों का भरोसा बढ़ाता। स्वास्थ्य सेवाओं और स्वास्थ्यकर्मियों की विश्वसनीयता और क्षमता पर भी इसका असर पड़ता और यह नीति-नियंताओं को वैक्सीन को लेकर फैसले लेने को प्रेरित करता। टीके को लेकर आत्ममुग्धता वहीं है, जहां बीमारी के खतरे को लेकर सवाल कम हैं और टीकाकरण को आवश्यक बचाव उपाय नहीं माना जाता। यहां टीकाकरण की सुविधा भी एक महत्वपूर्ण कारक है, क्योंकि 19 अप्रैल को लिए गए फैसले के मुताबिक, 1 मई से देश के सभी वयस्क कोरोना का टीका ले सकते हैं। अभी यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि कोरोना की दूसरी लहर कब तक चलेगी और संक्रमण व मौत के मामले में यह कितनी 'बड़ी' साबित होगी। इन्फ्लूएंजा महामारी का इतिहास और अमेरिका में कोविड-19 के ट्रेंड को यदि देखें, तो यही कहा जा सकता है कि भारत में चल रही दूसरी लहर संक्रमण और मौत के मामले में पिछले साल की पहली लहर से बीस साबित होगी। वायरस के नए 'वैरिएंट' (विशेषकर ब्रिटेन वैरिएंट) और इसके 'डबल म्यूटेट' के कारण इसका प्रसार इतना अधिक हो गया है। हमें अपनी स्वास्थ्य सेवाओं को इसी आधार पर दुरुस्त करना होगा।

मीडिया रिपोर्टें बता रही हैं कि देश के तमाम हिस्सों में अव्वल तो स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं हैं और जहां हैं, वहां मरीजों का दबाव काफी ज्यादा है। विशेषकर महानगरों और शहरों में अस्पताल पूरी तरह से भर गए हैं। किसी महामारी के प्रबंधन में यह सबसे महत्वपूर्ण तत्व माना जाता है, और इस स्थिति से तत्काल पार पाने की जरूरत है। बेशक केंद्र व राज्य सरकारें पिछले एक साल से (जब से महामारी आई है) स्वास्थ्य सेवाओं को ठीक करने में जुटी हुई हैं, लेकिन संक्रमण जब अचानक से तेज उछाल आया, तो तमाम व्यवस्थाएं ढहती नजर आईं। आज अस्पतालों में बेड की कमी हो गई है, ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो रही है और जरूरी दवाओं को टोटा पड़ता जा रहा है। चूंकि सरकारें फिर से मुस्तैद हो गई हैं, इसलिए उम्मीद की जा सकती है कि आपूर्ति-शृंखला को ठीक कर लिया जाएगा। रोगियों की बढ़ती संख्या को देखकर अस्थाई अस्पताल भी बनाए जा रहे हैं। यहां पर विशेषकर उन मरीजों को जगह दी जा रही है, जिन्हें विशेष देखभाल की जरूरत है। कोरोना की इस लड़ाई में जरूरी है कि पर्याप्त संख्या में कुशल व प्रशिक्षित मानव संसाधन हमारे पास उपलब्ध हों। इस मोर्चे पर तीन तरफा चुनौतियों से हम मुकाबिल हैं। पिछले साल सरकार ने स्वास्थ्य और गैर-स्वास्थ्य कर्मचारियों (विभिन्न विभागों से बुलाए गए कर्मी) को मिलाकर एक समग्र प्रयास शुरू किया था। मगर जब मामले कम आने लगे, तो गैर-स्वास्थ्य कर्मचारियों को उनके मूल विभागों में वापस भेज दिया गया। ऐसा करना इसलिए भी जरूरी था, क्योंकि सरकारी व सामाजिक क्षेत्र की तमाम सेवाएं फिर से शुरू हो गई थीं। फिर, स्वास्थ्यकर्मी गैर-कोविड मरीजों पर भी ध्यान देने लगे, क्योंकि सर्जरी जैसे मामलों में 'बैकलॉग' काफी ज्यादा हो गया है। स्वास्थ्यकर्मियों को टीकाकरण अभियान भी आगे बढ़ाना है। इन सबके कारण 'टेस्टिंग ऐंड ट्रीटिंग' (जांच और इलाज) जैसी अनिवार्य सेवाओं में मानव संसाधन की कमी दिखने लगी है। साफ है, हमें तमाम राज्यों तक अपने संसाधनों का विस्तार करना होगा। कुछ हफ्तों तक यह दूसरी लहर चल सकती है। इसमें संक्रमण के बहुत मामले सामने आ सकते हैं। फिलहाल सक्रिय मरीजों की संख्या 20 लाख को पार कर चुकी है। ऐसे में, आने वाले दिनों में नए रोगियों और ठीक होने वाले मरीजों की संख्या में अंतर और बढ़ जाएगा। लिहाजा, यह सही वक्त है कि सशस्त्र बलों को मैदान में उतारा जाए और उनकी क्षमता का भरपूर इस्तेमाल किया जाए। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने अस्पताल बनाकर इस काम में अपना योगदान देना शुरू कर दिया है। आपदा के दौरान हमें उन्हें मोर्चे पर लगाना ही चाहिए, साथ-साथ पिछले साल की तरह राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम को भी लागू कर देना चाहिए।

महामारी के इस दूसरे साल में जीवन और आजीविका की रक्षा पर सरकार को बराबर तवज्जो देनी होगी। कुछ मामलों में, लॉकडाउन या अन्य प्रतिबंधों को लेकर राज्य और अदालतों का रुख एक-दूसरे से अलग है। लेकिन हमें अस्पतालों की क्षमता देखकर और तेज संक्रमण को रोकने के लिए लॉकडाउन जैसे कदम उठाने चाहिए। छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र जैसे राज्यों का यहां उदाहरण दिया जा सकता है, जहां पर संक्रमण दर बढ़कर 25-30 फीसदी तक हो गई है। रही बात टीकाकरण की, तो अगले 10 दिनों बाद बेशक इसमें एक नई ऊर्जा आएगी, लेकिन मौजूदा संकट का यह कोई तुरंत समाधान नहीं कर सकता। ऐसे में, भारतीय नेतृत्व के लिए यह वाकई कठिन परीक्षा की घड़ी है।

प्रवीण कुमार सिंह

भारतीय सामुद्रिक सीमा में अमेरिकी नौसेना के पोत की गश्त दोस्ती में खलल डालने वाला कदम

संभव है कि उन्होंने रणनीतिक पहलुओं की परवाह न करते हुए कोई औचक फैसला किया हो या फिर इसके माध्यम से भारत की प्रतिक्रिया का पैमाना भांपने की कोई कवायद हो। जो भी हो, बीते दिनों कोरोना वैक्सीन के मामले में भारत की पीठ पर हाथ रखने से लेकर संयुक्त युद्धाभ्यास से दोनों देशों के रिश्तों में मजबूती का जो भाव उपजा था, उसमें अमेरिकी नौसेना का यह कदम यकीनन मिजाज बिगाड़ने वाला है। अब अमेरिकी विदेश मंत्री को अपने भारतीय समकक्ष के साथ मिलकर अचानक रिश्तों पर जमा हुई इस बर्फ को पिघलाने के कुछ न कुछ उपाय अवश्य करने होंगे।

अंतरराष्ट्रीय राजनय की डोर बहुत नाजुक होती है। उसमें एक छोटी सी घटना द्विपक्षीय संबंधों पर बड़ी भारी पड़ सकती है। गत सात अप्रैल को ऐसा ही कुछ घटनाक्रम घटित हुआ, जब अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े के पोत जॉन पॉल जोंस ने भारत की अनुमति के बिना ही उसके विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र यानी ईईजेड में गश्त की। इतना ही नहीं उसने इसका प्रचार भी किया। स्वाभाविक है कि भारत ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की, जो एकदम उचित भी थी।

विदेश मंत्रलय के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि भारत सरकार समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट करना चाहती है और इसके तहत तटीय देश की अनुमति के बिना उसके विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र में नौवहन अधिकृत नहीं। एक ऐसे समय में जब तमाम ऊहापोह के बाद भारत के साथ अमेरिका के रिश्तों में कुछ गर्मजोशी महसूस होने लगी थी, तब ऐसे किसी कदम का औचित्य समझ से परे है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत के साथ रिश्तों में सधी हुई शुरुआत की और उसे लेकर क्वाड जैसी साझेदारी को नए तेवर देने के संकेत भी दिए, मगर उनकी नौसेना के इस कदम ने द्विपक्षीय रिश्तों में अनावश्यक गतिरोध सा पैदा कर दिया है।

भारतीय विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य पोत की मौजूदगी उतनी बड़ी चिंता का विषय नहीं, जितना इस घटना को लेकर अमेरिका का रवैया दिख रहा है। सामुद्रिक सीमाओं में ऐसी घटनाएं नई नहीं हैं और अमेरिका सहित तमाम देश ऐसी गतिविधियां करते रहते हैं, लेकिन ये अक्सर दबे-छिपे स्वरूप में होती हैं, मगर हालिया घटना का अमेरिका ने न केवल प्रचार किया, बल्कि अपने इस कदम को जायज भी ठहराया। इससे

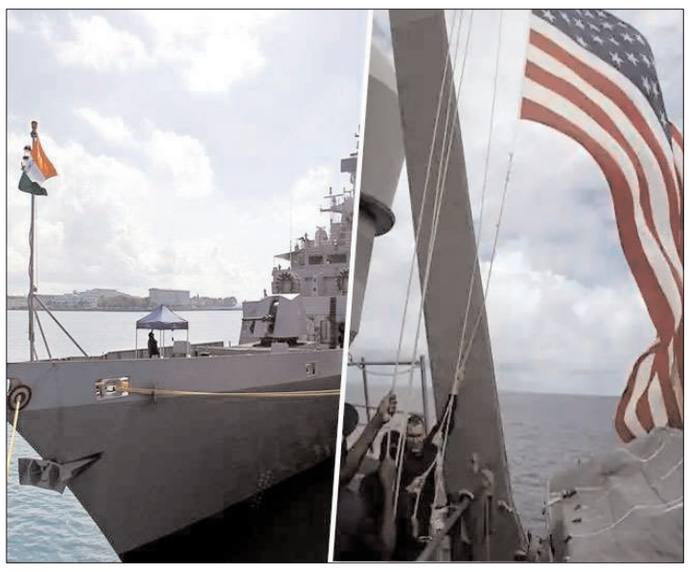

भारत में मौजूद अमेरिका के विरोधियों को बैठे-बिठाए एक मुद्दा मिल गया।

बीते कुछ वर्षों से भारतीय विदेश नीति के अमेरिका के पक्ष में झुकाव का आरोप लगाने वाला तबका यह राग अलापने लगा है कि भारतीय ईईजेड में गश्त करके अमेरिका ने भारत और चीन को एक ही तराजू पर रख दिया। दरअसल चीन की बढ़ती दादागीरी को देखते हुए उसे सख्त संदेश देने के लिए अमेरिका पिछले कुछ अरसे से यह पैंतरा आजमाता आया है, लेकिन भारत के खिलाफ उसका यह दांव समझ से परे है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इससे उन देशों में गलत संदेश जाएगा, जिन्हें अमेरिका चीन के खिलाफ लामबंद करने में जुटा है। भारत जैसे करीबी मित्र और ताकतवर देश के साथ ऐसा व्यवहार कर सकता है तो फिर उनकी क्या बिसात? बीते दिनों दक्षिण कोरिया और मालदीव के सामुद्रिक क्षेत्रों में अमेरिकी नौसेना की हरकतें इस मामले में उल्लेखनीय हैं। जाहिर है कि ऐसी गतिविधियों से तमाम देशों को साधने पर केंद्रित अमेरिका की वह रणनीति फलीभूत नहीं हो पाएगी, जिसमें वह यह आश्वस्त करने में लगा है कि रिश्ते बनाने और उन्हें प्रगाढ़ करने में उसका अगाध विश्वास है।

अमेरिका ने वर्ष 1979 में फ्रीडम ऑफ नेविगेशन ऑपरेशन यानी नौवहन अभियान की स्वतंत्रता नाम से कानून पारित किया था। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक मोर्चे पर अमेरिकी गतिविधियों में इजाफा होता गया। अमेरिकी बादशाहत को बरकरार रखने में इन गतिविधियों की अहम भूमिका रही। 1985 से भारतीय ईईजेड में भी अमेरिका इसके तहत घुसपैठ करता रहा, मगर उसने कभी इसका आक्रामक रूप से प्रचार नहीं किया। हालांकि अमेरिकी रक्षा मंत्रलय के वार्षिक प्रतिवेदनों में इन घटनाओं के छिटपुट उल्लेख अवश्य हुआ करते थे। उस पर कुछ हो-हल्ले के साथ बात आई-गई हो जाती थी, लेकिन हालिया घटना को लेकर अमेरिकी तेवर कुछ अलग दिखते हैं। यह जानकर और हैरानी होती है कि भारतीय ईईजेड में अपनी नौसेना की गतिविधियों के लिए अमेरिका संयुक्त राष्ट्र के जिन कानूनों की ढाल का सहारा ले रहा है, उन पर उसने खुद ही हस्ताक्षर नहीं किए हैं। इस प्रकार उसका दोहरा रवैया ही स्पष्ट हो रहा है। एक तो उसने कानून पर हस्ताक्षर ही नहीं किए और उलटे उनकी आड़ में मनमानी करने पर तुला है।

संयुक्त राष्ट्र कानूनों के अनुसार सामुद्रिक सीमाएं मुख्य रूप से तीन श्रेणियों में विभाजित की गई हैं। इनमें पहली श्रेणी है प्रादेशिक समुद्री सीमा की, जो तटीय आधार रेखा से 12 नॉटिकल मील (एक नॉटिकल मील 1.8 मील के बराबर होता है) तक फैली होती है। यह एक तरह से सामुद्रिक संप्रभुता की सीमा रेखा मानी जाती है। दूसरी होती है संलग्न सीमा जो 24 नॉटिकल मील तक विस्तृत होती है। इसके बाद आती है विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र की सीमा जिसका दायरा 200 नॉटिकल मील होता है। अक्सर इसी को लेकर विवाद होते रहते हैं। चूंकि कई अंतरराष्ट्रीय कानूनों में अस्पष्टता कायम हैं, इसलिए कुछ देश उसका लाभ उठाते हैं। दक्षिण चीन सागर में चीन ने ऐसे ही तमाम कानूनों को तोड़-मरोड़कर उसका नक्शा ही बदल दिया है।

एक बड़ा प्रश्न यह उठता है कि आखिर अमेरिका को ऐसा कदम उठाकर क्या हासिल हुआ होगा? इससे कुछ हो न हो, लेकिन चीन का हौसला जरूर बढ़ा होगा। जिस चीन को भारत और अमेरिका की बेहतरीन होती जुगलबंदी से कुछ चिंता सता रही थी, वह कुछ हद तक काफूर जरूर हुई होगी। वहीं जो लोग अमेरिका के इस कदम को अत्यधिक तूल दे रहे हैं, वे भी यह समझ लें कि यह अमेरिका की व्यापक नीति में किसी बदलाव का संकेत नहीं। प्रथमदृष्टया यह नौकरशाही या पोत पर मौजूद अफसरों का ही फैसला प्रतीत होता है। संभव है कि उन्होंने रणनीतिक पहलुओं की परवाह न करते हुए कोई औचक फैसला किया हो या फिर इसके माध्यम से भारत की प्रतिक्रिया का पैमाना भांपने की कोई कवायद हो। जो भी हो, बीते दिनों कोरोना वैक्सीन के मामले में भारत की पीठ पर हाथ रखने से लेकर संयुक्त युद्धाभ्यास से दोनों देशों के रिश्तों में मजबूती का जो भाव उपजा था, उसमें अमेरिकी नौसेना का यह कदम यकीनन मिजाज बिगाड़ने वाला है। अब अमेरिकी विदेश मंत्री को अपने भारतीय समकक्ष के साथ मिलकर अचानक रिश्तों पर जमा हुई इस बर्फ को पिघलाने के कुछ न कुछ उपाय अवश्य करने होंगे।

कोरोना संक्रमण से लोगों को बचाने के लिए सरकार को तत्काल कई उपायों पर देना होगा जोर

कोरोना वायरस ने एक बार फिर मध्य प्रदेश की प्रगति का रास्ता रोक दिया है। वर्ष 2020 की इस महामारी से घायल प्रदेश उठ खड़ा होने की तैयारी कर रहा था, लेकिन दूसरी लहर ने पहले से भी अधिक तेज प्रहार किया है। हर दिन संक्रमित मरीजों की संख्या अप्रत्याशित रूप से बढ़ रही है। स्कूल, कालेज तो बंद हैं ही प्रमुख शहरों में कारोबार पर भी एक तरह से ताला लग गया है। अप्रैल में कोरोना अपने चरम पर होगा, यह अनुमान लगाने में प्रशासनिक मशीनरी विफल रही है। स्थिति यह है कि जिस गति से संक्रमण बढ़ रहा है उसी गति से हमारी चिकित्सा व्यवस्था की कमियां भी सामने आ रही हैं।

अस्पतालों में दवा से लेकर बिस्तर तक की कमी पड़ गई है। गंभीर मरीजों तक के लिए आसानी से वेंटिलेटर नहीं मिल पा रहे हैं। ऑक्सीजन की आपूर्ति भी निश्चित करने वाली नहीं है। दो दिन पहले ऑक्सीजन की कमी से एक अस्पताल में तीन मरीजों की मौत हो गई, जिससे कई सवाल उठे हैं। हालांकि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भरोसा दिया है कि किसी भी अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी नहीं होने दी जाएगी, लेकिन मध्य प्रदेश को ऑक्सीजन की अपूर्ति करने वाले प्रदेशों में भी कोरोना संक्रमण जिस तरह बढ़ रहा है, उससे साफ है कि आने वाले कुछ दिनों तक कठिनाई बनी रहेगी। पिछले वर्ष सितंबर में भी प्रदेश के अस्पतालों में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ने पर ऑक्सीजन संकट पैदा हुआ था। तब सरकार ने तय किया था कि वह प्रदेश को ऑक्सीजन के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम करेगी। होशंगाबाद के निकट इसका

एक प्लांट लगाने के लिए मंजूरी दे दी गई, लेकिन इस काम में तेजी नहीं आ पाई।

यद्यपि राज्य सरकार बार-बार कह रही है कि वह संपूर्ण लॉकडाउन किए जाने के पक्ष में नहीं है, लेकिन भोपाल और इंदौर सहित राज्य के 12 शहरों में लगाया गया कर्फ्यू एक तरह का लॉकडाउन ही है। इसके कारण व्यापार-कारोबार सब ठप हैं। पिछले चार दिनों से किसानों के खेतों की सब्जियां बाजारों में नहीं पहुंच पा रही हैं। इसका असर आगामी दिनों में हमारी अर्थव्यवस्था पर गंभीर रूप से देखने को मिल सकता है। यह बड़ी सचाई है कि कोरोना ने सरकार और समाज के सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा कर दिया है। प्रदेश में अब हर दिन करीब दस हजार मरीज मिलने लगे हैं। चिकित्सा व्यवस्था की लाचारी भी बढ़ती जा रही है। हालत यह है कि मरीज जिंदगी बचाने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं, लेकिन उन्हें उत्तम चिकित्सा की गारंटी नहीं मिल पा रही है। कहीं ऑक्सीजन की मारामारी मची है तो कहीं रेमडेसिविर इंजेक्शन की।

गंभीर चिंता की बात यह है कि जब तक सरकार व्यवस्था का विस्तार करती है तब तक कोरोना संक्रमण का दायरा और भी बढ़ चुका होता है। स्वास्थ्य विभाग ने पूर्व के संक्रमण दर के आधार पर अनुमान लगाया था कि इस साल 30 अप्रैल तक प्रदेश में 50 हजार सक्रिय मरीज होंगे, लेकिन 15 अप्रैल के पहले ही संक्रमितों की संख्या इतनी हो गई है। संक्रमण बढ़ने की दर ने सरकार के सारे अनुमानों को झुठला दिया है। हर दिन दो से तीन हजार सक्रिय मरीज बढ़ रहे हैं। यह संख्या इसी गति से बढ़ती रही तो 30 अप्रैल तक सक्रिय मरीजों का आंकड़ा एक लाख तक पहुंच जाएगा। ऐसे में चुनौती अनुमान से भी बड़ी होगी। अभी तक कुल संक्रमित मरीजों में करीब 60 फीसद होम आइसोलेशन में हैं, जबकि 40 फीसद अस्पतालों में रह रहे हैं। अस्पतालों में भर्ती मरीजों में करीब 10 फीसद आइसीयू में हैं। ऐसे में अगर 30 अप्रैल तक एक लाख सक्रिय मरीज हो गए तो इनमें करीब चार हजार के लिए आइसीयू की जरूरत पड़ेगी। इन मरीजों के लिए बिस्तर और ऑक्सीजन उपलब्ध कराना सरकार के लिए बड़ी चुनौती होगी। फिलहाल प्रतिदिन प्रदेश में 220 टन ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही है, जबकि 30 अप्रैल तक संक्रमण की गति यही रही तो ऑक्सीजन की जरूरत दोगुनी होगी। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि चिकित्सा उपायों के साथ-साथ संक्रमण की इस रफ्तार को रोकने और उसकी चेन तोड़ने के लिए सरकार को दो विकल्पों पर फोकस करना होगा। पहला, लोगों को मास्क और शारीरिक दूरी के लिए प्रेरित किया जाए, जिसके लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पूरा जोर लगा रहे हैं। दूसरा, जनता कफ्यरू को अधिक दिनों तक जारी रखा जाए। इसे सफल बनाने के लिए सामाजिक संगठनों एवं राजनीतिक दलों का सहयोग लिया जाए।

ऑक्सिजन कहां खो गई

देशभर में इतने लोग प्राणवायु के लिए छटपटा रहे हों, ऐसा दृश्य पहले कभी नहीं देखा गया। लोग सिलिंडर लेकर लाइनों में खड़े हैं, अस्पतालों में कोहराम मचा है और डॉक्टर रो रहे हैं। दिल्ली के एक बड़े अस्पताल में जब एक दिन में 25 मरीजों की मौत की खबर आई तो लगा यह इंतिहा है। अस्पताल ने पहले ऑक्सिजन की कमी की ओर ध्यान दिलाया था, लेकिन अब उसने यह बताया है कि इन मरीजों की मौत ऑक्सिजन की कमी के कारण नहीं हुई।

मामला जो भी हो, इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि अस्पतालों में ऑक्सिजन की कमी इस वक्त का सबसे बड़ा संकट है। कई अस्पताल नए मरीजों को एडमिट करना तो दूर, अपने यहां पहले से भर्ती पेशंट्स को भी कहीं और जाने की सलाह दे रहे हैं, जहां उन्हें ऑक्सिजन और अन्य जरूरी चीजें उपलब्ध हों। देश के अलग-अलग हिस्सों से ऐसी खबरें आ रही हैं। लाचारी की इस त्रासद तस्वीर के पीछे हैरत में डालने वाला तथ्य यह है कि यह स्थिति अप्रत्याशित नहीं है।

बात का अंदाजा था और एक बार नहीं बल्कि दो बार यह बात शासन के संज्ञान में लाई गई थी कि देश में मेडिकल ऑक्सिजन की कमी हो सकती है। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक पहली बार अप्रैल 2020 में यानी ठीक एक साल पहले ऑफिसरों के एक एम्पावर्ड ग्रुप की बैठक में यह बात उठाई गई थी।

उस बैठक में अन्य महत्वपूर्ण पदाधिकारियों के अलावा नीति आयोग के सीईओ भी मौजूद थे, जो बैठक का नेतृत्व कर रहे थे। इसके बाद, स्वास्थ्य से जुड़े मामलों की संसदीय स्थायी समिति ने भी मेडिकल ऑक्सिजन की उपलब्धता को लेकर आगाह किया था और सरकार से कहा था कि वह ऑक्सिजन के पर्याप्त उत्पादन को प्रोत्साहित करे ताकि अस्पतालों में इसकी मांग के अनुरूप सप्लाई सुनिश्चित की जा सके।

स्थायी समिति की यह रिपोर्ट अक्टूबर 2020 में राज्यसभा सभापति को पेश की गई। गौर करने की बात है कि ऑफिसरों के एम्पावर्ड ग्रुप की मीटिंग में जब यह बात कही गई थी, तब राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लागू हुए एक सप्ताह ही हुआ था और पूरे देश में एक्टिव केसों की संख्या 2000 से कुछ ही ऊपर थी। जाहिर है, जरूरी इंतजाम करने के लिए सरकार के पास वक्त की कमी नहीं थी। बावजूद इसके, आज देश का यह हाल है और यह बताता है कि हमारा तंत्र किस कदर उदासीन हो चुका है।

भीषण दौर में बंगाल की सत्ता का संग्राम

हिंसा की आशंका को देखते हुए चुनाव आयोग ने दर्जनों कंपनी अर्धसैनिक बलों को भेजा है। देखना है, आगे क्या होता है।

बंगाल भाजपा के लिए अहम है। उससे कहीं अधिक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए। आठ में से चार चरण के चुनाव के बाद अब अधिसंख्य लोग चुनावी बाजी को बराबरी का मानने लगे हैं। अगले चरणों का चुनाव बंगाल के सीमावर्ती इलाकों में होना है। अंतिम तीन चरणों में जहां चुनाव होने हैं, वे ऐसे इलाके हैं जहां पहले से ही भाजपा अपेक्षाकृत अधिक मजबूत है। लोकसभा चुनाव के नतीजे भी इसकी तस्दीक करते हैं। ममता बनर्जी को भी इन इलाकों की सियासी तासीर का भली-भांति भान है। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि आगे का रण महाभीषण होगा।

नंदीग्राम में दीदी की स्कूटी 'गिराने' के प्रमुख मकसद से कांथी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विशाल चुनावी सभा हो चुकी थी। मोदी जा चुके थे। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, नंदीग्राम में दीदी को चुनौती दे रहे उनके पुराने सिपहसालार सुवेंदु अधिकारी समेत राष्ट्रीय स्तर के कुछ नेता आराम कर रहे थे। प्रसंग छिड़ा कि लोकसभा चुनाव के दौरान गृहमंत्री अमित शाह की सभा के लिए सामान्य चासी (किसान) सुशील दास ने अपनी जमीन देने का 'अपराध' किया तो उन पर करीब 42 केस हुए। इतनी यातना सहने के बावजूद विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने नरेंद्र मोदी की सभा के लिए न केवल अपनी जमीन दी, बल्कि दो दर्जन से अधिक रैयतों की जमीन के उपयोग की अनापत्ति भी दिलाई। सुशील पर जब केस हुए थे तब सुवेंदु अधिकारी ने तृणमूल के टिकट से लोकसभा का चुनाव लड़ा था। यह सुन सुवेंदु मुस्कुरा दिए। कैलाश विजयवर्गीय के मुख से अनायास निकल पड़ा, सुशील दास जैसे लाखों लोग हैं, जिनके लिए व्यक्ति नहीं, विचारधारा महत्वपूर्ण है। विचारधारा के प्रति समर्पण का यही भाव भाजपा की राह बना रहा है।

सचमुच। नंदीग्राम से लगभग आठ सौ किमी दूर भूटान और बिहार के बीच आबाद कूचबिहार में प्रधानमंत्री गए तो हर तरफ जयश्रीराम का उद्घोष सुनाई देता रहा। सब बेखौफ। प्रधानमंत्री ने यहां स्पष्ट तौर पर दोहराया, सबका साथ सबका विकास। कूचबिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देख लोग गद्गद् होते हुए नारा लगा रहे थे- दो मई दीदी गई। बहरहाल, बंगाल में अब तक हुए चार चरणों में 135 विधानसभा सीटों पर मतदान के बाद भाजपा

ने यह भाव जरूर बना दिया है कि वह शासन के लिए तैयार है। दरअसल बंगाल में नरेंद्र मोदी ही ऐसा चेहरा हैं जो भगवा आंधी को तूफान में बदलने में कामयाब रहे हैं। कवि गुरु की तरह दिखता उनका चेहरा, उनके कथन, उनकी भाव भंगिमा, उनका अंदाज, सब कुछ बंगाल के चुनावी महाभारत में भाजपा के विजय रथ को गति दे रहा है। बंगाल में पीएम की इतनी सभाएं अनायास नहीं हैं।

दीदी का एक पांव घायल जरूर है, मगर भाजपा के रणनीतिकारों को पता है कि बंगाल के गांव-गांव में दीदी के सियासी पांव अंगद की तरह गड़े हुए हैं। उन्हें हिलाना अश्वमेघ यज्ञ जीतने के बराबर है। इसलिए तो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, धर्मेंद्र प्रधान, मुख्तार अब्बास नकवी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लेकर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जैसे दर्जनों राष्ट्रीय चेहरे सभाएं कर रहे हैं।

चुनावी लड़ाई इंटरनेट मीडिया पर भी हो रही है। भाजपा के आइटी सेल ने बंगाल के सुदूर गांवों तक ऐसे संदेश पहुंचा दिए हैं, जो एकबारगी सोचने को मजबूर कर दें। तृणमूल के एक प्रदेश स्तरीय नेता कहते हैं, इंटरनेट मीडिया वाकई हमें तनाव दे रहा है। लगातार ऐसे पोस्ट आ रहे हैं, जिन पर संवाद को आगे बढ़ाया जा रहा है तो धार्मिक ध्रुवीकरण अनायास बढ़ रहा है। इस मसले पर पीके (प्रशांत किशोर) की टीम वाकई फेल है। भाजपा के आइटी सेल का कमाल देखिए कि उसने बंगाल में तृणमूल के प्रमुख रणनीतिकार पीके को भी बैकफुट पर धकेल दिया। अपनी विश्वसनीयता कायम रखने के लिए प्रशांत किशोर दावा कर रहे हैं कि बंगाल में भाजपा 100 सीटों का आंकड़ा पार नहीं करेगी। अगर ऐसा नहीं हुआ तो, प्रशांत किशोर का भी सबकुछ दांव पर है। पांच से आठवें चरण तक उत्तर 24 परगना, दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, नदिया, उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर, मालदा, मुर्शीदाबाद, दक्षिण कोलकाता, उत्तर कोलकाता, पश्चिम बर्धमान, पूर्व बर्धमान और बीरभूम जिले की 159 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है। कुछ जिलों में तृणमूल सबल है तो कुछ इलाकों में भाजपा का दावा प्रबल है। चुनाव आयोग के लिए अगले चरणों का चुनाव कराना उतना ही चुनौतीपूर्ण है, जितना कठिन राजनीतिक दलों के लिए यह सियासी रण है। चुनाव आयोग के पास शिकायतों का अंबार लग चुका है। चार चरणों का चुनाव होने के बावजूद जिलाधिकारी तक बदले जा रहे हैं।

चुनाव आयोग ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तक को नोटिस थमाया है। दीदी का जवाब भी काबिलेगौर है, 'ऐसे दस नोटिस के लिए तैयार हैं।' ममता दीदी ने निचले स्तर तक कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संदेश देने की कोशिश की है कि चुनाव आयोग का रवैया निष्पक्ष नहीं है। ममता कहती हैं, चुनाव आचार संहिता नहीं, बल्कि मोदी आचार संहिता लागू की जा रही है। तृणमूल नेतृत्व अपने समर्थकों को यह संदेश देने में लगा है कि चुनाव आयोग से किसी मदद की उम्मीद नहीं रख अपनी तैयारी करें। ऐसी परिस्थिति में चुनाव आयोग के लिए सबसे कठिन चुनौती है, हिंसामुक्त चुनाव। कूचबिहार में मतदान के दिन सीआइएसएफ की गोलियों से चार लोग मारे गए। सत्ता के इस रण में किसी का सिंदूर मिट गया, किसी की गोद उजड़ गई। उससे क्या। बंगाल का इतिहास चुगली करता है कि यह रुकने वाला नहीं है। हिंसा में जो लोग मरे, वह राजनीतिक विमर्श के केंद्र में नहीं है। चुनावी मुद्दा यह बन चुका है कि हिंसा का कारण दीदी का भाषण है अथवा अमित शाह का इशारा। कूचबिहार कांड के बाद भी हिंसा की तैयारी थमी नहीं है। बंगाल की चुनावी राजनीति का रक्तरंजित इतिहास पुराना है। छह दशक पहले हिंसा का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह थम नहीं रहा। एक दशक पहले वाम मोर्चा सरकार से दीदी ने सत्ता छीनी थी, उस वक्त भी खूब हिंसा हुई थी। ऐसे संकेत मिल रहे हैं, मुकाबला जितना नजदीकी होगा, हिंसा उतनी बढ़ेगी। हिंसा की आशंका को देखते हुए चुनाव आयोग ने दर्जनों कंपनी अर्धसैनिक बलों को भेजा है। देखना है, आगे क्या होता है।

बंगाल भाजपा के लिए अहम है। उससे कहीं अधिक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए। आठ में से चार चरण के चुनाव के बाद अब अधिसंख्य लोग चुनावी बाजी को बराबरी का मानने लगे हैं। अगले चरणों का चुनाव बंगाल के सीमावर्ती इलाकों में होना है। अंतिम तीन चरणों में जहां चुनाव होने हैं, वे ऐसे इलाके हैं जहां पहले से ही भाजपा अपेक्षाकृत अधिक मजबूत है। लोकसभा चुनाव के नतीजे भी इसकी तस्दीक करते हैं। ममता बनर्जी को भी इन इलाकों की सियासी तासीर का भली-भांति भान है। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि आगे का रण महाभीषण होगा।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

मेरठ में कोरोना व तेज बुखार से तीन की मौत, भर्ती के लिए अस्पतालों के बाहर पड़े मरीज

मेरठ । जनपद में कोरोना लगातार कहर बरपा रहा है। अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी हो रही तो कहीं मरीजों की अव्यवस्थता के कारण मौते हो जा रहीं हैं। सोमवार को भी कई अस्पतालों में ऐसी ही स्थिति बनी हुई है। इलाज के लिए मरीज भटकते रहे। सोमवार को एक व्यापारी समेत तीन की मौत हो गई। वहीं प्राइवेट और मेडिकल कॉलेज के बाहर भर्ती होने के लिए मरीज परेशान नजर आए। इसके अलावा कई तीरमदार बाहर से ही ऑक्सीजन का सिलेंडर खरीदकर परिजनों को देते हुए नजर आए।

कोरोना से तीन की मौत

सोमवार को बोंबे बाजार के व्यापारी कुलदीप सिंह बक्शी (72) की मृत्यु हो गई है। उनका प्रतिष्ठान लंदन बैटरी हाउस है। तीन दिनों से बुखार में थे। रात 3 बजे दम तोड़ दिया। वह सदर व्यापार मंडल में मंत्री व संरक्षक रह चुके हैं। बोंबे बाजार में ही सदर व्यापार मंडल के कोषाध्यक्ष विशाल आनंद के पिता शंभूनाथ आनंद की मृत्यु हो गई है। बोंबे बाजार में सौगात गिफ्ट गैलरी की दुकान है। परिवार बागपत रोड पर रहता है। सदर बाजार स्थित रवींद्र पान वाले के बडे भाई की मृत्यु कोरोना से हुई है। सदर बाजार के व्यापारी दहशत में हैं। आज दोपहर 3 बजे बैठक बुलाई है। जिसमें सदर बाजार बंद करने के लिए निर्णय होगा।

रविवार को एक दिन में कोरोना केस घटने के बाद फिर से रफ्तार बढ़ गई। जिले में संक्रमण की दर 22 फीसद पार हुई, और 1501 मरीज मिले, वहीं एक

दिन में सर्वाधिक 17 मरीजों की मौत हो गई। यह मौतों का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट में सात की मौत दी गई है, जबकि इससे अलग रजबन में पति-पत्नी, गंगानगर में अधिवक्ता के पिता एवं भाई को संक्रमण ने निगल लिया। कैंट बोर्ड और निगम के पार्षद के अतिरिक्त निजी अस्पतालों में कई मरीजों ने दम तोड़ दिया है।

यह आंकड़ा 20 से भी ज्यादा हो सकता है। सीएमओ डा. अखिलेश मोहन ने बताया कि रविवार को 6559 सैंपलों की जांच में 1501 संक्रमित मिले। होम आइसोलेशन में रहने वालों की संख्या 4975 तक पहुंच गई है। उधर, मेडिकल कालेज में चार सौ से ज्यादा संक्रमित और संदिग्ध मरीज भर्ती हैं, जहां कुल 12 मरीजों की मौत हुई है। इसमें छह मेरठ के रहने वाले थे।

तीन अस्पतालों को गाजियाबाद से मिली रेमडेसिविर- ड्रग इंस्पेक्टर पवन शाक्य ने बताया कि रविवार को सुभारती, न्यूटीमा एवं आनंद अस्पताल को 60 वायल उपलब्ध कराया गया है। गाजियाबाद से सीधे इन अस्पतालों को इंजेक्शन भेजे गए। जिले में भारी संकट बना हुआ है।

सदर तहसील में लेखपाल, अमीन समेत 12 संक्रमित मिले- कोरोना संक्रमण जनपद के प्रत्येक कोने में फैलता जा रहा है। चुनाव कार्यालय के सभी कर्मियों के कोरोना संक्रमित होने के बाद रविवार को सदर तहसील के 12 कर्मचारियों के संक्रमित हो जाने की सूचना मिली है। इनमें कई लेखपाल और अमीन भी शामिल बताए जा रहे हैं। इस सूचना के बाद से तहसील के कर्मचारियों और अधिकारियों में खलबली मची है। तहसील भवन को अब सैनिटाइज कराया जाएगा। साथ ही वहां काम करने वाले सभी कर्मचारियों का टेस्ट कराया जाएगा।सरधना विधायक संगीत सोम के बेटा-बेटी संक्रमित

विधायक संगीत सोम के पुत्र-पुत्री कोरोना संक्रमित हो गए हैं। रविवार को बेटे तेजस के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। विधायक प्रतिनिधि शेखर सोम ने बताया कि शनिवार को बेटी हर्षिता की भी रिपोर्ट पाजिटिव आई थी। सभी होम आइसोलेट हैं। शनिवार को सोम ने खुद को कोरोना जैसे लक्षण होने की जानकारी दी थी।

संक्षिप्त खबर

रायबरेली में पेट्रोलपंप के सेल्समैन से असलहे के बल पर आठ लाख की लूट, दो संदिग्ध लुटेरों को ग्रामीणों ने दबोचा

रायबरेली । जिले में पेट्रोलपंप के दिन दहाड़े एक पेट्रोल पंप सेल्समैन से असलहे के बल पर आठ लाख रुपये लूट लिए गए। वहीं ग्रामीणों ने दो संदिग्ध लुटेरों को पकड़ लिया है। उनके पास से नकदी भी बरामद हुई है। ये दुस्साहसिक वारदात महराजगंज कोतवाली क्षेत्र में हुई। वहीं घटना को लेकर ग्रामीणों के आक्रोश का सामना पुलिस को भी करना पड़ा। काफी समझाने बुझाने के बाद जाकर ग्रामीणों ने बदमाशों को पुलिस के सिपुर्द किया।

क्षेत्र के महराजगंज-हैदरगढ़ मार्ग स्थित मां वैष्णव पेट्रोलपंप का सेल्समैन कैश जमा करने बैंक जा रहा था। रास्ते मे सवार लुटेरो ने पिस्टल लगाकर आठ लाख रुपये लूट लिए।सेल्समैन की चीख पुकार सुन पेट्रोल पम्प के कर्मचरियों व ग्रामीणों ने उनका पीछा किया। खुद को घिरता देख लुटेरे कुछ दूर पर ही बाइक छोड़ कर भाग पैदल भागने लगे। ग्रामीणों ने फिर भी पीछा नहीं छोड़ा। नरायनपुर मजरे मोन ग्राम पहुंचे तो एक लुटेरे का चप्पल टूट गया। गांव में कुछ लोगों को बैठे देख लुटेरे ने बहाना बनाया। बताया कि उसकी मां बीमार है, चप्पल नही है, उन्हे दिखाने जाना है। इसी बीच गांव के ही पवन साहू के मोबाइल पर लूट की घटना व लुटेरों के इसी गांव की तरफ भागने की खबर आई। युवक को संदिग्ध देख ग्रामिणों ने उसे पकड़ लिया। सूचना पर पुलिस को दी। मौके पर पुलिस व पेट्रोलपंप के कर्मचारी भी पहुंच गए। पकड़े गए लुटेरे के पास से पुलिस ने लगभग ढाई लाख रुपये बरामद किए। पुलिस द्वारा पैसे कोतवाली ले जाते देख पेट्रोल पम्प के कर्मचारी व ग्रामीण रुपये दिलाने को लेकर पुलिस से अड़ गए। इस दौरान पुलिस से कहासुनी भी हुई। ग्रामीण कुछ देर के लिए कोतवाल की गाड़ी की चाबी भी निकाल ली। समझाने के बाद ग्रामीणो ने कोतवाल को चाबी दी। ग्रामीणों के आक्रोश व घटना की सूचना पर मौके पर एसपी श्लोक कुमार ,एडिसनल एसपी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। इस बीच पता चला कि नरायनपुर से कुछ दूर पर मोन ग्राम के पास ही ग्रामीणो एक और संदिग्ध व्यक्ति को देखा।भागने पर ग्रामीण व पुलिस बल ने उसे भी पकड़ लिया। दोनों को पुलिस कोतवाली लाई। एसपी ने बताया कि पूरे मामले की जानकारी ली जा रही है, जल्द ही वारदात का राजफाश किया जाएगा।

कानपुर में पटरी दुकानदारों के सामने रोजी रोटी का संकट, अधिकतर दुकानदारों ने कर्ज लेकर भरा था माल

कानपुर । महामारी हमेशा उस वर्ग पर आफत बनकर टूटती है जो हर दिन कुआं खोदता और पानी पीता है। मसलन मजदूर वर्ग, रेहाड़ी और पटरी दुकानदार। कोविड संक्रमण पटरी दुकानदारों के लिए आफत बनकर टूटा है। रमजान को देखते हुए इन पटरी दुकानदारों ने कर्ज लेकर माल भर लिया था लेकिन अब सब परेशान हैं। उन्हें लगता है कि यही हालात रहे तो न माल बिकेगा और न ही कर्ज चुका पाएंगे। जिससे रोजी रोटी का संकट खड़ा होना तय है। पटरी दुकानदार अजीम बताते हैं कि उन्होंने तीन लाख रुपये कर्ज पर लेकर एक माह पहले दिल्ली से रेडीमेड माल मंगवाया था। यही सोचा था कि रमजान में सब माल बिक जाएगा तो कुछ पैसे बच जाएंगे लेकिन कोरोना संक्रमण ने सब गड़बड़ कर दिया। वह कहते हैं कि अब न तो माल बिकेगा और न ही कर्ज चुका पाएंगे। समय पर कर्ज नहीं चुका पाए तो ब्याज बढ़ता जाएगा। खजूर व्यवसायी अनस अख्तर बताते हैं कि कर्ज लेकर खजूर मंगवाया था। शाम को लॉकडाउन तभी शुरू होता है जब वास्तविक खरीदारी का समय होता है। पूरा का पूरा खजूर ऐसे ही पड़ा है। वह कहते हैं कि कोरोना तो हम पर आफत बनकर टूटा है। परेड पर ठेला लगाकर शर्ट बेच रहे एहसान ने बताया कि काफी समय से बाजार से उधारी पर कपड़ा लेकर शर्ट बनवायी थीं। तीन हजार से ज्यादा पीस बनवा चुके हैं। इस रमजान तो पूरा लॉट निकाल नहीं पाएंगे। उधारी पर माल उठाया है, चुकाने के लिए कर्ज लेना पड़ेगा।

बिहार की पंचायतों में पेशेवर लोगों को मिलेगा दक्षता प्रमाण पत्र, इन्हें भी होगा बड़ा फायदा

पटना । कोरोना महामारी के बीच दूसरे प्रदेशों से बिहार लौट रहे पेशेवर लोगों की पहचान कर उन्हें दक्षता प्रमाण पत्र दिया जाएगा। इसके लिए श्रम संसाधन मंत्री सभी जिलों के श्रम अधीक्षकों के साथ अगले सप्ताह वीडियो कांफ्रेंसिंग करेंगे। बिना पहचान के छोटे-छोटे पेशे में कार्यरत कारीगरों को प्रशिक्षण देकर दक्षता प्रमाण पत्र देने का काम जल्द शुरू किया जाएगा। इसके लिए विभागीय स्तर पर कार्य योजना बनाई गई है। राजमिस्त्री, पेंटर, लोहार, बढ़ई, इलेक्ट्रिशियन, नाई, वेल्डर, प्लंबर, मूर्तिकार, बुनकर, सिलाई-कटाई करने वाले कारीगर को दक्षता प्रमाण पत्र देकर उनका निंबधन भी कराया जाएगा।

श्रम संसाधन मंत्री जिवेश कुमार ने बताया कि ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, कृषि विभाग समेत अन्य विभागों के सहयोग से श्रमिकों की स्किल मैपिंग भी करायी जाएगी। इसमें आपदा प्रबंधन विभाग और उद्योग विभाग द्वारा स्किल मैपिंग कराकर कुशल व अकुशल श्रमिकों का डाटा बैंक तैयार कराया जाएगा ताकि विभिन्न योजनाओं से श्रमिकों को रोजगार दिलाया जा सके। उन्होंने बताया कि डेयरी, पॉल्ट्री, मखाना, केला व लीची समेत कृषि क्षेत्र की अन्य फसलों के उत्पादन व उनकी प्रोसेसिंग से श्रमिकों को भी दक्षता प्रमाणपत्र दिया जाएगा। प्रत्येक जिले में दो सौ कारीगरों को सप्ताह भर का प्रशिक्षण दिया जाएगा। फिर उन्हें कुशल कारीगर होने का दक्षता प्रमाण पत्र सौंपा जाएगा। 2025 तक राज्य के 10 लाख पेशेवरों को प्रशिक्षण देकर दक्षता प्रमाण पत्र देने का लक्ष्य है। नेशनल सेक्टर स्किल काउंसिल ने दक्षता प्रमाण पत्र देने संबंधी कार्यक्रम को सहमति दे दी है। योजना के दायरे में आने वाले कारीगरों को काउंसिल द्वारा प्रमाणीकरण करके उन्हें सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। ऐसे कारीगरों का कार्यस्थल पर निबंधन भी कराया जाएगा। इससे प्रशिक्षण पाए कारीगरों का एक डाटा बैंक भी तैयार होगा और फिर सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ के दायरे में भी लाया जाएगा।

त्यूणी में दारागाड़-कथियान मार्ग पर एक कार खाई में गिरी, एक की मौत

विकासनगर । देहरादून जनपद के सीमांत त्यूणी तहसील अंतर्गत सारनी गांव से हरटाड़-छजाड की ओर जा रही निजी कार दारागाड़-कथियान मार्ग पर भूनाड़ गांव के पास अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। हादसे में कार सवार युवक अविनाश (31 वर्ष) पुत्र दीवान सिंह निवासी सारनी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना रविवार शाम की बताई जा रही है, जिसका पता स्थानीय ग्रामीणों को सोमवार सुबह चला। बताया जा रहा है गांव में विवाह समारोह के बाद युवक कार से अपनी रिश्तेदारी में जा रहा था। इस दौरान वह हादसे का शिकार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही राजस्व उपनिरीक्षक सुरेश जिनाटा मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से युवक के शव को किसी तरह खाई से बाहर निकाला। पुलिस ने पंचनामा भर शव स्वजन को सौंप दिया। घटना से सारनी गांव में आयोजित विवाह समारोह मातम में बदल गया।

मेरठ में चर्चित भाजपा विधायक संगीत सोम तथा दिनेश खटिक कोरोना वायरस से संक्रमित

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में लखनऊ के बाद मेरठ और बरेली में भी कोरोना वायरस का संक्रमण जमकर कहर बरपा रहा है। इसकी चपेट में आम लोगों के साथ बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि भी आ रहे हैं। मेरठ के चर्चित विधायक संगीत सोम और दिनेश खटिक भी कोरोना से संक्रमित हो गए हैं। उधर बरेली कैंट से विधायक पूर्व वित्त मंत्री राजेश अग्रवाल अपने जिले में हालत खराब होते देख मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ट्वीट किया है।

मेरठ के सरधना से विधायक संगीत सोम भी कोरोना वायरस के संक्रमण की चपेट में उनके परिवार में पहले बेटी और बाद में बेटे के संक्रमित होने से होम आइसोलेशन में जाने वाले संगीत सोम भी रविवार को इसकी चपेट में आ गए। भाजपा के सरधना से विधायक संगीत सोम और उनके बेटे तेजस कोरोना संक्रमित हो गए है। रविवार को दोनों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। शनिवार को विधायक ने कोरोना के लक्षण दिखाई देने की बात कहते हुए खुद को होम आइसोलेट कर लिया था।

उन्हें शनिवार से तेज बुखार है। विधायक के अनुसार उनकी बेटी भी कोरोना संक्रमित हो गई है। पिछले दिनों वह दो दिन तक विधायक के साथ मेरठ में ही रही थी। विधायक पंचायत चुनाव के चलते क्षेत्र में लोगों के बीच सक्रिय थे। वह लगातार रोड शो और नुक्कड़ सभाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस दौरान उनके संपर्क में जो भी लोग आए हैं, वह सभी लोग भी कोरोना की जांच करा लें।

मेरठ के हस्तिनापुर से भारतीय जनता पार्टी के विधायक दिनेश खटिक भी कोरोना संक्रमण की चपेट में हैं। वह बीते दिनों पंचायत चुनाव में काफी जनसंपर्क तथा नुक्कड़ सभा कर रहे थे। विधायक दिनेश खटीक के साथ उनके परिवार के चार लोग भी कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद से वह परिवार के साथ होम आइसोलेट हैं। उन्होंने अपने समर्थकों से भी कोरोना का टेस्ट कराने को कहा है। मेरठ में कोरोना वायरस का कहर काफी तेज होने के दौरान अस्पतालों में बेड के साथ ही मेडिकल ऑक्सीजन की काफी कमी है। जिला प्रशासन का दावा है कि सोमवार को यहां पर बड़ी मात्रा में ऑक्सीजन उपलब्ध होगी।

बरेली में भी हालात बेहद खराब- झुमका की नगरी बरेली भी इन दिनों कोरोना वायरस के संक्रमण से जूझ रही है। बिथरी चैनपुर से भाजपा विधायक राजेश मिश्रा के बाद पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने यहां की हालत पर चिंता जताई है।

कोरोना वायरस संक्रमण के पहले चरण में चपेट में आए कैंट विधायक राजेश अग्रवाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ट्वीट किया है। उन्होंने कहा है कि बरेली को कम न आंका जाए। बरेली में हालात लखनऊ व गोरखपुर जैसे ही हैं। यहां पर रोजाना 25 से 30 टन ऑक्सीजन की जरूरत है। कोरोना वायरस के बढ़ते कहर को देखते हुए बरेली मिलिट्री हॉस्पिटल को भी कोविड हॉस्पिटल बना दें।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पत्नी से साथ ली कोविड वैक्सीन की दूसरी डोज

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के प्रति बेहद गंभीर हैं। उन्होंने ठीक एक महीने बाद सोमवार को कोरोना वायरस वैक्सीन की दूसरी डोज भी ले ली है।

लखनऊ के श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) अस्पताल में पत्नी के साथ पहुंचे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने आज कोविड-19 से बचाव के लिए सपरिवार कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज लगवाई। इस दौरान उन्होंने संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि आप सभी प्रदेश वासियों से अनुरोध है कि आप वैक्सीनेशन जरूर कराएं और दूसरों को भी इसके लिए जरूर प्रेरित करें। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सभी लोगों को कोरोना वायरस के कहर से बचाने के लिए वैक्सीनेशन का बड़ा अभियान चलाया है। यह वैक्सीन हमको और हमारे परिवार के सभी लोगों को कोरोना वायरस संक्रमण से बचाएगी। हमको अपने तथा परिवार की रक्षा के लिए इसको जरूर लगवाना चाहिए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा और उनकी पत्नी डॉ. जयश्री शर्मा भी कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ और डॉ. दिनेश शर्मा होम आइसालेशन में हैं। डॉ. जयश्री शर्मा संजय गांधी पीजीआइ में भर्ती हैं। रविवार को ही डॉ. दिनेश शर्मा के पीएस कल्याण सिंह का कोरोना वायरस संक्रमण के कारण निधन भी हो गया था।

पिता की कोरोना से मौत फिर भी कर्तव्य पथ पर डटीं कानपुर देहात की एसडीएम, अफसरों ने बढ़ाया हौसला

कानपुर देहात । त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में सोमवार की सुबह मतदान केंद्रों का जायजा लेने निकलीं एसडीएम की आंखें नम थीं और मन भावुक था। लेकिन, पंचायत चुनाव की कमान संभाले एसडीएम सभी केंद्रों का बारी बारी जायजा ले रही थीं। उनकी पीड़ा जिसे भी पता चली, उसने ही उनके फर्ज निभाने के जज़्बे को सलाम किया। इतना ही नहीं डीएम और एसपी ने भी उन्हें ढांढस बंधाते हुए कर्तव्य निर्वहन की सराहना की।

कानपुर देहात जिले की भोगनीपुर तहसील की एसडीएम दीपावली भार्गव के पिता की कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट आने पर शनिवार की शाम कोविड अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रविवार की सुबह उनकी मौत हो गई थी और देर शाम को कोविड प्रोटोकाल के तहत उनका अंतिम संस्कार किया गया। पिता की मौत की जानकारी होते ही एसडीएम गमगीन हो गईं, उनकी सामने कर्तव्य और फर्ज सामने आ खड़े हुए। जनपद की बड़ी तहसीलों में एक भोगनीपुर क्षेत्र में पंचायत चुनाव की कमान संभाल रहीं एसडीएम ने फर्ज को प्राथमिकता दी। देर शाम पोलिंग पार्टियों की रवानगी से लेकर मतदान केंद्रों में व्यवस्था दुरुस्त कराने में जुटी रहीं। सुबह होने पर पर वह फिर मतदान केंद्रों के दौरे पर निकल पड़ीं और अवकाश स्वीकृत होने पर भी उन्होंने ड्यूटी को प्रमुखता दी। दिल मजबूत किया और सुबह से चुनाव ड्यूटी में डट गईं। इस दौरान डीएम और एसपी भी पहुंचे और मतदान केंद्र पर उन्हें ड्यूटी पर देखकर ढांढस बंधाया और सराहना की। इसके बाद जिसे भी घटनाक्रम की जानकारी हुई उसने एसडीएम के जज़्बे को सलाम किया। पिता की मौत का सदमा और दुख होने के बाद भी एसडीएम ने ड्यूटी के लिए मिसाल पेश की है। उन्हें देखकर अधिकारी व कर्मचारी भी उनकी तारीफ करते रहे।

कानपुर में कोरोनोवायरस के मामलों में वृद्धि के कारण बेड और मेडिकल ऑक्सीजन की कमी के बीच एलएलआर अस्पताल के बाहर एक कोविड-19 मरीज को प्राथमिक उपचार करते हुए।

कानपुर में बिना मूल्य लिखे पल्स ऑक्सीमीटर बेचने पर होगा मुकदमा, मंत्री महाना की बैठक में लिए गए कई अहम निर्णय

कानपुर । पल्स ऑक्सीमीटर और दवाओं की मनमाने रेट पर बिक्री न हो यह सुनिश्चित किया जाए। अगर कोई अधिक मूल्य पर बिक्री करे तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। ये आदेश औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने रविवार को मंडलायुक्त शिविर कार्यालय में आयोजित बैठक में दिए। उन्हें बताया गया कि चीन से आने वाले पल्स ऑक्सीमीटर के पैकेट पर मूल्य अंकित नहीं है। इस वजह से कुछ मेडिकल स्टोर मनमाना रेट वसूल रहे हैं। मंत्री ने कहा कि जिस पल्स ऑक्सीमीटर पर मूल्य अंकित न हो, उसकी बिक्री न की जाए। अगर कोई ऐसा करते पकड़ा गया तो मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

औद्योगिक विकास मंत्री ने मंडलायुक्त राजशेखर और डीएम आलोक तिवारी से कहा कि अभियान चलाकर ऐसे लोगों पर कार्रवाई करें। मेडिकल स्टोर संचालकों से कहा कि निर्धारित मूल्य से कम रेट पर पल्स ऑक्सीमीटर उपलब्ध कराएं। दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। दि फुटकर दवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजेंद्र सैनी, महामंत्री नंद किशोर ओझा और प्रवीन वाजपेयी कहा कि दवाओं की उपलब्धता बनाए रखने को हरसंभव प्रयास करेंगे।

महाना ने कहा कि एंटीजेन जांच का डाटा पोर्टल पर नहीं आ रहा है। ऐसे में उनकी गणना नहीं हो रही है। उनमें से किसी की मृत्यु होने पर कोविड प्रोटोकॉल के तहत अंतिम संस्कार नहीं हो पा रहा है। संक्रमण को रोकने के लिए प्रोटोकॉल के तहत अंतिम संस्कार की व्यवस्था की जाए। जिनकी जांच घर पर करें उनका डाटा जरूर फीड करें।

लक्षण होने के बाद भी रिपोर्ट निगेटिव आने वाले लोगों के इलाज के लिए अस्पताल अधिकृत किए जाएं। होम आइसोलेट संक्रमितों के लिए ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। डीएम ने कहा कि ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। बैठक में अपर निदेशक स्वास्थ्य जीके मिश्रा, सीएमओ डॉ. अनिल मिश्रा, एडीएम सिटी अतुल कुमार, मेडिकल स्टोर संचालक राजेश महेश्वरी, अशोक अग्रवाल, राजेश गुप्ता, निकेश तलाटी आदि रहे।

तीमारदार जबरन लिखवा रहे रेमडेसिविर- औद्योगिक विकास मंत्री ने कहा कि जरूरत होने पर ही रेमडेसिविर इंजेक्शन लिखा जाए। एक चिकित्सक ने कहा कि कुछ तीमारदार तो जबरन रेमडेसिविर लिखवाते हैं। इंजेक्शन लगवाने की जिद करते हैं। महाना ने कहा कि किसी की जिद के आगे न झुकें, रेमडेसिविर के जो विकल्प हैं उनका उपयोग किया जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बड़ा ऐलान, बिहार के इन 15 जिलों में लगेंगे ऑक्सीजन गैस प्लांट

पटना । कोरोना काल में ऑक्सीजन के बढ़ते संकट को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश में नए ऑक्सीजन प्लांट लगाने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री की इस घोषणा का बड़ा फायदा बिहार को भी होगा। केंद्र सरकार की घोषणा के मुताबिक पूरे देश में 551 नए ऑक्सीजन प्लांट लगाए जाएंगे। बिहार के 15 जिलों में नए ऑक्सीजन प्लांट लगाए जाएंगे। इससे राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं में बड़ा इजाफा होगा। नए ऑक्सीजन प्लांट लगाने से स्थानीय स्तर पर रोजगार का सृजन भी होगा। इन प्लांटों के लिए धनराशि पीएम केयर फंड से आवंटित की जाएगी।

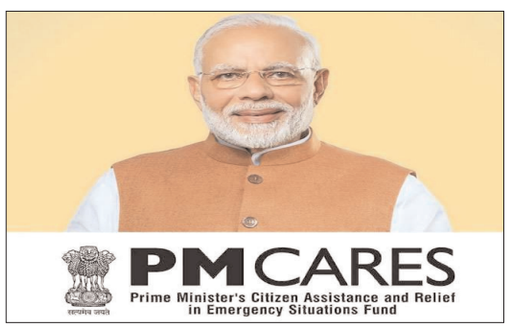

बिहार के इन जिलों में लगाया जाएगा ऑक्सीजन प्लांट

प्रेस इंफॉर्मेशन ब्यूरो की ओर से जारी एक सूचना के मुताबिक बिहार के बेगूसराय, भागलपुर, भोजपुर, दरभंगा, गया, गोपालगंज, कटिहार, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, नालंदा, पश्चिम चंपारण, पटना, पूर्णिया, सहरसा और वैशाली जिले में लगाए जाएंगे। शाहाबाद प्रक्षेत्र को केवल एक ऑक्सीजन प्लांट मिला है, जबकि उत्तर बिहार में ज्यादा ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं। गया प्रमंडल में भी एक ऑक्सीजन प्लांट मिला है। यूं सरकार ने ध्यान रखा है कि हर क्षेत्र को इसमें स्थान दिया जाए।

सरकारी अस्पतालों में लगाए जाएंगे ऑक्सीजन प्लांट- केंद्र सरकार की योजना के मुताबिक पीएम केयर्स फंड से लगाए जाने वाले ऑक्सीजन प्लांट सरकारी अस्पतालों में स्थापित किए जाएंगे। जिलों के सदर अस्पताल में जगह उपलब्ध होने पर इन्हें स्थापित किया जा सकेगा। इसके लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दिए जाने की उम्मीद है। हालांकि इससे पहले सरकार को प्लांट के लिए जगह का चयन करना होगा।

फिलहाल पश्चिम बंगाल और झारखंड से हो रही आपूर्ति- फिलहाल बिहार में ऑक्सीजन उत्पादन की क्षमता जरूरत के लिहाज से कम पड़ रही है। कोरोना संक्रमण के केस बढ़ने के कारण राज्य के अस्पतालों में हर रोज ऑक्सीजन का संकट खड़ा हो रहा है। फौरी तौर पर पश्चिम बंगाल और झारखंड से बिहार में ऑक्सीजन की सप्लाई बढ़ा दी गई है।

रांची हाईकोर्ट से जमानत के बावजूद फिर टली लालू की रिहाई, राजद व समर्थकों में निराशा

पटना । राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के परिवार, पार्टी व चाहने वालों के लिए यह बुरी खबर है। रांची हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बावजूद उनका अपने नेता की रिहाई का इंतजार फिर बढ़ गया है। बीते 18 अप्रैल को मिली जमानत की शर्तों के मुताबिक उन्हें जमानत का बॉन्ड भरना है, लेकिन रविवार को हुई बार काउंसिल की बैठक में वकीलों ने खुद को दो मई तक अदालती कार्य से अलग रखने का फैसला किया। इससे अब लालू की जमानत का बॉन्ड तीन मई के पहले नहीं भरा जा सकेगा। बॉन्ड भरे जाने के बाद ही उनकी रिहाई संभव है।

18 अप्रैल को ही रांची हाईकोर्ट से मिल चुकी जमानत

विदित हो कि लालू प्रसाद यादव को बीते 18 अप्रैल को रांची हाईकोर्ट ने चारा घोटाला के दुमका कोषागार मामले में जमानत दे दी। इसके साथ उन्हें चारा घोटाला के उन तीनों मामलों में जमानत मिल गई है, जिनमें वे सजायाफ्ता हैं। चारा घोटाला का डोरांडा कोषागार का एक और मुकदमा फिलहाल निचली अदालत में लंबित है। सजा पाए तीनों मामलों में जमानत मिलने के बाद उम्मीद थी कि वे जल्दी ही रिहा हो जाएंगे, लेकिन कोरोनावायरस का संकट आड़े आ गया है।

जमानत की शर्तों के अनुसार लालू को जमानत के लिए बॉन्ड भरना है। इसके लिए वकीलों का कोर्ट में जाना अनिवार्य है। इस बीच रांची हाईकोर्ट ने कोरोनावायरस संक्रमण के कारण वकीलों के न्यायिक कार्य के लिए कोर्ट में जाने पर रोक लगा दी है। उन्हें केवल कोरोना से संबंधित मामलों की सुनवाई में ऑनलाइन शामिल होने की छूट दी गई है। पहले यह रोक लालू को जमानत मिलने के ठीक अगले दिन से 24 अप्रैल तक के लिए थी, लेकिन रविवार को काउंसिल की बैठक में इसे एक सप्ताह तक और बढ़ा दिया गया है। अब वकील दो मई तक कोर्ट से दूर रहेंगे।

चारा घोटाला के तीन मामलों में सजा पाए लालू प्रसाद यादव बीते 23 दिसंबर 2017 से रांची के होटवार जेल में हैं। उन्हें आधी सजा पूरी कर लेने के तर्क पर सशर्त जमानत मिली है। कोर्ट ने लालू पर जमानत के दौरान हाईकोर्ट से आदेश लिए बगैर देश से बाहर जाने तथा अपना मोबाइल नंबर और पता नहीं बदलने की शर्त रखी है।बीमारी के कारण रांची के रिम्स (अस्पताल) में इलाज के बाद बीते 23 जनवरी से वे दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती हैं। जमानत के बावजूद खराब स्वास्थ्य के कारण फिलहाल वे एम्स में ही रहेंगे। कोरोनावायरस संक्रमण से बचाव के लिए भी परिवार उन्हें बिहार लाना नहीं चाह रहा है। लेकिन उनकी जमानत पर रिहाई में हो रहे विलंब से परिवार, पार्टी के नेता व समर्थकों में मायूसी दिख रही है।

नवी मुंबई में कोरोनोवायरस महामारी के बीच एपीएमसी सब्जी बाजार के बाहर ट्रैफिक जाम।

बीकानेर में चल रहे कोरोनावायरस महामारी के बीच एक जोड़े ने अपने विवाह समारोह के दौरान मास्क पहने हुए।

दक्षिण दिनाजपुर जिले के बालूरघाट के पास एक गांव में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के 7 वें चरण के मतदान के दौरान मतदान केंद्र पर वोट डालने के लिए कतार में खड़े मतदाता।

एक नजर

शहीदों का सम्मान करने टाइगर वार मेमोरियल पहुंची विजय मशाल

जम्मू । वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के स्वर्णिम विजय वर्ष में जम्मू कश्मीर पहुंची विजय मशाल शहीदों का सम्मान करने के लिए सोमवार को जम्मू के टाइगर वार मेमोरियल पहुंची।अशोक चक्र विजेता स्पेशल फोर्स के शहीद मेजर मोहित शर्मा की पत्नी लेफ्टिनेंट कर्नल रिशिमा सरीन ने सतवारी स्थित सेना की टाइगर डिवीजन मुख्यालय में विजय मशाल का स्वागत किया। हरियाणा के रोहतक के रहने वाले पैरा कमांडो मेजर मोहित शर्मा कुपवाड़ा के हफरोदा जंगलों में मार्च 2009 में हुई मुठभेड़ में आतंकवादियों को मार गिराते हुए शहीद हुए थे। लेफ्टिनेंट कर्नल रिशिमा शर्मा के साथ इस मौके पर सेना की टाइगर डिवीजन के जीओसी मेजर जनरल नीरज गोसाइं के साथ सेना के अन्य कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। इस मौके पर जीओसी व अन्य अधिकारियों ने टाइगर वार मेमोरियल पर सेना के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। लेफ्टिनेंट कर्नल रिशिमा शर्मा ने शहीदों को सलामी देने के साथ अपने पति मेजर मोहित शर्मा के सर्वोच्च बलिदान को भी याद किया। टाइगर डिव में विजय मशाल के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में पचास पहले लड़े गए युद्ध में हिस्सा ले चुके ब्रिगेडियर एनआर पांडे व ब्रिगेडियर जीएस शान को भी सम्मानित किया गया। इन पूर्व सैनिकों ने अपने पुराने अनुभव सुनाकर 1971 के युद्ध की यादों को ताजा कर दिया। इसी बीच टाइगर डिव में विजय मशाल के सम्मान में कार्यक्रम के बाद इसे जम्मू शहर के विभिन्न हिस्सों में ले जाने का कार्यक्रम शुरू हो गया। जम्मू के आरएसपुरा क्षेत्र में युद्ध के नायकों का सम्मान करने के लिए शनिवार को विजय मशाल टाइगर डिवीजन की मीरां साहिब ब्रिगेड पहुंची थी। शनिवार को जम्मू के आरएसपुरा के कुलियां में विजय मशाल के सम्मान में हुए कार्यक्रम में 1971 के युद्ध में छंट सेक्टर में हिस्सा लेने वाले परमवीर चक्र विजेता कैप्टन बाना सिंह व क्षेत्र की कई वीर नारियों को इस मौके पर सम्मानित किया गया था।

तीन साल की भूटानी बच्ची को बचाने के लिए 16 लोगों ने किया रक्तदान

कोलकाता । तीन साल की भूटानी बच्ची को बचाने के लिए 16 लोगों ने कोलकाता में रक्तदान किया। महानगर की प्रमुख सामाजिक संस्था श्रीश्री जानकी माता नेपाली धार्मिक संघ के कर्मठ कार्यकर्ताओं ने भूटान के रहने वाले राम माया तमांग की बेटी हुन्गमा लिम्बु के लिए रक्तदान किया। हुन्गमा ब्लड कैंसर से पीड़ित है। उसका पिछले साल अक्टूबर से टाटा मेडिकल सेंटर राजारहाट में इलाज चल रहा है। श्रीश्री जानकी माता नेपाली धार्मिक संघ के सभापति गुंज दास श्रेष्ठ को मालूम पड़ा तो उन्होंने कार्यकर्ताओं को साथ लेकर यह पहल की। रक्तदान करने वालों में अरुण पांडेय, रमिता कार्की सिंह, रूपा पांडेय, विनोद गुरुंग, संतोषी सिंह, ओम शर्मा खनाल, रोहित क्षेत्री, सुजन देवनाथ, सुबम् देबनाथ, मुदीत् जदोन्, नेहा प्रधान, दीप क्षेत्री, प्रभाकर क्षेत्री, दीपक लामा, आनंद राई सिंह और कुणाल प्रसाद शामिल हैं।

बच्ची के परिजनों ने इस बाबत संस्था के प्रति आभार प्रकट किया है। गुंज दास श्रेष्ठ ने बताया- हमारी संस्था समाज कल्याण से जुड़े कार्यों में हमेशा आगे रहती है। पिछले साल लॉकडाउन के समय हमने जरूरतमंदों की काफी मदद की थी। अस्पतालों के सामने मरीजों व उनके परिजनों के लिए खाने-पीने की व्यवस्था की थी। इस बार भी परिस्थिति के मुताबिक हमारी टीम सेवा कार्यों के लिए तत्पर रहेगी। हमारी एक बड़ी टीम काम करती है। सारे कार्यकर्ता बेहद कर्मठ व समर्पित हैं। हमें जब ब्लड कैंसर से पीड़ित बच्ची के बारे में पता चला तो तुरंत कार्यकर्ताओं से बातचीत की। उसके ब्लड ग्रुप से मेल वाले हमारे कार्यकर्ताओं ने भारी उत्साह के साथ रक्तदान किया। गुंज दास श्रेष्ठ ने आगे कहा कि जरूरतमंदों की मदद के लिए सभी को इसी तरह आगे आना चाहिए, तभी एक स्वस्थ व सुंदर समाज का गठन हो पाएगा।

पुराने आदेश में हुआ संशोधन; रोज खुल सकेंगी गली-मुहल्ले की दुकानें, जानें क्या है नया शैड्यूल

जम्मू । जम्मू के जिला प्रशासन ने रोटेशन के आधार पर हर दिन 50 फीसद दुकानें खोलने के अपने बीस अप्रैल के आदेश में संशोधन कर रविवार शाम को नया आदेश जारी किया है। ताजा आदेश के अनुसार अब जिले के गली-मुहल्लों में जो इक्का-दुक्का दुकानें है, वो रोजाना खुल सकेंगी। इसके लिए हालांकि संबंधित तहसीलदार दुकानों को चिन्हित करेंगे। इस आदेश में प्रशासन ने शादियों के सीजन को ध्यान में रखते हुए ब्यूटी पार्लरों को भी बड़ी राहत दी है। ब्यूटी पार्लर अब सोमवार से शनिवार तक अपनी बुकिंग के अनुसार पार्लर खोल सकते हैं। इसके अलावा वेयर हाउस व कनक मंडी के अलावा सुपर बाजार व पहाड़ियां मुहल्ले में स्थित थोक दुकानदारों को भी सोमवार से शनिवार तक दुकानें खोलने की अनुमति दी गई है और आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि रविवार को आवश्यक सेवाओं को छोड़ अन्य सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहेंगे। आदेश में कहा गया है कि दुकानदारों को कोविड-19 गाइडलाइंस का पूरी तरह से पालन करना होगा और यह उनकी जिम्मेदारी होगी कि दुकान में किसी तरह की भीड़ न हो। सभी मॉस्क पहने व शारीरिक दूरी का कठोरता से पालन हो। ऐसा न होने की सूरत में कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

कोट भलवाल जेल में कैदियों को मिल रही हैं सर्व संपन्न सुविधाएं

जम्मू । शहर के जानेमाने व्यापारियों रंगदारी वसूल कर उन्हें आइपीएल क्रिकेट मैच में सट्टा लगाने वालों को निवेश किए जाने के तार कोटभलवाल से जुड़ रहे है।रंगदारी वसूलने से लेकर सट्टेबाजों को पैसे का लेनदेन की योजना जेल से ही संचालित हो रही थी। कोटभलवाल जेल इन दिनों फिर से सुर्खियों में है।रंगदारी गिरोह में शामिल जेल सुप्रिटेंडेंट का ड्राइवर कुलदीप उर्फ कमला और एसपीओ की संलिप्तता सामने आ चुकी है।शहर में रंगदारी वसूलने वाला सुप्रीत सिंह उर्फ राजा अक्सर रॉयल सिंह से मिलने कोट भलवाल जेल में आया करता था।कोटभलवाल जेल में सजा काट रहे या फिर अंडर ट्रायल कैदी इन दिनों जेल के मेहमान से कम नही हैं।वे अपनी मर्जी का भोजन बैरकों में बना रहे है।घरवालों या फिर बाहर की दुनियां में काम करने वाले उनक गुर्गे लगातार उनके सम्पर्क में है।मोबाइल से लेकर उनके पास सर्व सम्पन्न सहूलते मौजूद है। कोई भी हत्या जैसा अपराध या आतंकी घटना हो उसके पैरोकार जम्मू की जेल हो या श्रीनगर सेंट्रल जेल उन्हें कौन से वकील करने की सलाह तक देत हैं।कश्मीर के आर्तकियों को यहां चरस और हेरोइन भी आसानी से उपलब्ध हो रही है।यह सबकुछ जेल प्रबंधन की रजामंदी के मुमकिन नही है।वर्ष 2011-12 में कोट भलवाल जेल में जैमर तो लगे, लेकिन जेल प्रबंधन की अनदेखी के कारण यह जैमर पंगू बन कर रह गए।इसका फायदा अंदर बैठे आतंकवादी और अपराधी भी उठा रहे हैं।

महाराष्ट्र में कोरोना के 66191 नए मामले, मुंबई में लगातार दूसरे दिन मामलों में कमी

मुंबई । महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 66191 नए मामले सामने आए, 61450 डिस्चार्ज हुए और 832 मौतें हुई हैं। सक्रिय मामले 6,98,354 हैं। कुल 35,30,060 डिस्चार्ज हुए। कोरोना से अब तक कुल 64,760 मौतें हुई हैं। वहीं, मुंबई में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 5542 नए मामले सामने आए हैं। 8478 लोग डिस्चार्ज हुए और 64 लोगों की मौत हुई है। सक्रिय मामले 75,740 हैं। कुल 5,37,711 डिस्चार्ज हुए। कोरोना से 12,783 की मौत हुई है। इधर, नागपुर जिले में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 7771 नए मामले सामने आए, 5130 रिकवर हुए और 87 मौतें हुई हैं। कुल मामले 3,74,188 हैं। कुल 2,89,696 रिकवर हुए। सक्रिय मामले 77,556 हैं। कोरोना से 6,936 की मौत हुई है।

मुंबई में लगातार दूसरे दिन मामलों में कमी

प्रेट्र के मुताबिक, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में कोरोना के नए मामलों में लगातार दूसरे दिन कमी देखी गई। रविवार को 5,542 नए मामले दर्ज किए गए, जो अप्रैल माह में अब तक की सबसे कम संख्या है। यह लगातार दूसरा ऐसा दिन है जब नए मामलों में गिरावट देखी गई। शनिवार को 5,888 नए मामले आए थे। इसके साथ ही मुंबई में अब तक 6,27,651 लोग संक्रमित हो चुके हैं। 31 मार्च को, मुंबई में 5,394 नए मामले दर्ज किए गए थे। लेकिन अगले दिन यह आंकड़ा 8,000 से अधिक हो गया। 12 अप्रैल के बाद दूसरी बार ऐसा हुआ कि दैनिक मामलों की संख्या 7,000 से कम है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के अनुसार, रविवार को कोरोना से मुंबई में 64 लोगों की जान चली गई। इनमें 28 महिलाएं थीं। इन मौतों के साथ मुंबई में अब तक 12,783 लोग कोरोना से अपने प्राण गंवा चुके हैं। फिलहाल यहां 75,740 सक्रिय मामले हैं। मुंबई की ठीक होने की दर 86 फीसद है। रविवार को 8,478 लोगों को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। बीते 24 घंटों में 40,298 नमूनों की जांच की गई।

इससे पहले शनिवार को महाराष्ट्र में कोरोना के 67160 नए मामले सामने आए, 63818 डिस्चार्ज हुए और 676 मौतें हुई हैं। सक्रिय मामले 6,94,480 हैं। कोरोना से 63928 की मौत हुई है। कुल मामले 42,28,836 हैं। कुल 34,68,610 रिकवर हुए है। वहीं, मुंबई में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 5888 नए मामले सामने आए, 71 मौतें हुई और 8549 रिकवर हुए। कुल मामले 6,22,109 हैं। इधर, नागपुर पिछले 24 घंटे में कोरोना के 7999 नए मामले सामने आए, 6264 रिकवर हुए और 82 मौतें हुई हैं। कुल मामले 3,66,417 हैं। कुल 2,84,566 रिकवर हुए। सक्रिय मामले 75,002 हैं। कोरोना से 6,849 की मौत हुई है। प्रदेश में कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं। वहीं, कई जिलों में भी नित नए मामले सामने आ रहे हैं।

इससे पहले शुक्रवार को महाराष्ट्र में कोरोना के 66836 नए मामले सामने आए, 74045 रिकवर हुए और 773 मौतें हुई हैं। सक्रिय मामले 6,91,851 हैं। कुल मामले 41,61,676। कुल 34,04,792 रिकवर हुए। कोरोना से 63,252 की मौत हुई है। इधर, मुंबई में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 7221 नए मामले सामने आए, 9541 रिकवर हुए और 72 मौतें हुई हैं। वहीं, नागपुर जिले में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 7485 नए मामले सामने आए, 6531 रिकवर हुए और 82 मौतें हुई हैं। कुल मामले 3,58,418 हैं। कुल 2,78,302 रिकवर हुए। कोरोना से 6767 की मौत हुई है। सक्रिय मामले 73,349 हैं। प्रदेश के कई जिलों में कोरोना के नित नए मामले सामने आ रहे हैं। इस बीच, पुणे जिले में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 9810 नए मामले सामने आए, 137 की मौत हुई और 10310 रिकवर हुए। सक्रिय मामले 1,01,279 हैं। कुल मामले 7,73,004 हैं। कुल 6,59,875 रिकवर हुए। कोरोना से 12,019 की मौत हो चुकी है।

लॉकडाउन की आड़ में कराई जा रही थी नाबालिगों की शादी, जज साहब ने रुकवाई

उदयपुर । लॉकडाउन की आड़ में रविवार को राजस्थान के उदयपुर में नाबालिग जोड़े की शादी होने जा रही थी। यह शादी संपन्न होती कि इससे पहले उदयपुर के अतिरिक्त जिला न्यायाधीश को इसका पता चल गया और वह तुरंत ही मौके पर पहुंच गए। उन्होंने वहां जाकर ना केवल शादी को रुकवा दिया, बल्कि शादी संपन्न कराने में सहयोग कर रहे पंडित, हलवाई, फोटोग्राफर तथा घोड़ी वाले तक को नोटिस भी थमा दिया। उदयपुर जिला व सत्र न्यायालय में अतिरिक्त जिला व सत्र न्यायाधीश कुलदीप स्वर्णकार को पता चला कि उदयपुर के सेक्टर नौ में चौदह साल की एक किशोरी की शादी कराई जा रही है। इसकी जानकारी मिलते ही वह विवाह स्थल पर पहुंच गए तथा दुल्हन की आयु को लेकर कागजात मांगे।

इधर, दुल्हन पक्ष के लोगों ने पहले दुल्हन को बालिग बताया, लेकिन जब उपलब्ध दस्तावेज से जांच की तो वह चौदह साल की निकली। जिस पर उन्होंने तत्काल प्रभाव से दुल्हन के माता-पिता और रिश्तेदारों को पाबंद करते हुए शादी समारोह पर रोक लगा दी। इसी बीच, घोड़ी पर बिंदोली निकालते हुए दूल्हा और उसके परिजन वहां पहुंचे। न्यायाधीश कुलदीप को दूल्हे की उम्र को लेकर भी शंका हुई और उसके परिजनों से पूछताछ की तथा दूल्हे की उम्र के दस्तावेज मांगे तो पता चला कि दूल्हा भी नाबालिग है। जिस पर न्यायाधीश ने दूल्हे के परिजनों को पाबंद कर दिया।

न्यायाधीश कुलदीप में शादी संपन्न कराने में सहयोग कर रहे पंडित, हलवाई, फोटोग्राफर तथा घोड़ी वाले को भी नोटिस देकर पाबंद किया कि वह किसी भी नाबालिग की शादी कराने में मदद नहीं करेंगे। उल्लेखनीय है कि उदयपुर शहर में नाबालिग जोड़े की शादी के प्रयास का यह पहला मामला पकड़ में आया है। विधिक सेवा प्राधिकरण ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों को पाबंद कर दिया। वहीं, इस मामले की शहर के साथ प्रदेशभर में चर्चा है।

राजस्थान में कोरोना के 15809 नए मामले, 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को मुफ्त में लगेगी वैक्सीन

जयपुर। राजस्थान में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 15809 नए मामले सामने आए हैं। 6649 लोग डिस्चार्ज हुए और 74 लोगों की मौत हुई है। सक्रिय मामले 1,36,702 हैं। कुल 3,74,134 डिस्चार्ज हुए। कोरोना से कुल 3,601 की मौत हुई है। इधर, राजस्थान सरकार ने प्रदेश के 18 से 45 वर्ष आयुवर्ग के सभी लोगों को लगभग 3,000 करोड़ रुपये की धनराशि खर्च कर निशुल्क कोविड वैक्सीन लगाने का फैसला किया है। रविवार को यह एलान सीएम अशोक गहलोत ने किया है। वहीं, राजस्थान में 18 साल से ज्यादा उम्र के सभी लोगों को मुफ्त वैक्सीन लगाई जाएगी। वैक्सीनेशन पर होने वाला सरकार खर्च सरकार वहन करेगी। प्रदेश में तीन करोड़ 75 लाख लोगों का फ्री वैक्सीनेशन होगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बताया कि इस पर 3000 करोड़ रुपये का खर्च होगा।

उन्होंने कहा कि यह बेहतर होता कि राज्य सरकारों की मांग के अनुसार केंद्र सरकार 18 से 45 साल तक की उम्र के लोगों के वैक्सीनेशन का खर्च उठाती, जिससे राज्यों का बजट डिस्टर्ब नहीं होता। इससे पहले उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और झारखंड की राज्य सरकारों ने फ्री वैक्सीनेशन की घोषणा की है। गहलोत सरकार ने फ्री वैक्सीनेशन की घोषणा तो कर दी, लेकिन सीरम इंस्टीट्यूट के पास फिलहाल वैक्सीन नहीं है। चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने बताया कि अधिकारियों ने सीरम इंस्टीट्यूट से वैक्सीन खरीद को लेकर संपर्क किया था, लेकिन वहां से फिलहाल उपलब्धता नहीं होने की बात कही गई। उल्लेखनीय है कि गहलोत कई बार वैक्सीनेशन का खर्च केंद्र सरकार द्वारा उठाए जाने की मांग कर चुके हैं।

इसी बीच, रविवार को प्रदेश में कोरोना संक्रमितों का अब तक का रिकॉर्ड टूटा। 24 घंटे में 15,809 संक्रमित मिलने के साथ ही 74 लोगों की मौत हुई है। प्रदेश में अब तक पांच लाख 14 हजार 437 संक्रमित मिले। वहीं, 3601 की मौत हुई। वर्तमान में एक्टिव केसों की संख्या एक लाख 36 हजार 702 है। अस्पतालों में उपचार के बाद रविवार को 6649 मरीजों को घर भेज दिया गया। चिकित्सा विभाग के अनुसार, रविवार को सबसे ज्यादा संक्रमित 3145 जयपुर जिले में मिले। जोधपुर में 1411, अलवर में 1324, उदयपुर में 1103, अजमेर में 706, कोटा में 701, पाली में 667, सवाईमाधोपुर में 601, सीकर में 595, भीलवाड़ा में 555, बीकानेर में 514 संक्रमित मिले हैं। शेष 13 जिलों में 80 से लेकर 400 तक पीड़ित मिले हैं।

ठीक हुई मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के पैर की चोट, जल्द ही हट जाएगा बैंडेज

कोलकाता । मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के पैर की चोट अब ठीक हो गई है। वह जल्द ही अपने पैर पर लगे बैंडेज को हटवाएंगी। ममता बनर्जी ने खुद रविवार को बहरमपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते कहा कि अब उनका पैर ठीक है, लेकिन चूंकि वह चुनाव प्रचार के कारण लगातार बाहर हैं। वह जब कोलकाता लौटेंगी, तो डॉक्टरों की सलाह के अनुसार बैंडेज हटवा लेंगी। बता दें कि नंदीग्राम में नामांकन दाखिल करने के बाद ममता बनर्जी जनसंपर्क के दाखिल चोटिल हो गईं थीं। उसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। दो-तीन दिन तक भर्ती रहने के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दी गई थीं। लेकिन चुनाव प्रचार रहने के कारण वह लगातार व्हील चेयर पर चुनाव प्रचार कर रही हैं। पैर में चोट लगने के बाद ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था कि जानबूझ कर उनके पैर में चोट पहुंचाई गई, ताकि वह चुनाव प्रचार नहीं कर पाएं। उन्होंने भाजपा और नंदीग्राम में भाजपा के उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी पर उन्हें घायल होने का आरोप लगाया था। चुनाव आयोग ने ममता बनर्जी के घायल होने को लेकर बहुत ही गंभीरता से लिया था और नंदीग्राम जिले के एसपी और डीएम के साथ-साथ सीएम के सुरक्षा निदेशक को उनके पद से हटा दिया था। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने जांच के बाद इस आरोप को खारिज कर दिया था कि ममता बनर्जी पर हमला हुआ था। चुनाव आयोग ने कहा था कि ममता बनर्जी को चुनाव प्रचार के दौरान चोट लग गयी थी।

ओडिशा के सीएम ने किया राज्य के सभी लोगों को मुफ्त वैक्सीनेशन का एलान, कहा- प्रदेश की जनता मेरा परिवार

भुवनेश्वर । ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक यूं ही नहीं देश के नंबर वन मुख्यमंत्री माने जाते हैं बल्कि आम लोगों के हित के लिए उनके द्वारा लिए जाने वाले सही समय पर सही निर्णय उन्हें देश के अन्य मुख्यमंत्रियों से अलग बनाता है। देश में वैक्सीनेशन को लेकर एक तरफ जहां विभिन्न राज्यों में राजनीतिक बहसबाजी हो रही है तो वहीं दूसरी तरफ सदैव वाद-विवाद से खुद को अलग रखने वाले ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने 18 से 44 साल के लोगों को मुफ्त वैक्सीनेशन का एलान करते हुए कहा है कि प्रदेश की साढ़े चार करोड़ जनता मेरा परिवार है तो उनके टीकाकरण की जिम्मेदारी भी मेरी है।

नवीन पटनायक के इस निर्णय का न सिर्फ हर वर्ग के लोगों ने स्वागत किया है, बल्कि मुख्यमंत्री राहत कोष में दान देने के लिए भी लोग आगे आ रहे हैं।

कोरोना की पहली लहर से लेकर दूसरी लहर तक ओडिशा के प्रबंधन की न सिर्फ भारत में, बल्कि विश्व स्वास्थ्य संगठन से भी प्रशंसा मिली है। पूरे देश में जब बेड, वेंटिलेटर एवं मानव संजीवनी कही जा रही ऑक्सीजन को लेकर हाहाकर मचा हुआ है, तो वहीं नवीन पटनायक आगे आए और महाराष्ट्र, दिल्ली आदि राज्यों को ऑक्सीजन मुहैया कराकर पूरे देश में ओडिशा की छवि बेहतर करने का काम किया है।

कोरोना से बचाव के लिए मास्क

पहनना एवं व्यक्तिगत दुराव बहुत जरूरी है। ऐसे में जैसे ही देश में कोरोना की दूसरी लहर सामने आयी, मुख्यमंत्री भी सामने आए और उन्होंने प्रदेश में मास्क पहनने के लिए 15 दिवसीय स्पेशल ड्राइव चलायी। इस मुहिम में भी मुख्यमंत्री की दूरदृष्टि दिखी। घर से बिना मास्क के कोई बाहर ना निकले इसकी जिम्मेदारी उन्होंने माताओं एवं बहनों को दी। आज नतीजा यह है कि अधिकांश लोग बिना मास्क के बाहर नहीं निकलते हैं और यदि कोई निकलता है तो फिर उनसे प्रशासन सख्ती से निपट रहा है। यही कारण है कि फिलहाल देश के अन्य राज्यों की तुलना में ओडिशा की स्थिति काफी बेहतर है।

मुख्यमंत्री के एलान के बाद दान देने आगे आए लोग -प्रदेश की बड़ी आबादी 18 से 45 आयु वर्ग की है। ऐसे में वैक्सीन की कीमत को लेकर लोगों में नाना प्रकार की आशंका थी मगर इस बार भी मुख्यमंत्री सामने आए और बिना किसी पर दोषारोपण किए पूरे प्रदेश को अपना परिवार बताते हुए सभी को मुफ्त में वैक्सीनेशन करने का एलान कर दिया। मुख्यमंत्री के इस कदम को प्रदेश के लोगों ने न सिर्फ सराहा है, बल्कि मुख्यमंत्री राहत कोष में दान देने वाले लोग भी आगे आने लगे हैं।

ओटीडीसी ने मुख्यमंत्री के इस कदम को ऐतिहासिक बताते हुए मुख्यमंत्री राहतकोष में 1 लाख रुपये का दान दिया है। पंचायतीराज एवं एवं पेयजल तथा गृह व नगर विकास तथा कानून मंत्री प्रताप जेना ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री के इस निर्णय से महामारी के समय में दो करोड़ लोगों को लाभ मिलेगा। बीजद के महासचिव तथा मीडिया सलाहकार मानस मंगराज ने ट्वीट कर मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया है। उन्होंने लिखा है कि इस संकट की घड़ी में ओडिशा के लोगों के साथ मुख्यमंत्री खड़े हैं।

नवीन पटनायक के इस कदम की हो रही है प्रशंसा- राज्यसभा सांसद अमर पटनायक ने भी मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया है और साथ ही 250 लोगों के टीकाकरण का दायित्व लेने की घोषणा की है। इसके अलावा प्रदेश भर से ऐसे कई लोग हैं, जिन्होंने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के इस कदम की प्रशंसा करने के साथ ही टीकाकरण कार्यक्रम में सहयोग के लिए आगे आने की बात कही है।

बालकनी में क्वारंटाइन करने पर बढ़ा विवाद, पति ने कर दी पत्नी की हत्या

मुंबई । मुंबई के पनवेल इलाके में एक 40 वर्षीय मछुआरे ने शनिवार को अपनी पत्नी की हत्या कर दी। दरअसल मछुआरे के कोरोना संक्रमित पाये जाने के बाद उसकी पत्नी ने उसे डॉक्टर के पास ले जाने के बजाय 5 दिनों के लिए अपने फ्लैट की बालकनी में बंद कर दिया था।

इस व्यक्ति का नाम संतोष पाटिल है जो इस फ्लैट में अपनी पत्नी और 11 साल के बेटे के साथ रह रहा था।पनवेल पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है और उसे इलाज के लिए संगरोध केंद्र भेज दिया है। पनवेल के एक बिल्डर राम पाटिल द्वारा दायर शिकायत के अनुसार, उन्हें शनिवार की सुबह उस इमारत से एक फोन आया जिसमें उनका एक फ्लैट था। फोन करने वाले व्यक्ति ने बताया कि जिस फ्लैट को उन्होंने किराए पर दिया था, वहां से रोने-चीखने की आवाजें सुनाई दे रही थीं। राम पाटिल करंजडे के साईं सत्यम बिल्डिंग में पहुंचे। पहुंचने पर, उन्होंने अपने किरायेदार संतोष पाटिल के बेटे 11 वर्षीय मयूर को दरवाजे पर खड़े होकर रोते हुए पाया, लेकिन फ्लैट से कोई शोर नहीं आ रहा था। जब मयूर से पूछा कि वह क्यों रो रहा है, तो उसने बताया कि उसके पिता संतोष और मां संध्या (35) में लड़ाई हुई थी। इसी बीच पड़ोसी गोविंद गुप्ता ने राम पाटिल को बताया कि इस फ्लैट से चिल्लाने की काफी तेज आवाजें आ रहीं थी जिसके बाद मैंने पुलिस को फोन किया था। जब पुलिस वहां तो उसने दरवाजा खटखटाते हुए संतोष को दरवाजा खोलने के लिए कहा दरवाजा खोलते ही पुलिस को देख संतोष चौंक गया। उसके हाथ और पैर खून से सने थे। हॉल के फर्श पर भी खून फैला हुआ था।

जब संतोष से पूछताछ की गई तो पता चला कि वह पिछले पांच दिनों से अस्वस्थ था, कोरोना पॉजिटिव होने के कारण उसकी पत्नी ने उसे बालकनी में बंद किया हुआ था। लेकिन जब संतोष ने हॉल में कदम रखा तो उसकी पत्नी और उसके बीच विवाद हो गया।

बोलपुर विधानसभा सीट पर विश्व भारती प्रकरण का दिख सकता है असर

कोलकाता । बीरभूम जिले की बोलपुर विधानसभा सीट बंगाल की अहम विधानसभा सीटों में एक है, जहां 29 अप्रैल को मतदान होना है। कभी माकपा की गढ़ रही इस सीट पर फिलहाल तृणमूल कांग्रेस का कब्जा है। वर्ष 2011 की परिवर्तन की लहर में तृणमूल ने माकपा से यह सीट छीन ली थी। लेकिन इस बार के विधानसभा चुनाव में हाल में यहां हुए विश्व भारती विश्वविद्यालय प्रकरण का असर दिख सकता है। इस मामले को लेकर केंद्र और राज्य आमने सामने हो गए थे। तृणमूल कांग्रेस के रवैए को लेकर विश्व भारती प्रबंधन के साथ स्थानीय लोगों में भी नाराजगी है। सियासी गलियारों में माना जा रहा है कि इस बार तृणमूल कांग्रेस के लिए राह आसान नहीं होगी। भाजपा से उसे कड़ी चुनौती मिल सकती है। वर्ष 1977 से 2006 तक इस सीट पर रिवॉल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) ने सात बार जीत दर्ज की थी। उसके बाद राज्य के मंत्री व तृणमूल विधायक चंद्रनाथ सिन्हा लगातार दो बार जीतकर विधायक बन चुके हैं। तीसरी बार वह मैदान में हैं। यहां भाजपा के प्रत्याशी डॉ अनिर्बान गांगुली हैं। इसके अलावा आरएसपी की ओर से तपन होड़ मैदान में हैं।

विश्व भारती प्रकरण का दिखेगा असर -इस सीट के अधीन शांतिनिकेतन स्थित विश्व भारती विश्वविद्यालय आता है, जो हाल के वर्षों में राज्य व केंद्र सरकार के बीच तनातनी का केंद्र बन गया था।विश्व भारती परिसर को चहारदीवारी से घेरने को लेकर इस केंद्रीय विश्वविद्यालय और राज्य सरकार में काफी तकरार हुई। यहां तक कि केंद्र को हस्तक्षेप करना पड़ा।

चुनाव पर इसका असर दिख सकता है।विश्व भारती के कुलपति ने भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में आवाज बुलंद की थी। इसे लेकर जिला तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष अनुब्रत मंडल ने कथित तौर पर धमकाया था कि कुलपति को दो मई के बाद खेल दिखाया जाएगा।

नेहा कक्कड़

की शादी को 6 महीने पूरे, सिंगर ने

रोहनप्रीत सिंह

को बताया बेस्ट हस्बैंड

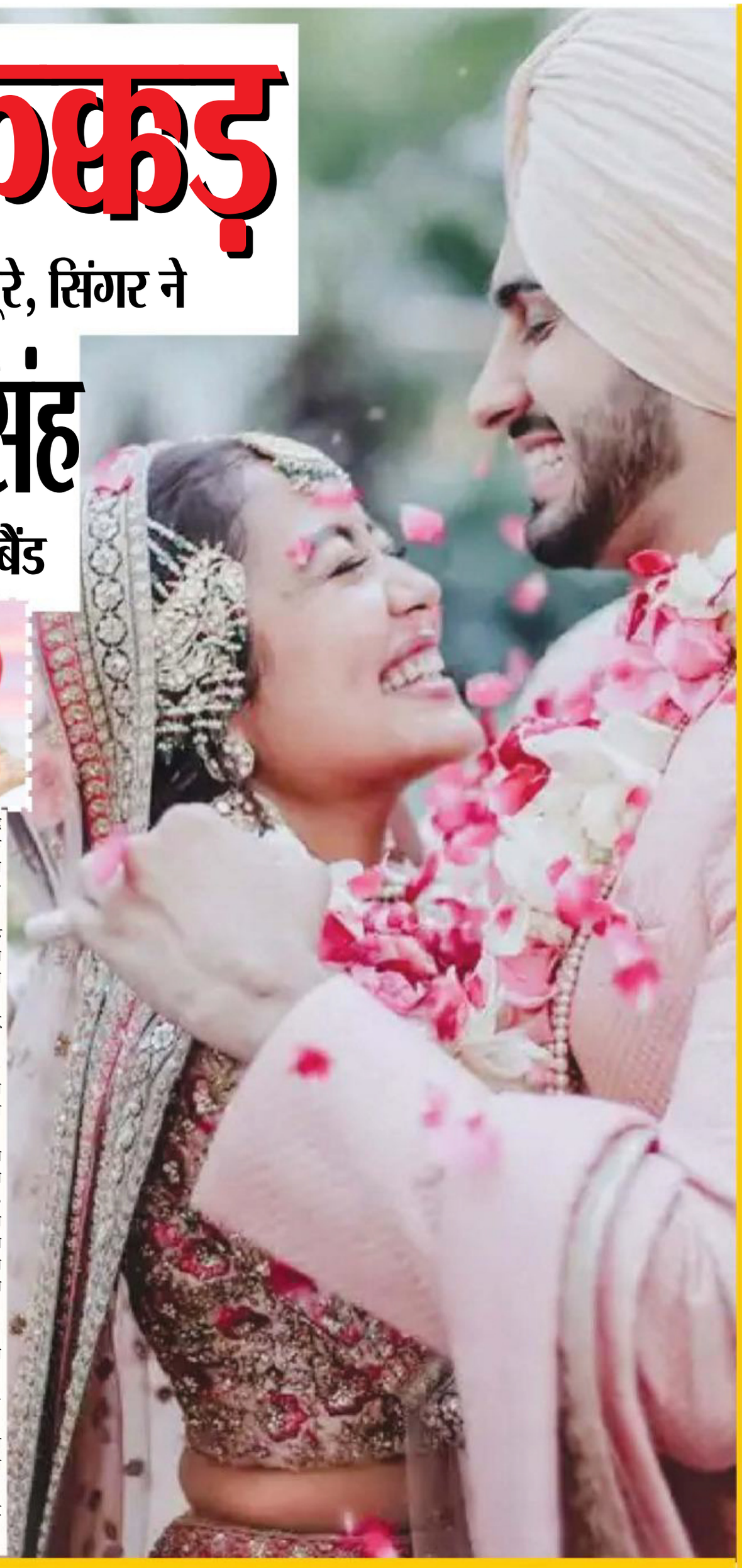

बॉलीवुड सिंगर नेहा कक्कड़ (Neha kakkar) के लिए आज का दिन बेहद खास है. सिंगर ने शादी के प्यार भरे 6 महीने पूरे कर लिए हैं. शादी के बाद से ही नेहा लगातार अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में रही हैं. नेहा ने हमेशा की तरह आज भी अपने हस्बैंड रोहनप्रीत सिंह (Rohanpreet Singh) के साथ प्यारी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं.

नेहा कक्कड़ ने अपनी शादी के 6 महीने पूरे होने की खुशी में रोहनप्रीत सिंह के साथ तस्वीरें शेयर की हैं. तस्वीरों में नेहा, रोहनप्रीत सिंह के साथ मस्ती करती नजर आ रही हैं.शेयर की गई फोटोज में नेहा कक्कड़ ने ब्लैक कलर की ड्रेस के साथ एक ब्लू कलर का कैप कैरी किया हुआ है, जबकि रोहनप्रीत ब्लैक प्रिंटेड हुडी के साथ ब्लैक कलर की कैप लगाए नजर आ रहे हैं.

नेहा ने अपनी इन फोटोज को इंस्टाग्राम पर शेयर कर कैप्शन लिखा है- 'हर दिन वो मेरा दिल जीतता है. वो मुझे पहले से भी ज्यादा प्यार करने लगा है. नेहा ने आगे लिखा 'वह रोज कहते हैं कि मैं जितना प्यार करती हूं,

उससे ज्यादा वे मुझे करते हैं, लेकिन मैं कहती हूं कि मैं उससे थोड़ा ज्यादा प्यार करती हूं.इसके साथ ही नेहा कक्कड़ ने आगे लिखा कि 'रोहनप्रीत आप वाकई सबसे अच्छे पति हैं!! मैं सच में भाग्यशाली हूं!! हैप्पी 6 मंथ माय लाइफ!!!' इस पर रोहन ने रिप्लाई दिया- 'आई लव यू माय वाइफी'. इसके साथ ही नेहा कक्कड़ ने आगे लिखा कि 'रोहनप्रीत आप वाकई सबसे अच्छे पति हैं!! मैं सच में भाग्यशाली हूं!! हैप्पी 6 मंथ माय लाइफ!!!' इस पर रोहन ने रिप्लाई दिया- 'आई लव यू माय वाइफी'.

नेहा की इन फोटोज पर फैंस के साथ साथ सेलेब्स भी विश कर रहे हैं. शादी के 6 महीने पूरे होने पर बॉलीवुड की लीजेंड एक्ट्रेस नीतू सिंह ने भी हार्ट की इमोजी लगाकर इस जोड़ी पर प्यार जताया है.बता दें कि, बॉलीवुड सिंगर नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह ने पिछले साल 24 अक्टूबर को शादी की थी.

नेहा अक्सर सोशल मीडिया पर अपने हस्बैंड रोहनप्रीत संग अपनी फोटोज शेयर करती रहती हैं. नेहा इन दिनो सिंगगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 12' में जज की भूमिका निभा रही हैं.

हाल ही में अपने प्यारे से घर की फोटो शेयर की थी. जिसमें नेहा और रोहनप्रीत दोनों संगीत में डूबे हुए थे.

जब सैफ अली खान ने बेटी सारा अली खान का उड़ाया था मजाक, वायरल हुआ पुराना VIDEO

करण जौहर के लोकप्रिय चैट शो, कॉफी विद करण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. वीडियो में सैफ अली खान (Saif Ali Khan) अपनी बेटी सारा अली खान (Sara Ali Khan) का मजाक उड़ाते नजर आ रहे हैं. दरअसल, सारा अली खान की डेब्यू फिल्म केदारनाथ रिलीज होने से पहले ये दोनों कोफी विद करण के छठे सीजन के एक एपिसोड में साथ में आए थे. इस एपिसोड का नाम अनसीन कोफी कन्फेशन था.

शो के होस्ट करण जौहर (Karan Johar) ने सैफ अली खान और सारा अली खान से करियर आने वाले प्रेशर बारे में पूछा. सारा ने कहा, एक लाइन के नीचे, आपको प्रेशर के सामने खड़े रहने के लिए अपनी आंतरिक ताकत को मजबूत करना और अपने आप को सहज दिखाना होगा. अगर आप सहज और विश्वास से भरे नहीं हैं, तो वहां 500 लोग हैं, जो आपको खींचकर नीचे कर देंगे.उन्होंने आगे कहा कि हर कोई किसी ना किसी वजह से ट्रोल होता है और ये सच में बिल्कुल भी मायने नहीं रखता है.

सैफ अली खान (Saif Ali Khan) अभी तक चुप बैठे थे. तभी अचानक से ब्रिगिट बार्डोट(एक्ट्रेस और एक्टिविस्ट) बोले, एक्ट्रेस को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वह अपनी उम्र से ज्यादा बोल रही है. सारा ने उन्हें इस बातचीत के बीच में एक्ट्रेस का नाम लेने पर कहा कि वह(सैफ) जोन से बाहर होकर किस बारे में बोल रहे हैं.

अपनी बेटी को ट्रोल करते हुए सैफ ने कहा, तुम तीन मिटने रहने के बाद ये कह रही हो कि इस इंडस्ट्री में लोग आपको नीचे खींच रहे हैं. इसके बाद सैफ दोबार हंसे और मजाक उड़ाते हुए बोले,ट्रायल्स और ट्रिब्यूनल्स.

जब पैपराजी 'छोटू पांडे' को गोद में उठाकर भागने लगे वरुण धवन, ये है एक्टर का Cutest Video

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन (Varun Dhawan) आज 34 साल के हो गए हैं. वरुण आज अपना बर्थडे सेलिबेट (Happy Birthday Varun Dhawan) कर रहे हैं. कोरोना वायरस के चलते सभी की तरह वरुण धवन ने भी बेहद सादगी से अपना बर्थडे सेलिब्रेट किया. इस मौके पर उनके तमाम फैंस उन्हें बधाइयां दे रहे हैं. यही नहीं कई बॉलीवुड सितारों ने भी वरुण धवन पर प्यार लुटाया है. जिनमें माधुरी दीक्षित (Madhuri Di&it) से लेकर अर्जुन कपूर (Arjun Kapoor) तक का नाम शामिल है. इस बीच वरुण धवन का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है.

इस वीडियो में वरुण धवन अपनी कुछ फीमेल फैंस के साथ फोटो क्लिक कराते नजर आ रहे हैं. इसके बाद वरुण धवन जाने लगते हैं, लेकिन एक फोटोग्राफर मोबाइल के जरिए लगातार उनका वीडियो बनाने में व्यस्त था. तभी वरुण धवने ने अचानक फोटोग्राफर को गोद में उठा लिया और उसे लेकर भागने लगे. यह देखते ही सभी हंसने लगे. वरुण धवन का यह वीडियो सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने शेयर किया है.

वरुण धवन का यह वीडियो पुराना है, लेकिन कई यूजर्स ने इस वीडियो को नया समझकर एक्टर को ट्रोल करना शुरू कर दिया. कई लोग वरुण धवन से सवाल कर रहे हैं कि आखिर कोरोना के इस संकट भरे समय में भी उन्होंने मास्क क्यों नहीं पहना. वरुण ने ही क्या, उनके साथ और आस-पास मौजूद किसी शख्स ने मास्क नहीं पहन रखा है.

जिसके बाद कुछ यूजर्स ने कमेंट करते हुए यह बताया कि ये एक्टर का पुराना वीडियो है. वहीं कुछ लोग इस वीडियो पर कमेंट करते हुए वरुण धवन को बर्थडे विश कर रहे हैं और उन पर खूब प्यार भी लुटा रहे हैं. फोटोग्राफर के साथ वरुण धवन के ये मस्ती का पल सभी को खूब पसंद आ रहा है.

शहनाज गिल

ने अंग्रेजी बीट पर जमकर मटकाई कमरिया, फैंस बोले- 'नई सेलेना गोमेज'

बिग बॉस 13 (Bigg Boss 13) में अपने जलवे बिखेरने के बाद शहनाज गिल (Shehnaaz Gill) अब सोशल मीडिया (Social Media) पर कहर बरपाती नजर आ रही हैं. पंजाब की कैटरीना कैफ यानी शहनाज गिल इन दिनों सेलेना गोमेज को कड़ी टक्कर दे रही हैं. लॉकडाउन के बाद अचानक ही एक्ट्रेस ने अपने स्लिम लुक से लोगों को हैरान किया. उन्होंने इस बीत एक-दो नहीं बल्कि पूरे 12 किलो वजन घटाया.

शहनाज गिल (Shehnaaz Gill) अक्सर फैंस के साथ अपनी तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं. कुछ समय पहले ही शहनाज गिल ने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो में शहनाज गिल बॉस बेबी गाने पर डांस करती नजर आ रही हैं. शहनाज गिल के इस अंदाज को देखकर फैंस उनकी तुलना हॉलीवुड स्टार सेलेना गोम्स से कर रहे हैं. शहनाज गिल का ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है.

शहनाज गिल (Shehnaaz Gill) का ये डांस वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों को पसंद आ रहा है. उनक पतली कमरिया से लोग अपना ध्यान हटा नहीं पा रहे हैं. फैंस आग और दिल वाली इमोजी शेयर कर अपना प्यार जता रहे हैं. वहीं कुछ फैंस ऐसे भी है, जो पूछ रहे हैं कि आखिर उन्होंने इतनी जल्दी वजन कम कैसे कर लिया.

आपको बता दें कि शहनाज गिल कई म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकी हैं जिसमें भुला दूंगा, कह गई सॉरी, कुर्ता पायजामा, वादा हैशोना शोना और फ्लाई जैसे कई म्यूजिक वीडियो शामिल हैं. जल्द शहनाज एक बार फिर से सिद्धार्थ शुक्ला म्यूजिक वीडियो हैबिट में नजर आने वाली हैं.

चेन्नई से हार के बाद विराट कोहली को लगा जोरदार झटका, हुआ लाखों का नुकसान

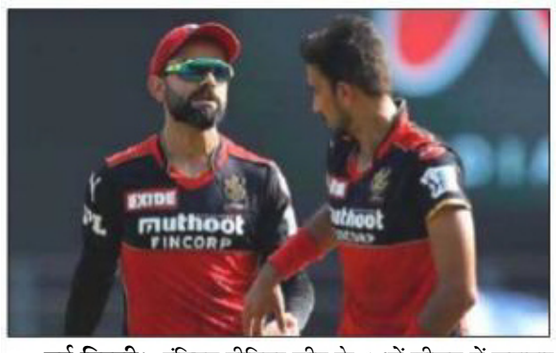

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन में लगातार चार जीत दर्ज करने वाली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम को पहली हार का मुंह देखना पड़ा। रविवार को खेले गए दिन के पहले मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने 69 रन की बड़ी जीत हासिल की। मैच में हार के बाद आरसीबी के कप्तान विराट कोहली को एक बड़ा झटका लगा। स्लो ओवर रेट की वजह से उनपर लाखों का जुर्माना लगाया गया। आइपीएल के 19वें मुकाबले में चेन्नई की टीम के खिलाफ आरसीबी की गेंदबाजी निर्धारित समय के अंदर खत्म नहीं हुई। पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 20 ओवर में रवींद्र जडेजा के तूफानी अर्धशतक के दम पर 191 रन का स्कोर खड़ा किया था। मैच के आखिरी ओवर में उन्होंने हर्षल पटेल के ओवर में 5 छक्के लगाते हुए कुल 37 रन बना डाले।कोहली की कप्तानी में टीम अपने 20 ओवर का कोटा तय समय पर नहीं खत्म कर पाई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने उनपर इसके लिए मैच फीस की रकम में कटौती की। जुर्माना के एवज में कोहली को मैच में मिलने वाली फीस से 12 लाख रुपए काटे जाने का फैसला लिया गया। इससे पहले 14 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मैच में भी कोहली को कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया था। इसके लिए 15 फीसदी मैच फीस की कटौती की गई थी।

बैंगलोर को मिली सीजन में पहली हार

लगातार चार मैच में जीत हासिल कर अजेय रहते हुए चेन्नई के खिलाफ उतरी बैंगलोर को टूर्नामेंट में पहली हार मिली। रवींद्र जडेजा ने पहले बल्लेबाजी में 28 गेंद पर 4 चौके और 5 छक्के की मदद से 62 रन की पारी खेली। इसके बाद गेंदबाजी में चार ओवर में 13 रन देकर 3 विकेट चटकाए। कोहली की सेना 9 विकेट के नुकसान पर 122 रन ही बना पाई।

अंतिम एकादश में जल्द से जल्द ठीक करे कोलकाता, लॉकी फर्ग्युसन को दे मौक- अजित अगरकर

मुंबई। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज अजित अगरकर ने आइपीएल में लगातार हार से बचने के लिए केकेआर के थिंक-टैंक को अपनी अंतिम एकादश को जल्द से जल्द ठीक करने की बात कही है। अगरकर ने कहा कि बल्लेबाजी लाइन-अप प्रतिभाओं से भरा है, क्षमता से भरा है, वे सिर्फ अच्छा नहीं खेल रहे हैं। आप चेन्नई में कुछ पिचों का बहाना बना सकते हैं और कह सकते हैं कि ओह, वो कठिन विकेट थी और शायद इसीलिए उन्हें अपनी लय नहीं मिली। लेकिन यहां (मुंबई में) आपका कोई बहाना नहीं चलेगा। यह शायद 200 रन वाली विकेट नहीं थी, लेकिन उनके पास ऐसे प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं, उसे देखते हुए उन्हें कम से कम 160 रन तो बनाना ही चाहिए। अगरकर ने आगे कहा कि उनके हिसाब से केकेआर के प्लेइंग इलेवन में लॉकी फर्ग्युसन को मौका देना चाहिए। उन्होंने कहा कि लॉकी फर्ग्युसन जब यूएई में पिछले सत्र में टीम में आए थे तो आप देख सकते थे कि उन्होंने गेंदबाजी आक्रमण को कुछ अलग दिशा दी थी। उनके पास काफी गति और विकेट लेने की क्षमता थी। फर्ग्युसन के पास विकेट लेने की क्षमता है।

बता दें कि आइपीएल के वर्तमान सत्र में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के साथ कुछ अच्छा नहीं हो रहा। उसकी गेंदबाजी, बल्लेबाजी, क्षेत्ररक्षण और यहां तक कप्तान इयोन मोर्गन के सारे दांव भी बेकार साबित हो रहे हैं। केकेआर अब तक पांच में से चार मैच हार चुकी है। शनिवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उसे छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर सिर्फ 133 रन बनाए। राजस्थान ने 18.5 ओवर में चार विकेट खोकर यह लक्ष्य हासिल कर लिया।

कप्तान करुणारत्ने ने जमाया दोहरा शतक, बांग्लादेश के खिलाफ चौथे दिन श्रीलंका 512/3

पालेकल। श्रीलंका में बांग्लादेश के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट में मेजबान ने चौथे दिन बढ़त हासिल करने में कामयाबी पाई। कप्तान दिमुथ करुणारत्ने के शानदार दोहरे शतक की मदद से श्रीलंका ने बांग्लादेश के खिलाफ अपना स्कोर 500 के पार पहुंचा दिया। हालांकि दोनों टीमों के बीच यह पहला टेस्ट मैच ड्रॉ की ओर बढ़ रहा है क्योंकि मेजबान टीम ने चौथे दिन स्टंप तक तीन विकेट गंवाकर 512 रन बना लिए। बांग्लादेश ने पहली पारी में 541 रन बनाए थे जिससे श्रीलंकाई टीम अभी 29 रन से पीछे है। करुणारत्ने ने अपना पहला दोहरा शतक जड़ा और उन्हें धनंजय डि सिल्वा का पूरा साथ मिला। करुणारत्ने दिन का खेल समाप्त होने तक 234 रन और डिसिल्वा 154 रन बनाकर क्रीज पर डटे थे। रविवार को अंतिम दिन का खेल जल्दी शुरू होगा क्योंकि चौथे दिन 22 ओवर नहीं फेंके गए। बांग्लादेशी गेंदबाज एक भी विकेट नहीं झटक सके जिससे करुणारत्ने और डि सिल्वा ने चौथे विकेट के लिए नाबाद 322 रन की साझेदारी की। करुणारत्ने ने अपनी पारी के दौरान 25 चौके और डि सिल्वा ने 20 चौके जड़े। श्रीलंकाई टीम दिन का खेल शुरू होने तक बांग्लादेश से 312 रन से पिछड़ रही थी और स्टंप तक टीम महज 29 से पीछे है।

आईपीएल 2021 से हटने लगे स्टार खिलाड़ी

अश्विन और टाई के बाद जम्पा और रिचर्डसन ने भी टूर्नामेंट से नाम वापस लिया; कोरोना के बिगड़ते हालात का हवाला दिया

नई दिल्ली। पूरा देश कोरोना की दूसरी लहर से जूझ रहा है। रोज 3 लाख से ज्यादा नए संक्रमित सामने आ रहे हैं। बड़ी संख्या में लोगों की जान जा रही है। ऐसे माहौल में भी देश में इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन हो रहा है।

हालांकि, अब कुछ बड़े खिलाड़ी महामारी को ध्यान में रखते हुए टूर्नामेंट से नाम वापस ले रहे हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और राजस्थान रॉयल्स के फास्ट बॉलर एंड्रयू टाई ने टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। इसके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के एडम जम्पा और केन रिचर्डसन ने भी टूर्नामेंट से नाम वापस लेने का फैसला कर लिया।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इसकी पुष्टि भी कर दी है। CA ने कहा कि भारत में कोरोना की वजह से बिगड़ते हालात की वजह से खिलाड़ियों ने यह फैसला किया है। इससे पहले राजस्थान के ही लियाम लिविंगस्टोन भी बायो बबल की थकान की वजह से वापस इंग्लैंड लौट चुके हैं।

सोशल मीडिया पर दी जानकारी

दिल्ली की हैदराबाद के खिलाफ सुपर ओवर में जीत के बाद अश्विन ने सोशल मीडिया पर मैसेज के जरिए लीग से हटने की जानकारी दी। अश्विन ने लिखा कि मेरे परिवार के सदस्य और अन्य परिजन इन दिनों कोरोना का मुकाबला कर रहे हैं। इस कठिन परिस्थितियों में मैं उनके साथ रहना चाहता हूं। अगर स्थिति में सुधार हुआ, तो मैं दोबारा खेल में लौटूंगा। धन्यवाद।

इस वक्त खिलाड़ी देश में सबसे सुरक्षित लोग : पोंटिंग

दिल्ली कैपिटल्स टीम के कोच रिकी पोंटिंग ने भी कहा कि खिलाड़ियों के बीच ग्राउंड के अंदर के प्रदर्शन से ज्यादा बाहर जो हो रहा है, उसकी चर्चा हो रही है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इस वक्त शायद खिलाड़ी देश में सबसे सुरक्षित लोग हैं।

कई फ्रेंचाइजी ने भी जताई है आपत्ति: सूत्रों ने बताया है कि करीब चार फ्रेंचाइजी ने भी कहा कि ऐसे माहौल में उनके खिलाड़ी ट्रैवेल नहीं करना चाहते हैं। हालांकि उन्होंने लीग रद्द करने की कोई लिखित मांग नहीं की है।

कोहली को जडेजा से काफी उम्मीद

विराट बोले- जडेजा की परफॉर्मेंस देख अच्छा लगा; यह टी-20 वर्ल्ड कप के लिहाज से टीम इंडिया के लिए अच्छा संकेत

नई दिल्ली। आईपीएल 2021 सीजन के 19वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 69 रन से हरा दिया। चेन्नई के जीत के हीरो रविंद्र जडेजा रहे। उन्होंने ने 28 बॉल पर 62 रन की नाबाद पारी खेलने के साथ ही 4 ओवर में 13 रन देकर 3 विकेट झटके। इसके साथ ही 1 रन आउट भी किया।

बेंगलुरु के कप्तान ने विपक्षी टीम के खिलाड़ी जडेजा की तारीफ की और कहा कि उनके ऑलराउंड प्रदर्शन की वजह से टीम को हार का सामना करना पड़ा। लेकिन जडेजा के इस प्रदर्शन से वह खुश हैं। क्योंकि सीएसके साथ ही भारतीय टीम के लिए अच्छे संकेत है।

कोहली ने कहा, जेडजा प्रतिभावान खिलाड़ी हैं। मैं उन्हें आज फिल्डिंग, बैटिंग और बॉलिंग से बेहतर प्रदर्शन करते हुए देखकर खुश हूं। क्योंकि दो महीनों के बाद भारतीय टीम में उनकी वापसी होगी। और अपने प्रमुख ऑलराउंडर को रन बनाते देख

हमेशा ही अच्छा लगता है।

कोहली ने सीजन के पहली हार पर कहा कि टीम ने सीजन में अच्छी शुरुआत की है। हमें हार को सकारात्मक रूप से लेना चाहिए। क्योंकि हमें टूर्नामेंट के शुरुआत में ही अपनी कमियों के बारे में पता चल गया। मैं देवदत्त पडिक्कल के साथ पारी की अच्छी शुरुआत कर रहा हूं। हमें कुछ चीजों में बदलाव करने की जरूरत है।

कोहली ने पटेल का बचाव किया

कोहली ने हर्षल पटेल का भी बचाव किया। जडेजा ने पटेल की लास्ट ओवर में 5 छक्के लगाए थे। कोहली ने पटेल की तारीफ करते हुए कहा कि पटेल अच्छी गेंदबाजी की और उन्होंने दो विकेट लेकर सीएसके पर दबाव बना दिए। लेकिन उनके आखिरी ओवर में जडेजा ने बेहतर बल्लेबाजी कर मैच को हमसे छीन लिया।

जडेजा ने खेल की आखिरी ओवर में बनाए 37 रन

रविंद्र जडेजा ने पटेल की आखिरी ओवर में 5 छक्के और 1 चौका समेत 37 रन जड़े। हर्षल ने इसके साथ ही IPL के सबसे महंगे ओवर के रिकॉर्ड की भी बराबरी की। जडेजा 28 बॉल पर 62 रन बनाकर नॉटआउट रहे। उन्होंने 25 बॉल पर फिफ्टी पूरी की। जडेजा की यह लीग में दूसरी फिफ्टी रही। इसके बाद एबी डिविलियर्स, ग्लेन मैक्सवेल और वॉशिंगटन सुंदर को भी आउट किया। इसके अलावा उन्होंने डायरेक्ट हिट पर क्रिश्चियन को भी पवेलियन भेजा।

हार के बाद हैदराबाद से सहवाग ने पूछा, क्या टॉयलेट गया था ये बल्लेबाज जो नहीं भेजा सुपर ओवर में

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन में सुपर संडे के डबल हेडर का हर किसी को इंतजार रहता है। दिन के दूसरे मुकाबले में दिल्ली और हैदराबाद के बीच हुए मुकाबले ने फैंस का दिन बना दिया। इस सीजन में पहली बार सुपर ओवर देखने को मिला और वो भी रोमांच से भरपूर। दिल्ली ने आखिर में जीत हासिल की और हैदराबाद की टीम के हाथ निराशा लगी।

मैच में दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पृथ्वी शॉ के अर्धशतक के दम पर 4 विकेट पर 159 रन का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में केन विलियमसन की नाबाद 66 रन की बदौलत हैदराबाद ने 7 विकेट पर 159 रन बनाकर मैच टाई कराया। सुपर ओवर में हैदरबाद की टीम ने 8 रन का स्कोर खड़ा किया जिसे दिल्ली ने आखिरी गेंद पर हासिल कर जीत दर्ज की।

इस मैच में पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने हैदराबाद की टीम के सुपर ओवर में जॉनी बेयरस्टो से बल्लेबाजी ना कराने पर हैरानी जताई। उनका मानना था कि यह मैच टीम की हार का एक कारण यह गलत फैसला भी रहा। सहवाग ने मैच खत्म होने के तुरंत बात मजाकिया ट्वीट करते हुए पूछा कि क्या बेयरस्टो टॉयलेट में थे।

शायद बेयरस्टो टॉयलेट गए होंगे, मुझे समझ नहीं आ रहा कि आखिर सुपर ओवर में वह बल्लेबाजी के लिए पहली पसंद क्यों नहीं थे।

उन्होंने मैच में 18 गेंद पर 38 रन की आतिशी पारी खेली थी और मुझे तो लगता है कि वह सबसे शानदार हिट लगाने वाले बल्लेबाज हैं।

वैसे तो हैदराबाद की टीम अच्छा लड़ी लेकिन इस हार के लिए उनको अपने किए गए फैसले के लिए खुद को ही दोष देना चाहिए।

बाबर आजम ने तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड, पाकिस्तान ने जीती टी20 सीरीज

हरारे। मेजबान जिंबाब्वे और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली गई। इस सीरीज के आखिरी मैच को जीतकर पाकिस्तान की टीम ने ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। सीरीज के आखिरी मैच में शानदार बल्लेबाजी करने वाले पाकिस्तान टीम के कप्तान बाबर आजम ने भारतीय कप्तान विराट कोहली का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

मुहम्मद रिजवान के नाबाद 91 रन के बाद हसन अली के चार विकेटों की बदौलत पाकिस्तान ने यहां खेले गए तीसरे और अंतिम टी-20 मैच में मेजबान जिंबाब्वे को 24 रनों से हराकर 2-1 से सीरीज जीत ली। इसके साथ ही पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज 2000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने भारतीय कप्तान विराट कोहली के रिकॉर्ड को तोड़ा। आजम ने 52 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की, जबकि कोहली ने इसके लिए 56 पारी खेली थीं।

पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 165 रनों का स्कोर बनाया और फिर

उसने जिंबाब्वे को सात विकेट पर 141 रनों पर रोक दिया। जिंबाब्वे के लिए वेस्ले मधेवरे ने सर्वाधिक 59 रनों की पारी खेली। मेजबान टीम अंतिम छह ओवरों में केवल 38 रन ही बना सकी। इसी के कारण टीम को मैच और सीरीज दोनों से हाथ धोना पड़ा। पाकिस्तान के लिए हसन अली ने चार विकेट झटके।

इससे पहले, पाकिस्तान ने तीन विकेट पर 165 रनों का स्कोर बनाया। टीम के लिए रिजवान ने नाबाद 91 रन बनाए। उन्होंने 60 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाए। उनके अलावा बाबर आजम ने 52 रनों की पारी खेली। उन्होंने 46 गेंदों पर पांच चौके जड़े। जिंबाब्वे की ओर से ल्यूक जोंगे ने 37 रन देकर तीन विकेट लिए। पाकिस्तान की टीम को सीरीज के दूसरे मैच में करारी हार झेलनी पड़ी थी, जब टीम 100 रन भी नहीं बना सकी थी। ऐसे में टीम की चौतरफा निंदा हुई थी।

चयनकर्ताओं ने इस भारतीय खिलाड़ी को नहीं दिया मौका, डेविड वार्नर ने दिया ये बयान

चेन्नइ। इंडियन प्रीमियर लीग यानी आइपीएल के 14वें सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद को दिल्ली कैपिटल्स के हाथों सुपर ओवर में हार झेलनी पड़ी। हैदराबाद की टीम ने लगभग जीता हुआ मैच गंवाया

दिल्ली के खिलाफ मिली हार के बाद कप्तान डेविड वार्नर ने स्वीकार किया है कि भारतीय बल्लेबाज मनीष पांड को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ ड्रॉप करना चयनकर्ताओं का एक कठोर फैसला था।

मनीष पांडे को इसलिए प्लेइंग इलेवन से ड्रॉप कर दिया गया था, क्योंकि वे एक दो मैचों में रन नहीं बना पाए थे कप्तान वार्नर ने विराट सिंह जैसे युवा भारतीय खिलाड़ियों को मौका देना जरूरी समझा था, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ विराट सिंह 14 गेंदों में 4 रन बना सके थे। सलेक्शन को लेकर वार्नर ने बताया, यह चयनकर्ताओं पर निर्भर करता है, यह मेरी राय (मनीष पांडे को छोड़ने पर) के अनुसार एक कठोर निर्णय था।

वार्नर ने ब्रॉडकास्टर से बात करते हुए आगे कहा, आखिर में बात यह है कि यह एक निर्णय है जो उन्होंने लिया है और आप

इसके लिए विराट को बदनाम नहीं कर सकते। वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है और यह पिच कठिन थी। केन विलियमसन ने 66 रनों की नाबाद पारी खेली, लेकिन दूसरे छोर से उनको कोई अच्छा साझेदार नहीं मिला। हालांकि, जगदीश सुचित ने 14 रन की पारी खेली और मैच को सुपर ओवर में पहुंचा दिया, जिसमें हैदराबाद को हार मिली। कप्तान वार्नर ने मैच को लेकर कहा, यह एक कठिन मैच रहा है। पावरप्ले शानदार होने के बाद हमारे गेंदबाजों की वापसी हुई। हम इस पिच के बारे में जानते थे कि अगर आप अच्छी शुरुआत के साथ चलते भी हैं तो भी इस पिच पर आगे खेलना कठिन होगा, लेकिन हमारे गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। मेरे मानना है कि विजय शंकर ने अच्छी गेंदबाजी की। बल्लेबाजी में जॉनी बेयरेस्टो और केन विलियमसन ने अच्छी बल्लेबाजी की।

सुपर ओवर में दिल्ली ने एसआरएच को हराया: दिल्ली की 5 मैच में चौथी जीत, टीम नंबर-2 पर पहुंची; सुपर ओवर में वॉर्नर के शॉर्ट रन के कारण हारी हैदराबाद

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच रविवार रात खेला गया आईपीएल 2021 सीजन का 20वां मैच टाई रहा। इसके बाद सुपर ओवर में हैदराबाद ने 8 रन का टारगेट दिया, जिसे दिल्ली की टीम ने छठी और आखिरी बॉल पर हासिल कर लिया। इससे पहले 160 रन के टारगेट का पीछा करते हुए हैदराबाद की टीम आखिरी ओवर में 16 रन नहीं बना सकी थी। इस सीजन का यह पहला मैच टाई रहा है। मैच का स्कोरकार्ड देखने के लिए यहां क्लिक करें...

यह सीजन का पहला सुपर ओवर था। इसमें पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी हैदराबाद टीम के लिए कप्तान डेविड वॉर्नर और केन विलियम्सन खेलने आए। ओवर की आखिरी बॉल पर दोनों 2 रन के लिए दौड़े, लेकिन वॉर्नर अपना पहला रन पूरा नहीं कर सके थे और दूसरे के लिए दौड़ पड़े थे। ऐसे में अंपायर ने इसे शॉर्ट रन करार दिया और टीम के खाते में 1 ही रन जोड़ा। यह टीम को भारी पड़ा, क्योंकि दिल्ली की टीम ने भी आखिरी बॉल पर 1 रन बनाकर मैच जीता।

यदि वॉर्नर का रन शॉर्ट नहीं होता और दिल्ली को आखिरी बॉल पर 2 रन चाहिए होते तो सुपर ओवर भी टाई हो सकता था। ऐसे में मैच

फिर किसी भी टीम के पाले में जा सकता था। हालांकि इस जीत के साथ दिल्ली की टीम पॉइंट टेबल में नंबर-2 पर पहुंच गई है। मैच में पहले दिल्ली के ओपनर पृथ्वी शॉ ने फिफ्टी लगाई। उसके बाद आवेश खान ने 3 और अक्षर पटेल ने 2 विकेट लेकर मैच ही पलट दिया। टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने 4 विकेट गंवाकर 159 रन बनाए। इसके जवाब में हैदराबाद की टीम ने भी 7 विकेट गंवाकर 159 रन बनाते हुए मैच टाई करा दिया। केन विलियम्सन ने 51 बॉल पर 66 रन की नाबाद पारी खेली। उनके साथ जगदीश सुचित 6 बॉल पर 15 रन बनाकर नाबाद रहे। दिल्ली के लिए आवेश खान ने 3 और अक्षर पटेल ने 2 विकेट लिए। 160 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी हैदराबाद टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 28 के स्कोर पर ही पहला विकेट गंवा दिया। कप्तान डेविड वॉर्नर 6 रन बनाकर रनआउट हो गए। हालांकि, दूसरे ओपनर जॉनी बेयरस्टो भी ज्यादा देर नहीं टिक सके।

टीम को 56 के स्कोर पर दूसरा झटका लगा। बेयरस्टो 18 बॉल पर 38 रन बनाकर आवेश खान की बॉल पर कैच आउट हुए।

आवेश ने हैदराबाद को 84 के स्कोर पर तीसरा झटका दिया। उन्होंने विराट सिंह को कैच आउट कराया। विराट 14 बॉल पर 4 रन बना सके। केन विलियम्सन ने एक छोर संभाले रखा। उन्होंने केदार जाधव के साथ मिलकर 14वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन तक पहुंचाया। हैदराबाद टीम 104 के स्कोर पर पहुंची ही थी कि चौथा विकेट भी गिर गया। स्पिनर अमित मिश्रा ने केदार जाधव को 9 रन पर स्टंप आउट कराया।

SRH टीम 13 रन ही जोड़ सकी थी कि अक्षर पटेल ने एक ही ओवर में 2 झटके दिए। उन्होंने अभिषेक शर्मा और राशिद खान को शिकार बनाया। हैदराबाद की पारी के दूसरे ओवर में काफी ड्रामा देखने को मिला। अश्विन के ओवर की तीसरी बॉल पर बेयरस्टो ने शॉट मिस किया। बॉल विकेटकीपर पंत के हाथों में गई। अश्विन और पंत ने कैच की अपील की और फील्ड अंपायर ने बेयरस्टो को आउट करार दिया। इसके बाद बेयरस्टो ने DRS लिया। रिव्यू में बॉल बैट के किसी भी हिस्से को नहीं छू रही थी। इस तरह फील्ड अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा। इसी ओवर की 5वीं बॉल पर शिमरॉन हेटमायर ने बाउंड्री लाइन पर बेयरस्टो का कैच छोड़ दिया। उस वक्त बेयरस्टो 1 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे।